

आरत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

लं० 32]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 9, 1975 (श्रावण 18, 1897)

No. 32]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1975 (SRAVANA 18, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और भालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भास्त भरकार के संसम्म और अधीन सर्वालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 जुलाई, 1975

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (IV)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12-6-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मागो को राष्ट्रपति द्वारा 22-6-75 से 28-6-75 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (I)—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 15-6-75 से 14-8-75 तक 61 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (II)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12-6-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० डी० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 16-6-75 से 30-7-75 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो 1—186 GI/75

भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/75-प्रशा० III (III)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12-6-75 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० एल० मदान को राष्ट्रपति द्वारा 16-6-75 से 28-6-75 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई, 1975

सं० 2/20/74-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री रमेश चन्द्र, आई० ए० एस० (य० पी० : 1961) को 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, केन्द्रीय सतर्कता

आयोग में स्थानापन्न रूप से विभागीय जांच आयुक्त नियुक्त करते हैं।

बी० ब्ही० दिष्टे,
श्रवर सचिव,

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० 2/37/74-प्रशासन—श्री ए० पी० बीरा राघवन, विभागीय जांच आयुक्त, केन्द्रीय सतर्कता आयोग ने अपनी पुनर्नियुक्ति की शर्तें की समाप्ति पर 30 जून, 1975 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया और 1 जुलाई, 1975 से 99 दिन की अस्थीकृत छुट्टी पर चले गए।

बी० ब्ही० दिष्टे, श्रवर सचिव

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० नं० 2/29/75-ईस्ट० (के० रि० पु० फो०) —राष्ट्रपति, श्री ओ० पी० बाली, सहायक कमांडेन्ट को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में कमांडेन्ट के पद पर अस्थायी रूप में आगामी आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री ओ० पी० बाली ने पदोन्नति के फलस्वरूप 12 मई, 1975 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स के महानिरीक्षक सेक्टर 2, कलकत्ता में स्टाफ आफिसर/सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ा और 19 मई, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की 40वीं बटालियन में कमांडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भाला।

सं० ओ० टू 104/69-ईस्ट०—श्री पी० एन० चौधरी के प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने कमांडेन्ट, ग्रुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, रामपुर का कार्यभार 18 जून, 1975 अपराह्न को त्याग दिया।

सं० ०-II, 727/69-स्थापना—राष्ट्रपति, डा० एस० के० सेन, जी० डी० ओ० ग्रेड II को उसकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड I के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उसने जी० डी० ओ० ग्रेड II ग्रुप सेन्टर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, रामपुर के पद का कार्यभार 18-5-75 के पूर्वाह्न को छोड़ा और 18-5-75 के पूर्वाह्न से ग्रुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, रामपुर में जी० डी० ओ० ग्रेड I के पद का तदर्थ रूप से कार्यभार सम्भाला।

दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० नं० ओ० दो० 132/75-ईस्ट०—राष्ट्रपति, मेजर ग्यानसिह के पुनर्नियुक्ति पर सहायक कमांडेन्ट आफिसर इंचार्ज आर्मज वर्क-शाप के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स, गोहाटी में एक साल के

लिए दिनांक 19 जून, 1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं वशर्ते कि अगर कोई प्रशासनिक आवश्यकता पड़े या उनकी अनुपयुक्ति हो या और कोई अपेक्षकारक हो तो उनकी समयपूर्वक सेवा समाप्ति हो सकती है।

सं० ओ० दो० 129/75-स्थापना—राष्ट्रपति, डॉ कर्नेल एम० एस० अलग (रिटायर्ड) के पुनर्नियुक्ति पर सहायक कमांडेन्ट/आफिसर इंचार्ज आर्मज वर्क-शाप के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, हैदराबाद में एक साल के लिए दिनांक 10 जून, 1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं वशर्ते कि अगर कोई प्रशासनिक आवश्यकता पड़े या उनकी अनुपयुक्ति हो या और कोई अपेक्षकारक हो तो उनकी समयपूर्वक सेवा समाप्ति हो सकती है।

एस० एन० माधुर, सहायक निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय

पुलिस बेतार

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई, 1975

सं० ए० 29/23/75-वायरर्लैस—संबंधी अजीत सिंह और एस० सी० जैन के रक्षा मन्त्रालय, संयुक्त बीजलेख व्यूरो से प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 18 जून, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख) के पद का कार्यभार सम्भाला।

उत्तरपति जोशी, निदेशक, पुलिस, दूर संचार

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय ग्रीष्मोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 3 जुलाई 1975

सं० ई०-38013(1)/1/75-प्रशा० I—श्री तुषार दल, आई० पी० एस० (य० पी०-1953) ने दिनांक 24 जून, 1975 के पूर्वाह्न से, उप-महानिरीक्षक (मुख्यालय), केन्द्रीय ग्रीष्मोगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और आगामी आदेश जारी होने तक उप-महानिरीक्षक (उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र) केन्द्रीय ग्रीष्मोगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, के अतिरिक्त कार्यभार को अस्थायी तौर पर जारी रखेंगे।

दिनांक 7 जुलाई 1975

सं० ई०-38013(2)/4/75-प्रशा० 1—श्री ए० सी० राय ने श्री ए० टी० थिस्वेनगडम के स्थान पर दिनांक 3 जून 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय ग्रीष्मोगिक सुरक्षा बल यूनिट, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, कलकत्ता, के कमांडेन्ट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री ए० टी० थिस्वेनगडम ने उसी दिनांक के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 31013(2)/5/74-प्रशा० I—राष्ट्रपति, निरीक्षक पी० पी० जान एलक्स को दिनांक 23 जून 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय ग्रीष्मोगिक सुरक्षा

बल, आई० एस० आर० ओ०, थुम्बा का, सहायक कमांडेन्ट नियुक्त करते हैं, जिन्होंने उसी दिनांक से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/14/74-प्रशा०-I—कोचीन को स्थानान्तरित होने पर, श्री एन० नारायणन नायर ने दिनांक 27 मई 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, आई० एस० आर० ओ० थुम्बा के सहायक कमांडेन्ट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने श्री के० जी० थाँमस के स्थान पर दिनांक 3 जून, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, कोचीन, के सहायक कमांडेन्ट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री के० जी० थाँमस ने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार होड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/3/75-प्रशा०-I—दुर्गापुर को स्थानान्तरित होने पर, श्री आर० के० दीक्षित, सहायक कमांडेन्ट ने, दिनांक 19 जून, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील सिटी के सहायक कमांडेन्ट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० ई०-38013(2)/4/75-प्रशा०-I—बोकारो स्टील सिटी से स्थानान्तरित होने पर, श्री आई० एन० बोहरा, ने दिनांक 8 जून, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, वरीनी, के कमांडेन्ट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-16013(2)/8/73-प्रशा०-I—अपने ग्रनुरोध पर राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तित होने पर, श्री सी० एल० रामाकृष्णन, आई० पी० एस०, ने दिनांक 23 जून, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, मद्रास हवाई पत्तन, मद्रास के कमांडेन्ट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/14/74-प्रशा०-I—कोचीन से स्थानान्तरित होने पर, श्री के० जी० थामस, ने दिनांक 11 जून, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, आई० एस० आर० ओ०, थुम्बा के सहायक कमांडेन्ट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(2)/4/75-प्रशा०-I—दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर श्री आर० के० नियोगी ने श्री आई० एन० बोहरा के स्थान पर, दिनांक 5 जून, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील सिटी, के कमांडेन्ट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री आई० एन० बोहरा ने, वरीनी को स्थानान्तरित होने पर, उसी दिनांक के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-31013(2)/5/74-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निरीक्षक इशाम सिंह, को दिनांक 7 जून, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी प्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल,

सुरक्षा पेपर मिल, होणगाबाद, का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेन्ट नियुक्त करते हैं। जिन्होंने पद का कार्यभार उसी दिनांक से सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० पी०/ए० (13) ए० डी०-I—राष्ट्रपति, श्री ई० के० आकृष्णन को, जो भारतीय सांस्कृतिक सेवा के ग्रेड 4 के अधिकारी हैं, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में दिनांक 1 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से अगले प्रावेश प्रेषित होने तक वरिष्ठ शोध अधिकारी के पद पर ग्रस्थाधीर रूप से सहृदय नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जुलाई 1975

सं० 6/1/74-आर० जी० (ए० डी० 1)—श्री एन० सी० शर्मा के इन्डियन इन्स्टीट्यूट आफ प्रिलिक एडमिनिस्ट्रेशन नई दिल्ली में प्रोग्रामर के पद पर प्रतिनियुक्ति के चयन के फलस्वरूप उन्होंने भारत के महापंजीकार के कार्यालय में दिनांक 21 जून, 1975 के पूर्वाह्न से सहायक निवेशक (प्रोग्राम) के पदभार को संभाल दिया।

बद्रीनाथ,
भारत के उपमहापंजीकार,
एवं पदेन उपसचिव

वित्त मन्त्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 11 जुलाई, 1975

सं० श्री० एन० पी०/ई०/8/एम०-8—श्री एस० के० माथुर, स्थानापन्न नियन्त्रण निरीक्षक को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में ई० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से 9 जुलाई 1975 से छह माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियन्त्रण अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मुखर्जी, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय, महालेखाकार जम्मू व काश्मीर
श्रीनगर, दिनांक 7 जुलाई 1975

सं० प्रशासन-I/60(75)/75-76/1179-83—महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर ने प्रसादपूर्वक निम्न नियम प्रोफार्म पदोन्नति के अन्तर्गत अपने कार्यालय के अधीन लेखा सेवा अधीक्षक

श्री बनसी लाल रेना को 16 जून, 1975 के अपराह्न से आगामी प्रादेश तक लेखा अधिकारी के पद की स्वीकृति दी है।

पी० के० बोस,
वरिष्ठ उप-महासेवाकार
(प्रशासन तथा अधिकरण)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक
नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1975

सं० 40011 (2)/74-प्रशा०ए०—रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, भेरठ के संगठन में सेवारत श्री नारायण दास वीर स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/136) को 28 फरवरी 1975 के पूर्वाह्न से सेवा से अनिवार्य रूप से निवृत्त कर दिया गया है।

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण
स्थापना
नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1975

सं० 6/814/67-प्रशा० (राज०)/7005—सेवा निवृत्ति आयु होने पर, श्री शंकर लाल शाह ने 30 जून, 1975 के अपराह्न को नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार इस कार्यालय में सौंप दिया।

सं० 6/776/66-प्रशा० (राज०)/7015—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में स्थायी अधिकारी, श्री डी० एन० शर्मा ने सेवा निवृत्ति की आयु होने पर 30 जून, 1975 के अपराह्न को नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार इस कार्यालय में सौंप दिया।

सं० 6/732/64-प्रशा० (राज०)/7034—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण वर्ग में स्थानापन्न अधिकारी, श्री दिलोक सिंह, वाणिज्य मन्त्रालय से हस्तान्तरित होने पर 31 मई 75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक श्री ए० एम० श्रीनिवासन के सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के, स्थानापन्न रूप में निजी सचिव नियुक्त किए गए हैं।

सं० 1069/75-प्रशा० (राज०)/7045—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवरण वर्ग में स्थानापन्न अधिकारी श्री दिलोक सिंह, वाणिज्य मन्त्रालय से हस्तान्तरित होने पर 31 मई 75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक श्री ए० एम० श्रीनिवासन के सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के, स्थानापन्न रूप में निजी सचिव नियुक्त किए गए हैं।

सं० 6/1075/75-प्रशा० (राज०)/7058—राष्ट्रपति वाणिज्य मन्त्रालय में स्थायी अनुभाग अधिकारी, श्री एम० ए० तथाडे को 13 जून 75 से 19 जुलाई 75 तक की अवधि के लिए मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में उप-मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० 6/899/70-प्रशा० (राज०)/7082—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी श्री आत्म प्रकाश नांगिया ने सेवा निवृत्ति आयु होने पर, 30 जून, 1975 के अपराह्न को नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार इस कार्यालय में सौंप दिया।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियन्त्रक

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2 (648)—वस्त्र आयुक्त, 13 जून, 1975 के पूर्वाह्न से, प्रत्य आदेश होने तक, श्री मोहनलाल मूस-बन्द गांधी को वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (नान टेकनीकल) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बी० ना० बसु,
उप-निदेशक (प्रशासन)

उद्योग एवं नागरिक पूर्ति मन्त्रालय

(ओद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1975

सं० 12/678/71-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त लघु उद्योग, 28 नवम्बर, 1974 से 1 फरवरी, 1975 तक अथवा जब तक उक्त पद के नियमित पदधारी, श्री सी० सी० राय उच्चतर ग्रेड से वापिस नहीं लौटते हैं, इनमें से जो भी पहले हों, तब तक लघु उद्योग विकास संगठन के सामान्य प्रशासनिक प्रभाग में श्री गुलफाम दास साहनी को, तर्थ आधार पर, सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सामान्य प्रशासनिक प्रभाग में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) की नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री गुलफाम दास साहनी, ग्राधीकार, लघु उद्योग सेवा संस्थान नई दिल्ली, ने लघु उद्योग सेवा संस्थान नई दिल्ली में 28 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न को सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० 19018/66/73-प्रशा० (राज०)—आनंद प्रदेश चमड़ा उद्योग, विकास निगम लिमिटेड, हैदराबाद में विदेश सेवा पर प्रति-नियुक्त किए जाने पर श्री एस० प्रसाद राव ने लघु उद्योग सेवा संस्थान लुधियाना में सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद का कार्यभार दिनांक 19 मार्च, 1975 के अप्राह्ल में छोड़ा तथा आनंद प्रदेश चमड़ा उद्योग, विकास निगम लिमिटेड, हैदराबाद में दिनांक 29 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न में कार्यभार सम्भाला।

के० वी० नारायणन्,
निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

प्रशासन शाखा-6

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० ए० 17011(74)/74-प्र०-6—राष्ट्रपति, श्री अर्जुन कुमार सहगल को दिनांक 26-5-75 के अप्राह्ल से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-III की वस्त्र शाखा में नियुक्त करते हैं।

श्री अर्जुन कुमार सहगल ने 26 मई, 1975 के अप्राह्ल से निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का पदभार सम्भाल लिया।

के० एस० कोहली,
उप निदेशक (प्रशासन)
कुते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 7 जुलाई, 1975

सं० ए० 19012(20)/70-स्था० ए०—राष्ट्रपति, श्री के० के० अग्रवाला, स्थायी खनिज अधिकारी (सांचियकी) को 21 जून 1975 के अप्राह्ल से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में तर्दश आधार पर स्थानापन्न सहायक खनिज अर्थ-शास्त्री (सांचियकी) के रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

ए० के० राष्ट्रवाचारी,
प्रबन्ध प्रशासन अधिकारी,
कुते नियन्त्रक।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-19, दिनांक 10 जुलाई 1975

सं० 35-2/75-स्था०—श्री रामकृष्ण साहा को राष्ट्रीय एटलस संस्था में सांचियकी अधिकारी के पद पर दिनांक 23 जून 1975 से स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० पी० दासगुप्ता,
निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० 12/11(1)/74—सतर्कता महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री अरुण कुमार चक्रवर्ती को, जो कि पहले वेवग्राम (नादिया) पश्चिम बंगाल में वरिष्ठ क्षेत्र अधीक्षक थे, 18 जून, 1975 (पूर्वाह्न) से अप्रत्येक आदेशों तक अस्थायी पद-धन्ता में आकाशवाणी भागलपुर में कृषि रेडियो अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक,
कुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 20 जून 1975

सं० ए० 19012/1/74-स्थापना-1—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री एस० वी० गोरखाडे को 12 नवम्बर, 1974 से अगले अदेश तक एतद्वारा इस निदेशालय में नियमित रूप से वरिष्ठ कलाकार नियुक्त करते हैं।

रोशनसाल जैन,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कुते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 2 जून 1975

सार्वजनिक सूचना राष्ट्रीय फिल्म समारोह

सं० 1/2/75-एफ० एफ० डी०-1—राष्ट्रीय, फिल्म पुरस्कार योजना जिसको पहले राष्ट्रीय पुरस्कार कहा जाता था, 1954 से अल रही है। कुछ समय से भारत सरकार इस योजना के नाम में परिवर्तन करने पर विचार करती रही है। अब यह निर्णय किया गया है कि आगे से राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार राष्ट्रीय फिल्म समारोह के नाम से तथा इसके अन्तर्गत दिए जाने वाले पुरस्कार कमल पुरस्कार के नाम से जाने जायेंगे।

राष्ट्रीय फिल्म समारोह योजना के अन्तर्गत पुरस्कारों की निम्नलिखित श्रेणियां होंगी:—

पुरस्कार

(1) कथा-चित्र

(अ) राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा-चित्र के लिए पुरस्कार

वर्ष के राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा-चित्र के निर्माता को स्वर्ण कमल तथा 40,000 रु० का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल तथा 15,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ब) द्वितीय राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा-चित्र के लिए पुरस्कार

निर्माता को रजत कमल और 15,000 रु० का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(स) राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथा-चित्र के लिए विशेष पुरस्कार

निर्माता को रजत कमल और 30,000 रु. का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(द) भारत की स्वतन्त्रता की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर निम्न किसी विषय पर सर्वोत्तम कथा-चित्र

- (क) राष्ट्रपिता द्वारा प्रतिष्ठापित तथा भारत के संविधान की प्रस्तावना में निहित आदर्शों की प्राप्ति के प्रति राष्ट्र का पुनर्समर्पण और उन महान आदर्शों जो हमारे राष्ट्र निर्माताओं के प्रेरणा स्रोत थे, का पालन करने के लिए हमारा निश्चय;
- (ख) शक्तिशाली विदेशी शासन के विरुद्ध एक अभूतपूर्व लड़ाई लड़ने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों तथा शहीदों के जीवन की घटनाओं और उल्लेखनीय विशेषताओं का चित्रण करते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि; इस प्रकार जिस नैतिक और आदर्श वातावरण में स्वतन्त्रता की लड़ाई लड़ी गयी, उसका सही सही चित्र प्रस्तुत करना;
- (ग) विविधता में एकता;
- (घ) राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय एकता का लगातार विकास और संरक्षण;
- (ङ) नव-राष्ट्र के विकास के प्रति महान प्रयास करने वाले राष्ट्र-निर्माताओं को हर स्तर पर प्रोत्साहन;
- (च) सम्बद्ध समस्याओं के समाधान पर विशेष प्रकाश डालते हुए पिछले 25 वर्षों के दौरान विभिन्न धरों में उपलब्धियां;
- (छ) विभिन्न उत्पादक गतिविधियों में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के प्रयासों और आत्म-निर्भरता के आदर्शों का प्रचार;
- (ज) सामाजिक न्याय, आर्थिक समूक और समाज कल्याण के प्रोत्साहन की ओर बढ़ते कदम;
- (झ) अभिव्यक्ति और आचरण की स्वतन्त्रता के व्यक्तिगत अधिकार के दृढ़ क्यन्त के आदर्श की प्राप्ति।

पुरस्कार

निर्माता को रजत कमल और 30,000 रु. का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(१) प्रभावशाली, पूर्ण मतोरंजन और कलात्मक सौन्दर्य वाले कथा-चित्र के लिए विशेष पुरस्कार

निर्माता को स्वर्ण कमल; निदेशक को रजत कमल

(२) प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोत्तम कथा-चित्र के लिए पुरस्कार

प्रत्येक प्रादेशिक भाषा ग्रन्थात्:

हिन्दी (उदू, हिन्दुस्तानी और भोजपुरी, राजस्थानी तथा मैथिली जैसी बोलियों सहित), मराठी (कोंकणी सहित), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, सिन्धी और अंग्रेजी;

बंगला, ग्रसमिया, उड़िया और मणिपुरी

तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम के सर्वोत्तम कथा-चित्र के निर्माता को रजत कमल और 10,000 रु. का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल और 5,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(३) निर्देशन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार

वर्ष के सर्वोत्तम निदेशक को रजत कमल और 20,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(४) चलचित्र की (सार्वी) में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार

सार्वी फ़िल्म के सर्वोत्तम कैमरामैन को रजत कमल और 5,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(५) चलचित्र की (रंगीन) में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार

रंगीन फ़िल्म के सर्वोत्तम कैमरामैन को रजत कमल और 5,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(६) वर्ष का सर्वोत्तम अभिनेता पुरस्कार

सर्वोत्तम अभिनेता को रजत कमल।

(७) वर्ष की सर्वोत्तम अभिनेत्री पुरस्कार

सर्वोत्तम अभिनेत्री को रजत कमल।

(८) वर्ष का सर्वोत्तम बाल अभिनेता/अभिनेत्री पुरस्कार

सर्वोत्तम बाल अभिनेता अथवा अभिनेत्री जिसकी आयु 16 वर्ष से अधिक न हो, को रजत कमल।

(९) वर्ष का सर्वोत्तम पार्श्व-गायक पुरस्कार

सर्वोत्तम पार्श्व-गायक को रजत कमल।

(१०) वर्ष की सर्वोत्तम पार्श्व-गायिका पुरस्कार

सर्वोत्तम पार्श्व-गायिका को रजत कमल।

(११) वर्ष का सर्वोत्तम संगीत निदेशक पुरस्कार

(धून की मौलिकता के लिए पुरस्कार)

सर्वोत्तम संगीत निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(१२) वर्ष का सर्वोत्तम स्क्रीनले पुरस्कार

सर्वोत्तम स्ट्रिप्ट लेखक को रजत कमल और 10,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(१३) वर्ष की सर्वोत्तम कहानी पुरस्कार

सर्वोत्तम कहानी लेखक को रजत कमल और 10,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(१४) वर्ष का सर्वोत्तम गीत पुरस्कार

राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम फ़िल्मी गीत के लेखक को जतर कमल और 5,000 रु. का नकद पुरस्कार।

(19) वर्ष का सर्वोत्तम बाल चित्र पुरस्कार

निर्माता को स्वर्ण कमल और 15,000 रु० का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल और 10,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(2) लघु चित्र

(क) सर्वोत्तम सूचना फिल्म (शृृंग चित्र)

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ख) सर्वोत्तम शैक्षणिक फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(ग) सर्वोत्तम सामाजिक फिल्म

(समकालीन सामाजिक समस्याओं का चित्रण और निष्पक्ष विश्लेषण वाली फिल्म)

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार, निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(घ) सर्वोत्तम व्यवसाय प्रेरक फिल्म (विज्ञापन)

निर्माता और निदेशक को एक-एक रजत कमल।

(ङ) सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (अव्यावसायिक)

(राष्ट्रीय महत्व जैसे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, सहयोग, बचत, कृषि-कार्य सहित विकास की गतिशीलता आदि के विषय पर सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म के लिए)

निर्माता और निदेशक को एक-एक रजत कमल।

(च) सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(छ) सर्वोत्तम कार्टून फिल्म

निर्माता को रजत कमल और 5,000 रु० का नकद पुरस्कार; निदेशक को रजत कमल और 4,000 रु० का नकद पुरस्कार।

(3) दादा साहेब फालके पुरस्कार

(भारतीय सिनेमा के प्रति उल्लेखनीय योग्यता के लिए विशेष पुरस्कार)

स्वर्ण कमल, 20,000 रु० का नकद पुरस्कार और एक शाल।

झेष नियम वही होंगे जो इस मन्त्रालय के संकल्प सं० 1/2/75-एफ० ई०-1 तारीख 5 मार्च, 1975 में अधिसूचित किए जा चुके हैं।

गगत मुरारी,
निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० 9-25/74-एडमिन-1—प्रशासन एवं सतर्कता निदेशक ने कुमारी बीना दत्ता को राजकुमारी अमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली, में 29 मई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक ट्यूटर के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

ट्यूटर के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप कुमारी बीना दत्ता ने 29 मई 1975 के पूर्वाह्न से उसी महा-विद्यालय में विलिंग्डन अस्पताल के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० 1-12/72-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्री बलदेव राज को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य, संस्थान, कलकत्ता में 21 मार्च 1972 से स्वास्थ्य शिक्षक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 13-1/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) मनजीत कौर को 26 मई 1975 के पूर्वाह्न से तदर्थे आधार पर तथा आगामी आदेशों तक विलिंग्डन अस्पताल एवं उपचर्या गृह, नई दिल्ली, में दन्त चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 15 जुलाई 1975

सं० 12-56/72-एडमिन-1—अधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी श्री बी० मुखर्जी 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

राष्ट्रपति ने श्री बी० मुखर्जी को पहली मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से नौ महीने की अवधि के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में पुनर्नियोजन के आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उपनिदेशक प्रशासन

कृषि तथा सिंचाई मन्त्रालय

कृषि विभाग

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1975

सं० 2(6)/71-स्थापना (1)---विस्तार निदेशालय, कृषि तथा सिंचाई मन्त्रालय (कृषि विभाग) में 840-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में विशेष अधिकारी (परियोजना) के पद पर स्थानापन्थ श्री कृष्ण लाल इस्सर, 30 जून 1975 के बाद से 31 अगस्त 1975 या पद के नियमित रूप से भरे जाने में से जो भी पहले हो, तक अपने पद पर तदर्थे रूप से स्थानापन्थ बने रहेंगे।

पी० के० मुखर्जी,
प्रशासन निदेशक

परमाणु कर्जा विभाग
सम्पदा प्रबन्धन निदेशालय
बम्बई-400201, दिनांक 11 दिसम्बर 1974

ज्ञापन

सं. 2/179/70-प्रशासन—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसार, मैं इस निदेशालय के अस्थायी मददगार 'बी' श्री जी० जी० फूतक को एतद्वारा सूचित करता हूँ कि इस निदेशालय में उनकी सेवा उन्हें इस नोटिस के लिए जाने की तारीख से लेकर एक महीने की अवधि के पूरा होने पर समाप्त हो जायेगी।

आर० एल० बद्रा,
प्रशासन-अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1975

सं. ए०-32013/8/75-ई० सी०—श्री एस० एस० चीधरी नियन्त्रक, केन्द्रीय रेडियो बंडार डिपो ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31 मार्च 1975 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 15 जुलाई 1975

सं. ए०-32013/13/75-ई० सी०—राष्ट्रपति, श्री बी० ए० बेलीअप्पा, सहायक संचार अधिकारी को, श्री एस० ए० नारायण, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर की छुट्टी रिक्ति में वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलौर में 1 मई 1975 (अपराह्न) से तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरवंस लाल कोहली,
उप निदेशक प्रशासन
हृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं. ए०-12034/4/75-ई० ए०—निम्नलिखित वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर 30 जून, 1975 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं :—

| क्र० सं० | नाम | स्टेशन |
|--------------------------|-------------------------|--------|
| 1. श्री आर० एस० करमबेलकर | बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई | |
| 2. श्री सी० के० अब्राहम | मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास | |

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मन्त्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 18 जुलाई 1975

सं. ई० (1) 06389—वेधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक के प्रधीन मौसम केन्द्र लखनऊ के व्यवसायिक सहायक श्री राम स्नेही को 19-6-75 के पूर्वाह्न से छहत्तर दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री राम स्नेही प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक के प्रधीन मौसम केन्द्र, लखनऊ में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मनियन्,
मौसम विशेषज्ञ,
हृते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं. 1/321/75-स्था०—महानिदेशक, विदेश संचार सेवा, श्री एन० के० दास, सहायक पर्यवेक्षक, कलकत्ता शाखा को अल्प-कालिक रिक्तियों में 12-4-75 से लेकर 24-5-75 (दोनों दिन समेत) तक की अवाधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
हृते मद्रासनिदेशक

बम्बई, दिनांक जुलाई 1975

सं. 1/356/75-स्था०—बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी० बी० पठारे को 16 जून, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी प्रादेशों तक कलकत्ता शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त किया जाता है।

प० ग० दामले,
महानिदेशक

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं. 16/239/75-स्थापना-1—अध्यक्ष वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने श्री के० सी० गोयल, महालेखाकार, राजस्थान के कार्यालय के लेखा अधिकारी को वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में दिनांक 13 जून, 1975 के पूर्वाह्न से सहर्ष लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

प्रेम कपूर,
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

मदुरै-2, दिनांक 7 जुलाई 1975

सं० 2/75—थी एस० रामचन्द्रन, कायालिय अधीकारी के मदुरै, मुख्य कायालिय को आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया गया। श्री एस० रामचन्द्रन ने, मदुरै के निम्नलिखित कायालिय में, प्रशासनिक अधिकारी का कार्यभार 30-6-75 पूर्वाह्न में संभाल लिया है।

एस० एस० भुश्मण्यम्,
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 11 जुलाई 1975

सं० 14/75—वित्त मन्त्रालय (राजस्व और वीमा विभाग) नई दिल्ली के पत्र सं० 40012/3/75 प्रशा० II दिनांक 22-5-75 के अन्तर्गत जारी आदेश सं० 90/75 द्वारा राष्ट्रपति सहर्ष आदेश देते हैं कि श्री बरजोरसिंह, सहायक समाहर्ता, जो इस कायालिय के समसंघक पृष्ठांकन 9/75 193 दिनांक 12-12-74 के अन्तर्गत जारी अधिसूचना सं० 13/74 के अनुसार दिनांक 1-12-74 से 6 मास के लिए सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के पद पर पुनर्नियुक्त किए गए थे, उसी पद पर दिनांक 1-6-75 से 6 मास की ओर भी आगे की अवधि के लिए पुनर्नियुक्त किए जाएं। तदनुसार श्री बरजोरसिंह, दि० 1-6-75 से 6 मास की अवधि तक सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मूल्यांकन एवं प्राविधिक) बने रहेंगे।

2. पुनर्नियुक्त की बाइंदी गई अवधि के तत्काल बाद श्री बरजोरसिंह इस कायालिय आदेश सं० 11 (20) जी० 14/74, दिनांक 4-1-75 द्वारा अस्वीकार की गई छुट्टी पर जा सकेंगे।

रक्षितनाथ शुक्ल,
समाहर्ता

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

वंगलौर 560009, दिनांक 4 जुलाई 1975

सं० 10/7(202)/73 सि० इ० प्र० (एच)—अन्तरिक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखांकार श्री एम० पी० दास को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 30 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त किया जाए।

पी० आई० य० नम्बियार,
प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य अभियन्ता

वंगलौर 560025, दिनांक 16 जून 1975

शुद्धि पत्र

सं० 10/7(226)/73 सि० इ० प्र० (एच)—दिनांक 16 जूलाई, 1973 की समसंघक अधिसूचना में श्री वाई० रंगौया की नियुक्ति को तारीख “29 जून, 1973” को शुल्क कारके “20 जून, 1973 (पूर्वाह्न)” के रूप में पढ़ा जाए।

पी० आई० य० नम्बियार,
प्रशासन अधिकारी

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० क-32012/2/70 प्रशा०-5—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी II) की सिफारिशों पर अधिकारी, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से निम्नलिखित अनुसन्धान सहायकों को (जो इस समय सहायक अनुसन्धान अधिकारी (भौतिकी) के रूप में तदर्थ रूप में स्थानापन्न अमता में कार्य कर रहे हैं) केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसन्धान केन्द्र, पूना में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (भौतिकी) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियमित रूप से स्थानापन्न अमता में प्रत्येक के सामने दी गई तिथि से आगे आदेश होने तक नियुक्त करते हैं:—

- | | |
|----------------------------|---------------------|
| 1. श्री डी० डी० सोनी | 26-5-75 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री रणजीत दत्त | 26-5-75 (पूर्वाह्न) |
| 3. श्री के० एस० दास | 26-5-75 (पूर्वाह्न) |
| 4. श्री के० आर० भट्टाचार्य | 26-5-75 (पूर्वाह्न) |

2. उपरोक्त अधिकारी उपर दी गई तिथि एवं समय से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 10 जुलाई 1975

सं० क-19012/530/75-प्रशा०-5—इस आयोग के कायालिय आदेश सं० क-32012/4/70-प्रशा० 5, दिनांक 27 दिसंबर, 1974 के अनुसार में श्री एस० के० उकील, अनुसन्धान सहायक, केन्द्रीय जल आयोग, ने फरक्का वराज परियोजना से प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तित हो जाने पर जम्मू में चिनाव अन्वेषण वृत्त, केन्द्रीय जल आयोग के चिनाव अन्वेषण प्रभाग में सहायक अनुसन्धान अधिकारी के पद का कार्यभार 4-6-1975 (पूर्वाह्न) से श्री एस० ए० दास से जो उसी दिनांक एवं समय प्रार्था० 4-6-75 (पूर्वाह्न) से अनुसन्धान सहायक रूप में प्रत्यावर्तित हो गए हैं, सम्भाल लिया है।

दिनांक 11 जुलाई, 1975

शुद्धि पत्र

सं० क-31012/2/73-प्रशा०-5 (खण्ड तीन) —समसंघक अधिसूचना दिनांक 2 अप्रैल, 1975 में क्रम सं० 25 पर लिखा

श्री डी० पी० प्रसाद राव का नाम "श्री डी० बी० प्रसाद राव" पढ़ा जाए।

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष
केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति और पुनर्वास मन्त्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियन्ता का कार्यालय पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन
जयपुर-764 003 (उड़ीसा), दिनांक 10 जुलाई 1975

सं० पी० 2/97—मंडल अभियन्ता-4 के कार्यालय में श्री
सी० एल० गुप्ता तदर्थ सहायक प्रशासन अधिकारी को उनके
मौलिक पद कार्यालय अधीक्षक के पद पर 2-7-1975 के अपराह्न
से प्रत्यावर्तित किया जाता है और उहें मुख्यालय जयपुर (कोरा-
पुट-उड़ीसा) में तैनात किया जाता है।

ब० प्र० सक्सेना,
प्रशासन अधिकारी
वास्ते प्रचालक अभियन्ता

श्रम मंत्रालय
श्रम ब्यूरो,

ग्रिमला-171004, दिनांक—अगस्त 1975

सं० 23/3/75-सी० पी० आई० जून 1975 में ग्रीष्मोगिक
श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य-सूचकांक (आधार
वर्ष 1960=100) मई, 1975 के स्तर से एक अंक बढ़कर
328 (तीन सौ अठाइस) रहा। जून, 1975 माह का
सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर
399 (तीन सौ निन्यानवे) आता है।

कृष्ण कुमार भाटिया
निदेशक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कानकता, दिनांक 10 जुलाई 1975

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टर्न डिस्टीलरी प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

सं० 25225/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार में एतवद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ईस्टर्न
डिस्टीलरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दीर्घ
न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उबत कम्पनी
विघटित कर दी जाएगी।

एस० सि० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिमी बंगाल

संगठन और प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1975

सं० 9/317/75-सं० एवं प्र० सेवा/691—श्री एम० के०
कृष्णस्वामी, निरीक्षीय सहायक आयकर आयकृत ने आयकर
आयुक्त कार्यालय, हैदराबाद से अपना स्थानान्तरण होने पर
संगठन और प्रबन्धक सेवा निदेशालय में दिनांक 16 मई, 1975
के पूर्वान्तर से उप-निदेशक के पद का कार्यभार संभाला।

सं० 9/318/75-संगठन एवं प्रबन्धक संस्थान/761—श्री
वी० एस० वाही, आयकर अधिकारी, श्रेणी-I ने आयकर आयुक्त
कार्यालय दिल्ली-1 से अपना स्थानान्तरण होने पर, संगठन और
प्रबन्धक सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में दिनांक 17
मई 1975 के पूर्वान्तर से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार
संभाला।

एच० डी० बहल,
संगठन एवं प्रबन्धक सेवा निदेशक
(आयकर)

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 1 जुलाई 1975

सं० एफ० 48-ए डी (ए टी)/75—श्री बी० बी०
श्रीवास्तव, जो आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ,
बम्बई में सहायक रजिस्ट्रार थे, निवास आय को प्राप्त होने पर
30 जून, 1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

हरनामशंकर,
अध्यक्ष

प्र० राम सुपुत्र श्री सन्दा राम गांव तलवन तहसील
फिल्हौर जिला जालन्धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०-९९८:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3124 नवम्बर,
1974 में है तथा जो तल बन में स्थित है (और इससे उपबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय फिल्हौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के फँड़ह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रविंद्र कुमार सन्दा राम गांव तलवन तहसील
फिल्हौर जिला जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री नरजंत सिंह, प्यारा सिंह, सपुत्र श्री लक्ष्मन सिंह
गांव तलवन तहसील फिल्हौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में सुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धृव्याधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3124 नवम्बर—
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24 जुलाई 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०-999—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जितकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3127 नवम्बर-1974 में है तथा जो तज्ज्वल में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री गुरमेज सिंह सपुत्र श्री निरजन सिंह फिल्लौर जी० ए० श्री ज्ञान सिंह, चानन कौर सपुत्र श्री सुन्दर सिंह यांव तलवत तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)

2. श्री दयाल सिंह, हरभजन सिंह सपुत्र श्री शंकर सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह गांव रुडकी तहसील फिल्लौर। श्रीर मुख्तयार सिंह सपुत्र श्री दयाल सिंह, बलबीर सिंह सपुत्र श्री हरभजन सिंह (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3127 नवम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 24-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०-1000 यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3174 नवम्बर,
1974 में है तथा जो अजनाली में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के धार्यत्व में कमी करने या उससे वचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए:—

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री दीदार सिंह सपुत्र श्री जीवन सिंह गांव अजनाली
तहसील फिल्लौर।
(अन्तरक)

2. श्री जरनेल सिंह, विक्रम सिंह सपुत्र श्री नंद सिंह, भजन
कौर, सपुत्री श्री नन्द सिंह, गांव अजनाली तहसील फिल्लौर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि
रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3174 नवम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई 1975

मोहर:

प्रूलप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निवेदण सं० ए० पी० नं० 1002—यत्, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3319
है तथा जो रुड़का कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी अर्जीत सिंह गंव रुड़का कला
तहसील फिल्लौर। (अन्तरित)

2. श्री प्रगट सिंह और जसवंत सिंह, सपुत्र श्री शिव सिंह, गंव
मुरानी तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि
रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3319 नवम्बर,
1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 24-7-1975

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1003:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1878 है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए प्रौर/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए पा, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सौदागर सिंह सपुत्र वधवा सिंह सपुत्र श्री फतेह सिंह निवासी नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री हरबन्स सिंह सपुत्र श्री लक्ष्मन सिंह सपुत्र श्री भाग सिंह, निवासी नकोदर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1878 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीखः 24-7-1975

मोहरः

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०-----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० नं० 1004—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1920 है तथा जो अड्डी में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री स्वराज सिंह सपुत्र श्री नरेन मिह, गांव अड्डी जिला जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री किशन सिंह सपुत्र श्री नरेन सिंह, गांव अड्डी तहसील नकोदर।
(अन्तरिती)

3. श्री किशन सिंह सपुत्र श्री नरेन सिंह गांव अड्डी तहसील नकोदर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1920 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०-1005—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1933 नवम्बर 1974 में है तथा को चक्क खुरद आलीवाल में स्थित है (और इससे उपावदध प्रनुसूची में और पूर्ण स्पृष्टि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल-निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

3—186 GI/75

1. श्री बयन्त सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह गांव अलीवाली तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री पाल सिंह, भाग सिंह, प्रीतम सिंह गुरदीप सिंह सपुत्र इन्द्र सिंह बड़ा सिधपुर तहसील नकोदर। (अन्तरिति)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में हुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1933 नवम्बर 1974, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश ए० पी० नं०-1006—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1935 नवम्बर-1974 में है तथा जो पंडोरी राजपूतां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री सुन्दर सिंह सपुत्र सदा सिंह सपुत्र श्री रत्न सिंह निवासी पंडोरी राजपूतां तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. सर्वश्री ज्ञान सिंह, निर्मल सिंह बलजीत सिंह सपुत्र श्री मोहन सिंह पंडोरी राजपूतां तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

3. सर्वश्री खान सिंह, निर्मल सिंह बलजीत सिंह सपुत्र श्री मोहन सिंह पंडोरी राजपूतां तहसील नकोदर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो अवित्त सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1935 नवम्बर-1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० नं०-1007—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1940 नवम्बर 1974 में है तथा जो अलेवाली में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में विविधित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्तः श्री उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री वेन्नत सिंह सपुत्र श्री भगत सिंह गांव अलेवाली तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री प्यारा सिंह, गुरचरण सिंह मपुत्र श्री लाल सिंह गांव बड़ा मिधपुर तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

3. श्री प्यारा सिंह, गुरचरण सिंह सपुत्र श्री लाल सिंह गांव बड़ा मिधपुर तहसील नकोदर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में हचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जोरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 1940 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 24-7-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निवेश सं० ए० पी० 1008—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1955 नवम्बर, 1974 में है तथा जो तलवडी माधी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल से ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रृद किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री धर्मवीर सपुत्र मथुरा दास तलवडी माधी, तहसील नकोदर। (ग्रन्तीकर)

2. श्री गुरदेव सिंह, गुरमेल सिंह, अंकार सिंह, हरबंस सिंह, सपुत्र नरानंजन सिंह तलवडी माधी तहसील नकोदर। (ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1955 नवम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई, 1976

निदेश सं० ए० पी० 1009:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2009 नवम्बर,
1974 में है तथा जो गांव चुहार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें प्रारंभी आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः:—

1. श्रीमती दत्तो पुत्री प्यारे पत्नी राजमल सिंह वासी
चुहार तहसील नकोदर (अन्तरक)

2. श्री सुखदेव सिंह बलबीर सिंह सपुत्र बहादुर सिंह गांव
चुहार तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रोक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2009 नवम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई, 1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०—1010:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2035 नवम्बर,
1974 में है तथा जो अमरवाल विला में स्थित है (और इसे
उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कपित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपद्वारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपति:—

1. श्री हरबंस सिंह सपुत्र दला सिंह गांव अमर वाल विला,
तहसील नकोदर। (अन्तरक)
2. श्री केवल सिंह सपुत्र जगत सिंह गांव अमरवाल विला,
तहसील नकोदर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।
4. कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवड़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2035 नवम्बर, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० 1011—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1371 नवम्बर-
1974 में है तथा जो हवेली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध
अनुसूची में और पूरी रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त
अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, जैसे उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवकाश—

1. श्री मनमोहन सिंह खुद और जी० ए० हरदीप सिंह सपुत्र
अजेब सिंह गांव हवेली तहसील नकोदर
(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर सिंह सपुत्र सतां सिंह, मोहन सिंह वहदल
सिंह, प्यारा सिंह सपुत्र ठाकुर सिंह गांव हवेली तहसील नकोदर
मलेसीया। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में सूचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

ध्येयीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1371 नवम्बर, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीखः—24 जुलाई 1975

मोहरः

प्र॒र॒प प्रा॒र्थ॒ दी॒० एन॒० एस॒०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1974

निदेश सं० ए० पी० 1012—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1372 नवम्बर 1974 में है तथा जो हवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्तः—

1. श्री मनमोहन सिंह खुद और जी० फें हरदीप सिंह सुपुत्र अर्जेव सिंह गांव हवेली तहसील नकोदर मलसीया (अन्तरक)

2. श्री मलकीयत सिंह सपुत्र दीदार सिंह सपुत्र मेवा सिंह स्वर्ण सिंह सपुत्र करतार सिंह गुरचरण सिंह सपुत्र मुख्यार सिंह गांव हवेली तहसील नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस संपत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाचित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1372 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख:—24 जुलाई 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निरेश सं० ए० पी० न० 1013—यतः मूँझ रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1412 नवम्बर-1974 में है तथा कोंगकुला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—186GI/75

1. श्रीमती सुधाकौर माता जागीरी सपुत्र श्री हजारा सिंह गांव कंग कलां तहसील नकोदर (अन्तरक)

2. श्री अजीत सिंह सरवन सिंह मेजा सिंह सपुत्र श्री विशन सिंह मुख्यविन्द्र सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह कंग कलां तहसील नकोदर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति जो संपत्ति में सचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वर्णीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1412 नवम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिया है।

रवीन्द्र कुमार,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आया
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० 1014—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 3390 दिसम्बर-1974 में है तथा जो सर्व देशियों में स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोहन सिंह सपुत्र बतन सिंह सपुत्र बुला वासी, संग देशियों तहसील फलौर जी० के० टू करतारा (करतार सिंह सपुत्र बतन) (अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह सपुत्र बतन सिंह सपुत्र बुला-फलौर कौर पुत्री रीहाल सिंह वासी पलपोता तहसील फलौर द्वारा प्यारा सिंह सपुत्र भगवान सिंह संग देशियों (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में श्वि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 3390 दिसम्बर-1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलौर में है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर।

दिनांक : 24 जुलाई 1975

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०-1015:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है। और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 3440 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो देसियासंग में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोहन सिंह सपुत्र बतना सपुत्र वुला वासी देसिया मंग तहसील फिल्लौर। (अन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र सिंह, शगोरा सिंह निरनजन सिंह, गुरदेव सिंह सपुत्र रिहाल सिंह सपुत्र मीमा वासी पलघोता तहसील फिल्लौर द्वारा रणजीत सिंह सपुत्र बाबा सिंह। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 3440 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई, 1975

मोहर :

प्र० र० आ० ई० टी० ए० प० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०-1016:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है। और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3457 दिसम्बर, 1974 में है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबूझ अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रमेश राम संतुत्र श्री झन्डा राम निवासी तलवान तहसील फिल्लौर। (अन्तरिक)

2. श्री नरन्जन सिंह, प्यारा सिंह संपुत्र श्री लक्ष्मन सिंह निवासी तलवान तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबूद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3457 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई, 1975

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की)
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए० पी० नं०—1017:—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3473 दिसम्बर, 1974 में है तथा कंग जगीर में स्थित है (और इसे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के, अधीन 'कर देने के अन्तरक के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री बतना गांव धीसिया संग तहसील फिल्लौर आकरतार सिंह सुपुत्र बेला गांव कंग जागीर (अन्तरक)

2. श्री आसा सिंह सुपुत्र श्री हरबंस सिंह गांव कंग जागीर तहसील फिल्लौर माफूत प्रीतम सिंह सुपुत्र सहेना गांव कीमिया संघ तहसील फिल्लौर (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3473 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई, 1975

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई, 1975

निवेदण सं० ए० पी० नं०-1018—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3505 नवम्बर,
1974 में है तथा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, नवम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विस्तीर्ण धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोहन सिंह सपुत्र बतना सपुत्र भुला गांव धीसियां
संघ, तहसील फिल्लौर आटारानी जनरल आफ करतारा सपुत्र बैला
गांव कंग जापीर तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. श्री मुहिन्द्र सिंह, शंगारा सिंह, निरंजन सिंह,
गुरबचन सिंह सपुत्र रावल सिंह, निवासी पलटा, तहसील
फिल्लौर माफें सन्तोष सिंह सपुत्र बीवान सिंह गांव धीसियां संघ
तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3505 दिसम्बर,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक: 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं०-1019—यस: मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3537 नवम्बर
1974 में है तथा में स्थित है (और इससे उपाबन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्यान
नवी किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की बावजूद 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

यस: यब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में
में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, भर्ती:—

1. श्री सोहन सिंह सुन श्री बतना गांव धीसियां संघ तहसील
फिल्लौर ग्रामीण जनरल आफ श्री करतारा सुन श्री बेला आफ
कंग जागीर तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र सिंह, गंगारा सिंह, नरंजन सिंह, गुरवन्त सिंह
सुपुत्र श्री खेल सिंह गांव और डाकखाना पलकोटा धीसियां संघ
तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रधायाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3537 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सभम अधिकारी,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख: 24 जुलाई 1975

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० न० 1020—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैता कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3573 दिसम्बर 1974 में है तथा जो कंगजागीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किभी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए तथा दियाने में गुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के बनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपाधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोहन सिंह सुपुत्र बन्दू गांव धीसियां समूहसील फिल्लौर अटारनी जतरल आफ करतारा सुपुत्र श्री बेला कंग ज.गीर तहसील फिल्लौर।
(अन्तरक)

3. श्री जिन्दोर सिंह, सुरजीत सिंह सुपुत्र श्री आसा सिंह मार्फत बचिन्त सिंह सुपुत्र दलीप सिंह गांव सपरोर तहसील फगवाड़ा।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो उस सम्पत्ति में सुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास भिजित में किए जा सकेंगे।

हप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3573 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 24 जुलाई 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं०-1021—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विनेक नं० 3625 दिसम्बर 1974 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्हौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में उविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—186 GI/75

1. श्री जमना दास, जगन्नाथ सपुत्र श्री तुलसीराम सपुत्र श्री जवाहर लाल निवासी अगलपुर तहसील फिल्हौर अब गुला मंडी फिल्हौर। (अन्तरक)

2. श्री बलदेव मिहू, लक्ष्मन मिहू, जगतार सिहू, मोहन सिंह सपुत्र श्री गुरदेव सिहू सपुत्र श्री लमू निवासी अगलपुर तहसील फिल्हौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विनेक नं० 3625 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्हौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई 1975

मोहर :

प्रस्तुत श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक, 24 जूलाई, 1975

निर्देश सं० ए० वी० नं० 1022—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3653 दिसम्बर
1974 में है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने पर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण नियित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) प्रेसी दिसी आय या किसी छन या अन्य आसियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यव उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदयाल सिंह सपुत्र श्री किशन सिंह निवासी समराय
तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

2. श्री सोहन सिंह सपुत्र श्री बतना सिंह गांव धीसियां तहसील
फिल्लौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वोग, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3653 दिसम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज जालन्धर।

दिनांक : 24-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1023—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3665 दिसम्बर 1974 में है तथा जो में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्हौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ आय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के ग्रन्तुराण में मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थतु:—

1. श्री गुरदयाल सिंह सुपुत्र श्री किशन भिंड जाव भुटारी तहसील फिल्हौर। (अन्तरक)

2. श्री सोहन सिंह, निरंजन सिंह सुपुत्र मिताता मिंह, प्यारा सिंह, गुरनाम सिंह सुपुत्र शिव सिंह पलकोटा तहसील फिल्हौर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3665 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्हौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 24-7-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक, 24 जुलाई 1975

ए० पी० नं० 1024—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3604 नवम्बर 1974 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंकियों, प्रार्थतः:—

1. श्री सुरजीत सिंह सपुत्र मंगल सिंह तहसील नवांशहर निवासी बरनाला कलां (अन्तरिक)

2. श्री हरजीत सिंह सपुत्र श्री छज्जू राम निकट कमेटी घर नवांशहर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों गृह करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अंकितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अंकितयों में से किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3604 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 24-7-75

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक, 24 जुलाई, 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1025—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3387 नवम्बर 1974 में है तथा जो मलपोटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भजन कोर सपुत्री रक्खी पत्नी जैन सिंह गांव बीर बिशन तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र सिंह सपुत्र अवतार सिंह निवासी बीर बिशन तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3387 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

दिनांक : 24-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० नं०-1026—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3386 नवम्बर 1974 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अप्रक्रियाओं अर्थात्:—

1. श्रीमती करतार कौर सपुत्री श्री रमेशी गांव बीर बंसियां तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. श्रीमती दलजीत कौर सपुत्री दलीप सिंह सपुत्र हमीरा निवासी उपल भूमा तहसील फिल्लौर (अन्तरीती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताधारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3386 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

दिनांक: 24-7-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

दिनांक 24 जुलाई 1975

निदण नं० ए०पी०नं०-1027—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है और जिसकी सं० जो कि रजिस्ट्रीकृत विलेख 3837 दिसम्बर 1974 में है तथा जो मोहलन तहसील नवांशहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिवराज सिंह सपुत्र श्री दिलबाग सिंह गांव मोहलन तहसील नवांशहर (अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह सपुत्र श्री बलराज सिंह निवासी भाड़ल टाउन, जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथाग्रिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3837 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई, 1975।

मोहर :

प्र० प्र० आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा-269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश स० ए०पी० न०-1028—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०-3516 नवम्बर, 1974 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है (और इससे उपांषद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269व के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी दलीप सिंह सुपुत्र इशार सिंह निवासी राहों तहसील नवांशहर (अन्तरक)

2. श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी रिछपाल सिंह सुपुत्र श्री भगत सिंह निवासी राहों तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3516 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में स्थित है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई, 1975

मोहर:

प्र० रुपा प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए०पी० नं०-1029—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3528 नवम्बर 1974 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों, को जिम्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः:—
6-186 GI/75

1. श्री तरसेम लाल सुपुत्र श्री हमीर सिंह निवासी मजहूर तहसील नवांशहर (अन्तरक)

2. श्री सोहन सिंह, काबंल सिंह, हरभजन मिह, जरनैल सिंह, रघुपाल सिंह, जोगा सिंह सुपुत्र श्री प्रीतम मिह सुपुत्र श्री हरि सिंह गांव मजहूर तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।¹⁾

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3528 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 24 जुलाई, 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निवेश सं० ए०पी० नं०-1030—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3536 नवम्बर 1974 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पृ० १० से अर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सदानन्द सुपुत्र श्री सोहन लाल निवासी नवांशहर (अन्तरक)

2. श्री हरपाल सिंह सुपुत्र श्री उजागर सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह निवासी नवांशहर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्यी

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3536 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 24 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निवेद सं० ए०पी.नं०-1031—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3456 नवम्बर 1974 में है तथा को नवांशहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांहशहर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है ग्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, मिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कितिह नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपषारा

(1) के अधीन मिम्मलिखित व्यक्तियों, अवधारितः—

1. श्री साधू राम सुपुत्र श्री सन्त राम सुपुत्र मियां राम निवसी राहों (अन्तरक)

2. श्री मिलखी राम सुपुत्र श्री इन्द्र राम सुपुत्र थोली राम गांव गनाचोर तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वींधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रदर्शीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3456 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई, 1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 24 जुलाई 1975

निवेश सं० ए०पी०न० -1032—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हूँ से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3687 दिसम्बर 1974 में है तथा को नवांशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितियों, ग्रथातः—

1. शिवराज सिंह सुपुत्र श्री दलबारा सिंह निवासी महालोन तहसील नवांशहर (अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह सुपुत्र श्री बलराज सिंह सुपुत्र श्री दलबारा सिंह निवासी जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुपूर्ची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3687 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रार्जन रेज जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई 1975

मोहर:

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए०पी०-1033—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3520
नवम्बर 1974 में है तथा जो नवांशहर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वर्ण कौर सुपुत्री भुजा सुपुत्र श्री ईशर
निवासी हिंदूला तहसील नवांशहर (अन्तरक)

2. श्री जसवीर सिंह, सुरजीत सिंह सुपुत्र श्री प्यारा
सिंह सुपुत्र भुजा निवासी हिंदूला तहसील नवांशहर (अन्तरिती)
(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि
रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3520 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 24 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रालूप आई०टी०एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

दिनांक 24 जुलाई, 1975

निदेश एन०पी०-1034—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7602
नवम्बर 1974 में है तथा जो नवाशहर में स्थित है
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेश कुमार सुप्रब श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल
ग्राह्डा दान्डा जालन्धर
(अन्तरित)

2. श्रीमती शान्ति विधवा श्री सुजन सिंह करीमपुरा
526 कपूरथला, जालन्धर
(अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि
रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7602 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 24-7-1975

मोहर:

प्रलूप आई० टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश सं० ए०पी०नं०-1035—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) द्वारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7603 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, ये, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपकारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरेश कुमार सुपुत्र सेठ राजेन्द्र कुमार अंग्रेवाल अडडा टाण्डा जालन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रह्लाद कौर पत्नी सरदार महेन्द्र सिंह मकान नं० 526 मुहल्ला करीमपुरा कपूरथला (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिन के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7603 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर को नवम्बर 1974 को लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई, 1975

मोहर।

प्र० ३० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए०पी०-१०३६—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7605
नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और
इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री सुरेश कुमार सुपुत्र श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल
अड्डा टाण्डा जालन्धर (अन्तरित)
2. श्री महिन्द्र सिंह सुपुत्र सरदार सुजान सिंह, 526
करीमपुरा, कपूरथला (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाल में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7605 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 24 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०-1037—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 7606 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावच्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहैश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—186 GI/75

1. श्री सुरेश कुमार सुपुत्र सेठ राजेन्द्र कुमार अग्रवाल अड्डा टान्डा जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री वासदेव सुपुत्र श्री सोमनाथ, हरेन्द्र मोहन सुपुत्र वासदेव, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 7606 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 24 जुलाई 1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी०-1038—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7233 नवम्बर 1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ओर इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बावजूद 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्षने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपावारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरबाल मिह सुपुत्र श्री चरणजीत सिंह जालन्धर (अन्तरक)

2. मेमर्ज महे लैण्ड जालन्धर (अन्तरिक्ति)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वार्द्धीकरण:—इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7233 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई 1975

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी०-1039—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं 7247 नवम्बर 1974 में है तथा जो बस्ती बाबा खेल जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री चरणजीत सिंह जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री गुरदयाल सिंह डिल्सों सुपुत्र श्री मन्त सिंह नन्याल करार खां जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 7247 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 21 जुलाई, 1975

मोहर : .

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश ए० पी० नं० 1040—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सभी अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7232 नवम्बर 1974 में है तबा जो में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बीरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री चरण जीत सिंह, जालन्धर (अन्तरिती)

2. मैसर्स महे लैण्ड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7232 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सभी अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 24 जुलाई, 1975
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 जुलाई 1975

निवेश सं० ए०पी०न०-1041—प्रन: मुझे, रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7246 नवम्बर
1974 में है तथा जो जालन्धर में स्थित (और इसे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख तारीख नवम्बर
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतु:—

1. श्री गुरबाल सिंह सुपुत्र श्री चरणजीत सिंह, जालन्धर
(प्रन्तरक)

2. श्री गुरदयाल सिंह डिलों सुपुत्र श्री सत्त सिंह
नंगल करार खां, जालन्धर। (प्रन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके
वारे में अधोहस्ताक्षरी जानत है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्पंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7246 नवम्बर
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर, में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 24 जुलाई, 1975

मोहर:

प्र० र० आई० टी० ए० ए०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैगलूर

बैगलूर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3415/74-75—यतः
मुझे आर० कृष्णमूर्ति
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विधास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० सर्वे नं० 169/1 (पुराना नं० 171)
है तथा जो लगेरी गांव, एशवतपुर होबली बैगलूर नार्थ
तालुक में स्थित है (शौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
बैगलूर नार्थ तालुक दस्तावेज नं० 5126/74-75 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विधास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ यापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में धारतदिवः रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बावधत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अवर्ततः—

1 (1) श्री नारायणस्यामी (2) सोरपा केतमारन-
हल्ली, 1 ब्लाक, राजाजीनगर, बैगलूर-10
(अन्तरिक)

2 श्री सत्यनारायण गृह निर्मान सहकारा संघ
सिमिटेड, सत्यनारायणपुर, राजाजीनगर II स्टेज, बैगलूर-
10
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए
एतद्वारा कार्यकाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में शृतबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रतीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खेती जमीन सर्वे नं० 169/1 पुराना नं० 171 एण्ड
169, 2 एकर, लगेरी गांव, एशवतपुरम होबली, बैगलूर
नार्थ तालुक।

सीमा :

पूर्व : कामय, मोटप्पा, अप्पय्या, एण्ड पाप्पा की जमीन।

पश्चिम : रामकक हनुमन्तप्पा की जमीन

उत्तर : कामय और रामय की जमीन

दक्षिण : शिवनहल्ली बसपा की जमीन

दस्तावेज नं० 5126/74-75 तारीख 28-11-1974

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैगलूर

तारीख : 7-7-1975

मोहर:

प्रख्य आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3416/74-75—यतः
मुझे आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम,
1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 173 है तथा जो लगगेरी गांव,
एशबन्टपुर होली बैंगलूरु नार्थ तालुक में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूरु नार्थ तालुक
दस्तावेज नं० 5127 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भुत
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तर्स्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सोनप्पा पुल लेट० डोड्डवसन्न 90, II-बौ०
मैन रोड, जोगनहल्ली, राजाजीनगर II ब्लॉक, बैंगलूरु-10
(अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण गृह निर्माण सङ्कार संघ
निमिटेष्ट, सत्यनारायणपुर राजाजीनगर II स्टेज, बैंगलूरु-10
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकृत्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पण्डीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक एकड़ जमीन सर्वे नं० 173, कगगेरी गांव एशबन्ट-
पुर होली, बैंगलूरु नार्थ तालुक।

सीमा:

पूर्व: पात्यज सीमे चौहप्पा और चक्षप्पा की जमीन

पश्चिम: बमप्पा की जमीन

उत्तर: कामध्या की जमीन

दक्षिण: मुनिस्वमण्णा की जमीन

दस्तावेज नं० 5127/74-75 तारीख: 28-11-1974

श्रीर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूरु

तारीख: 7 जुलाई 1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3418/74-75—यतः
मुझे आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 172/1 और 169/2 हैं तथा जो लगारी गांव एशवन्तपुर होली बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर नार्थ तालुक दस्तावेज नं० 5161/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री कामया पुत्र लेट के० तिप्पथा केतमारनहल्ली, I ब्लाक, राजाजीनगर, बैंगलूर-10 (अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण गृह निर्मान सहकारा संघ लिमिटेड, सत्यनारायणपुरा II स्टेज, राजाजीनगर, बैंगलूर-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 12 गुनटे और 31-1/4 गुनटे, सर्वे नं० 172/1 और 169/2, लगारी गांव, एशवन्तपुर होली, बैंगलूर नार्थ तालुक।

सीमा :

पूर्व : लक्ष्मया की जमीन

पश्चिम : अन्तरिती की जमीन

उत्तर : अन्तरिती की जमीन

दक्षिण : अन्तरिती की जमीन

दस्तावेज नं० 5161/74-75 तारीख 30-11-1974

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 7-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3419/74-75—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे 172/1 एण्ड 169/2 है तथा जो
लगारेरी गांव, एशवन्टपुर होब्ली बैंगलूर नार्त तालुक
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बैंगलूर नार्त तालुक दस्तावेज नं० 5162/74-75 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट तहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

जब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन सूचना

(1) श्री मृनिस्वामी उर्फ मोट्ट्या केतमारनहक्की,
I ब्लाक, राजाजीनगर, बैंगलूर-10 (अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण गृह निर्मान सहकारा संघ
लिमिटेड, सत्यनारायणपुरा II, स्टेज, राजाजीनगर, बैंगलूर-
10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय पुरुष करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितियों में से
किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन, सर्वे नं० 172/1 और 169/2, 12 गुर्दे और
31-1/4 गुर्दे, लगारेरी गांव, एशवन्टपुर होब्ली, बैंगलूर
तालुक।

पूर्व: लक्ष्मद्या की जमीन

पश्चिम: अन्तरिती की जमीन

उत्तर: अन्तरिती की जमीन

दक्षिण: अन्तरिती की जमीन

दस्तावेज नं० 5162/74-75

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 7-7-1975

मोहर:

प्रलेप प्राईंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र० (1) के अधीन सूचना,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 17 जुलाई 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3463/74-75—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प्र० के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 56 है तथा जो नीलसन्द (डिविजन 62) बैंगलूर-7 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बैंगलूर-11 दस्तावेज नं० 2958/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974 दिनांक 20 नवम्बर, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्राप्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्तरिती (प्रत्तरितियों) भी ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांच गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्षण के कथित नहीं किया गया है :—

(क) मन्त्रण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आयकर किसी अन्य पा या अन्य अंस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ प्रमत्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र० की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों प्रवर्ति :—

(1) (1) श्री सादप्पा, (2) हनुममा, (3) तिम्मच्या तिम्मच्यायणा गाउँन, नीलसन्द, बैंगलूर-7 (अन्तरक)

(2) श्री आर० अली पुत्र हवालदार रहिमान खान, ४ ईस्ट स्ट्रीट, नीलसन्द, बैंगलूर-7 (प्रत्तरिती)

को वह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पाम निविन में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही पर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि सर्वे नं० 56 (डिविजन 62) 112' + 28/2×140=9800 वर्ग फीट, नीलसन्द, बैंगलूर-7

सीमा :

पूर्व : शानभोग की इनामी जमीन और रोड

पश्चिम : नाला और मकानात

उत्तर : सर्वे नं० 56 में मकानात

दक्षिण : मकानात और खाली जमीन

दस्तावेज नं० 2958/74-75 तारीख : 20-11-1974

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज बैंगलूर।

तारीख : 17-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० सिं० आर० 62/3493/74-75—यतः मुझे
आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिस की सं० 194 है तथा जो वेस्ट आफ कार्ड रोड,
II स्टेज, राजाजीनगर, बैंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, बैंगलूर दस्तावेज नं० 5131/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजस 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० एस० मुरली पुन्न के० ए० अप्पाजी 39, III कास, मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3 (अन्तरक)

(2) श्री डी० गोविन्दराजुलु पुन्न डोरेस्वामी II, बोकलीपुरम, बैंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 194 (80'×50'=4000 वर्ग फीट), वेस्ट आफ कार्ड रोड II स्टेज, राजाजीनगर, बैंगलूर-10

सीमा :

पूर्व : सर्विस रोड

पश्चिम : सैट नं० 208 एण्ड 209

उत्तर : सैट नं० 195

दक्षिण : सैट नं० 193

दस्तावेज नं० 5131/74-75 तारीख 12-12-1974

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर,

तारीख : 22-7-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० अर्जन/243/कानपुर/74-75/694—यतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर, सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16/53 (वर्तमान) 161/19 ए (पुराना) है तथा जो बरफखाना, सिविल लाइन्स, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्जितः—

(1) श्रीमती तिलोत्तमा रोहतगी पल्ली स्व० डा० बालकृष्ण रोहतगी
नि० 16/53, सिविल लाइन्स, कानपुर-208001
स्थाई पता : 16,-श्रीराम रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला अग्रवाल
पत्नी श्री जगशाथ अग्रवाल नि० 31/3, घुमनी मोहाल, कानपुर-208001, (मन्तरिती)
(3) मि० विक्रम जंगबहादुर, (2) मि० एस० एन० कपूर (3) मि० इकबाल सिंह और मि० जी० एस० कोहली (4) मि० के० के० गुप्ता (5) मि० आर० सी० वर्मा (सभी टेनेन्ट)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

दो मंजिला द्वारा जिसका वर्तमान नं० 16/53 तथा पुराना नं० 16/19 ए है जो बरफखाना, सिविल लाइन्स, कानपुर में स्थित है इसका कुल क्षेत्रफल 345 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण रु० 1,00,000 में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-7-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1975

निर्देश सं० 172/प्रजन/देहरादून/74-75/689—यतः, मुझे,
एफ० जे० बहादुर, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो इन्द्र रोड, दलान-वाला, देहरादून में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-11-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन मोहन किशन

आगा पुत्र श्री रूप किशन आगा, आनंद निवासी क्षृ, ए-1,
जंगमुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-14। (अन्तरक)

(2) श्री दलानवाला फैन्डस

सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, देहरादून,
द्वारा सेक्रेटरी, श्री जी० पी० शुक्ला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसकी माप 5 बीघा है जो खसरा नं० 229, 300 में है। 1904-1905 के सैटलमेंट के अनुसार जो इन्द्र रोड, दलानवाला, देहरादून में स्थित है, रु० 30,500/- में हस्तान्तरण किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 3-7-75

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०— --

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० 160/अर्जन/देहरादून/74-75/690—यतः, मुझे,
एफ० जे० बहादुर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये 'से अधिक है
और जिसकी सं० 34 है तथा जो आदर्शनगर, ऋषिकेश, देहरादून
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० शिवराम

नि० 34, आदर्शनगर, ऋषिकेश, देहरादून। (अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल शर्मा

नि० ग्राम सांगाहेरा डा० चिमिनी, जि० रोहतक (हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 34, जिसका क्षे० फ० 3,595 वर्ग फीट है
जो आदर्शनगर, ऋषिकेश, देहरादून में स्थित है इसका हस्तान्तरण
रु० 48,000/- में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 8-7-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० 216/अर्जन/कानपुर/74-75/691—यतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो 3/15 विश्वनूपुरी, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री निरंजन कुमार शर्मा पुत्र श्री स्वर्गीय मोहन लाल शर्मा, श्रीमति अन्नूर्णा देवी पत्नी स्वर्गीय श्री मोहन लाल शर्मा, श्रीमति मंजूलता शर्मा, पुत्री दीपक, कुमारी ज्योति, निवासी केनाल रोड, राय बरेली (अन्तरक)

(2) श्री गया प्रशाद उर्फ श्री गयान दत्त शर्मा, 3/195 विश्वनूपुरी, कानपुर (अन्तरिती)

(3) 1. श्री सुभाष चन्द्र

2. श्री गया प्रसाद

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) 1. श्री सुभाष चन्द्र

2. श्री गया प्रसाद

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति नं० 3/195, विश्वनूपुरी, कानपुर जो रु० 85,000/- में बेची गई।

एफ० जे० बहादुर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 22-7-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० ९९/श्रीजन/सहारनपुर/७४-७५/६९३—यतः, मुझे,
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-ब के अधीन सक्रम अधिकारी को,
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
 जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,
 और जिसकी सं० अनुसूची के अनुमार है तथा जो रविवास
 मार्ग, निकट बाजौरिया इण्टर कालिज, सहारनपुर में स्थित
 है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में,
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, दिनांक 22-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भल्लरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री गंगा राम निवासी सहारनपुर चक्रराता रोड, सहारनपुर। (प्रस्तुतक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र लाला ज्योति प्रकाश निं० सहारन-
पुर, मौहल्ला रानी बजार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

સાધનારી

अचल सम्पत्ति जिसका म्युनिसिपल नं० 6/996 जो खसरा नं० 871 व खेवट नं० 136 में है जो रविदास मार्ग निकट वाजोरिया इंस्टर कालिज दारा मिलकाना स्वाद, सहारनपुर में स्थित है इसका हस्तान्तरण रु० 52,000/- में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी

दिनांक : 10-7-75

मोहर ३

प्रस्तुप प्राईटी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जुलाई 1975

निर्देश सं० 158/अर्जन/देहरादून/74-75/692—यतः,
मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुंगापाई में स्थित है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो 62, कौलगढ़ रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपादव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायालिय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रेष्ठ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—186GI/75

(1) श्री मेजर कुलदीप राय बेरी पुत्र राम रत्न बेरी श्रीमति सत्यवती बेरी पत्नी मेजर कुलदीप राय बेरी श्री अनिल बेरी पुत्र श्री मेजर कुलदीप राय बेरी व्यस्क और मधुकर बेरी नाबालिंग पुत्र श्री कुलदीप राय बेरी, द्वारा संरक्षक श्री मेजर कुलदीप राय बेरी नि० 506 सेक्टर 18-वी०, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) स्नेहलता सिंह पत्नी गम्भीर सिंह नि० ग्राम बीबी वाला पौ० सत्यनारायण, जि० देहरादून। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 62, जिसमें मुख्य दो भंजिला इमारत, विजली बाटर कनकशन, बाउच्ची बाल तीन तरफ आयरन गेट इसकी कुल माप 63 एकड़ है जो खसरा नं० 1166/0.05 एकड़ और खसरा प्लाट नं० 1176/0.58 एकड़ है जो ग्राम गढ़ी कौलगढ़ रोड देहरादून में स्थित है इसका हस्तान्तरण रु० 1,00,000/- में किया गया है।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

दिनांक : 3-7-75

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —————

(1) सुरेश्वर दयाल माधुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) अशोक दयाल माधुर

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निर्देश सं० 49-ए / अर्जन—यह: मुझे, बिश्वामित्र नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 163 है तथा जो शाहनजफ रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 163 का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 16 बिसवां, 17 बिसवांसी (22932 वर्ग फीट) है जो कि शाहनजफ रोड, लखनऊ के पीछे स्थित है।

बिश्वामित्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

ग्रन्त: ग्रन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपस्थाना (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

दिनांक: 17-7-75

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री लिजेश्वर दयाल माथुर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री कुमुम दयाल माथुर (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निर्देश सं० 35-के/अर्जन—यतः, मुझे, विश्वास नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 163 है तथा जो शाहनजफ रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-7-74/21-5-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 163 का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 16 बिसवा, 17 बिसवांसी है (22932 वर्ग फीट) जो कि शाहनजफ रोड, लखनऊ पर स्थित है।

विश्वास नाथ

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात् —

दिनांक : 17-7-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III

54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16, दिनांक 28 जुलाई 1975

निर्देश सं० 274/एक्य० रें० /75-76/कल०—यतः मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है और और जिसकी सं० 57/12 है तथा जो बालिगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलीपुर, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, असति:—

1. श्री देवब्रत सरकार, 57/12, बालिगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्रीमती जयश्री नाग, स्वामी अभिताभ नाग, एंग्लो इंडिया जूट मिल्स, जगतकल, 24 परगणा (अन्तरिती)
3. (1) शिवप्रत सरकार
(2) सुब्रत सरकार, सबका पता 47/12, बालिगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा दूसरी मंजिल साथ निचतल्ला पर एक गेराज और दक्षिण-पश्चिम घर तीसरी मंजिल की (टेरास) साथ कामन इलाका और सुविधादि साथ करीब 5 कट्ठा जमीन का अब मंजिल 1/3 अंश जिसमें अंशत 3 तल्ला और अंशत 4 तल्ला मकान है और जो 57/12 बालिगंज, सर्कुलर रोड, कलकत्ता पर अब स्थित जो डिस्ट रेजिस्ट्रार, आलीपुर, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 7942/1974 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 28-7-1975

मोहर:

प्रृष्ठ प्राई ० टी० एन० एस०—
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज III 54, रफी अहमद विदवाई रोड, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16, दिनांक 28 जुलाई 1975

निर्देश सं० 269/एक्य० रेज-III/75-76/कल०—यतः मुझे,
एल० के० बालसुश्रमनियन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 50 है तथा जो एकड़ालिया रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ग्रन्तियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जानदा सुन्दरी दासगुप्त, 6/2 एकड़ालिया
रोड, कल०-19 (अन्तरक)

2. श्री अमित कुमार घोष, अचिन कुमार घोष, 6/2 एक-
ड़ालिया रोड, कल०-19 (अन्तरीती)

3. श्री तामुष रंजन दासगुप्त (आंशिक), 50 एकड़ालिया
रोड, कल०-19 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 5 छटाक 37 स्कॉ० फुट जमीन साथ
उस पर बनाया आंशिक दोतला और आंशिक तिनतला
मकान जो 50 एकड़ालिया रोड, कलकत्ता पर अब स्थित और
जो डिप्टी रजिस्ट्रार, ग्रन्तियम, 1922 द्वारा रजिस्ट्रीकृत
दलिल सं० 7608/1974 के अनुसार है।

एल० के० बालसुश्रमनियन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

दिनांक : 28-7-75

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना 411004, तारीख 24-7-1975

निर्देश सं० सी० ए० /५/तवम्बर/७४ बंबई (पूना)/१२२०/७५-७६:—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या सं० 46 है तथा जो बडगांवरोरी (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः:—

1. (1) श्री तेहमुरस्य रस्तुमजी कवराना
- (2) श्रीमती तेहमुरस्य कवराना (3) श्री रस्तुम तेहमुरस्य कवराना एरिस कफ परेंड्र कुलाबा मूंबई-५ (अन्तरक)
2. श्री आगानगर संबिर्स आंफीसर्स को-आंपरेटिव हाजु-सिंग सोसाइटी लिमिटेड चेअरमेन-ब्रिगेडियर अब्बासगंली कंबरअली छामा सर्वे ज्ञा०-४७ बडगांवरोरी, नगर रोड पूना - 14 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड खेका जमिन का टुकड़ा सर्वे क्रमांक 46, हिस्सा क्रमांक 5 बडगांवरोरी तहसील-हवेली जिला-पूना सब रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रीक्ट-हवेली और पूना जिला परिषद के क्षेत्र में तालुका पंचायत समिति हवेली ग्राम पंचायत बडगांवरोरी

क्षेत्रफल-4 एकड़स 17 गुन्ठे याने 1 हेक्टर 79 आर निम्नप्रकार से घिरा हुआ।

उत्तर की तरफ-पूना नगर रोड

दक्षिण की तरफ-सर्वे क्रमांक 46/3-बी

पूर्व की तरफ-सर्वे क्रमांक 46/6, 46/7, और 46/8

पश्चिम की तरफ-सर्वे क्रमांक 46/3 ऐ

एच० एस० श्रीलख

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख: 24-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कलकत्ता-16, 54, रफी अहमद किल्वाई रोड मेर आई० ए० सि०
(श्रुतिषण), रेज-II

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० सि०-11/आर० II/कलकत्ता/74-75:—
अतः भुजे, आर० वि०लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 8-ए है तथा जो आलिपुर रोड, कलकत्ता-27
मेर स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची मेर पूर्ण रूप मेर^{वर्णित है}), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ
एप्पुरेन्स, कलकत्ता मेर, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 12-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मेर वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
मेर कमी करने या उससे बचने मेर सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने मेर सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
मेर, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षितायों अधीतः:—

(1) श्री राजीव जिन्हाल, 8-ए आलिपुर रोड, कलकत्ता-27
(अन्तरक)

(2) उमा देवी सिंधानिया (नाबालिका) अभिभावक
पिता श्री राधेश्याम सिंधानिया, 8-ए आलिपुर रोड
कलकत्ता-27
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मेर कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अवक्षितायों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद मेर
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितायों मेर से
किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मेर प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेर हितबद्ध
किसी अन्य अवक्षित, दारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित मेर किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमेर प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मेर परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मेर
दिया गया है।

अनुसूची

1878 वर्ग फट क्षेत्रफल का प्लाट सं० 20, जो सम्पत्ति
सं० 8-ए आलिपुर रोड, कलकत्ता-27 का पांच तसा मेर स्थित
है।

आर० वि० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II
54, रफी अहमद किल्वाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 24-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कलकत्ता-16, 54-एफी अहमद किंदवाई रोड में आई० ए० सि०
(अक्षुण्णन) रेज-II

कलकत्ता-16, दिनांक 24 जुलाई 1975

निवेश सं० एसि-10/आर II/कलकत्ता 74-75—
अतः मुझे, आर० वि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8-ए है तथा जो आलिपुर रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एष्यू रेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्ता :—

(1) श्री संजीव जिन्डाल (नाबालक) अभिभावक वित्ता थी मुख्लीवर जिन्डाल 8-ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता-27 (अन्तरेक)

(2) श्री पूरनेन्द्र गुप्ता, प्लाट सं० 10, ब्रिटानिया कोर्ट 32-बि, न्यू रोड, आलिपुर कलकत्ता (अन्तरिती)

(3) कमबर लाल रामपुरिया (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन कमरे का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1878 वर्गफुट है, जो कलकत्ता-27 का 8-ए, आलिपुर रोड में स्थित जिन्डाल हाउस नाम का बहु तला मकान के आठ तलों में स्थित है।

आर० वि० लालमोया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II

54, रफी अहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 24-7-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रेणी रेंज-II, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ऐ० /५/ नवम्बर /७४/सोलापुर /२२१/
७५-७६—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेनंबर 30/3ऐ/1, 30ऐ/3ऐ/1, (30ऐ/3ऐ/1, 162 हैं तथा जो बाके (सोलापुर) में स्थित हैं (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण सूची से बण्ठत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 11-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) चन्द्रकान्त महादेव भागवत 93/3, गोरुड फिन्य पेठ,
सोलापुर,
(अन्तरक)
10—186GI/75

(2) मेसर्स भागवतनगर इस्टेट, पार्टनर्स (1) श्री दग्डोबा भिमाजी भागवत (2) श्री महादेव भिमाजी भागवत (3) श्री मालती महादेव भागवत (4) श्री चन्द्रकान्त महादेव भागवत सब रजिस्ट्रेशन नं० 93/3 गोरुड फिन्य पेठ, सोलापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रेणी के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अध्याय 20-क में पथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड विगर खेती का जमीन बाके, तहसील उत्तर सोलापुर, जिला सोलापुर

| सर्वेनंबाक | धनेन | | |
|------------|------|-------|-------------|
| | एकड़ | गुड़ा | वर्ग यांडूस |
| 30/3ऐ/1 | 0 | 2 | 108 |
| 30/ऐ/3ऐ/1 | 0 | 15 | 52 |
| 30/ऐ/3ऐ/1 | 3 | 10 | 34 |
| 162 | 1 | 14 | 0 |

(जैसी कि रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० 3128 नवम्बर 1974 में सब रजिस्ट्रार सोलापुर के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रेणी रेंज—पूना

तारीख : 26-7-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री वामन विष्ण वाणी सी० एस० नं० 1411, घलिया ।

(पुस्तक)

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री देविदास वामन शिनकर सी० एस० नं० 1411
धर्मिया । (अन्तर्रिती)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय (निरीक्षक) सहायक आधिकार आयुक्त

ਅੰਜੰਨ ਰੋਂਡ, ਪੰਜਾਬ-411004

पुनर्जीवन-411004, दिनांक 22 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ४० ५/धूलिया/नवम्बर ७४/२१८/७५-७६:—
यतः मन्त्र, एच० एस० ग्रीलख

पायकर अधिनियम, 1961

(1961 वा 43) (जिसे इसमें

(1901 का 43) (जिस इतन दूरी पर वापस उक्त जावालयमें कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1411 है तथा जो धुलिया में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कायांलय धुलिया में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्णसूचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूछौत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहनस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त संबद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

लालसा

सि० एस० नं० 1411—मकान का दक्षिण भाग धुलिया,
धेवफल—270 वर्ग मीटर्स

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1759, नवम्बर 74 में सब रजिस्टर धरिया के दफतर में लिखा है)

एच० एस० औलख
सक्षम प्राधिकारी
कर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, पुना

तारीख : 22-7-75

मोहर

प्रलेप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 22 जुलाई 1975

निदेश सं० दी० आर०-279/सी-264/बम्बई/74-75:—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/2 है तथा जो रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-11-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री के० आर० अडवानी (2) के० प्रडवानी (3) के० डी० अडवानी (4) एस० एस० अडवानी (5) पी० आर० अडवानी (6) जे० जे० अडवानी (7) के० एस० कमलानी (8) एल० के० पुनवानी (9) एस० आर० पुनवानी (10) एम० पी० ज्ञांगियानी (अन्तरक)

(2) श्री एस० के० कृपलानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ठिक्कित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

5/2, रसेल स्ट्रीट, कलकत्ता' में 10-ए आफिस।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1
54, राम अहमद किल्डवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 22-7-75

मोहर :

प्रूप आई० टी० एस० एस०

(1) श्री प्रतापराव नारायणराव बोरावके पोस्ट आफिस-राहता, तहसील—कोपरगांव जिला—ग्रहमदनगर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 24 जुलाई 1975

निर्देश सं० सो० श्र०/५/नवम्बर/७४/श्रीरामपुर/२१९
७५-७६—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलखआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक हैऔर जिसकी सं० सिं० टी० एस० क्र० 1838 (पार्ट) ओरिजिनल प्लाट क्र० 285/15 फायनल प्लाट क्र० 5631 सी० है
तथा जो श्रीरामपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में
और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्रीरामपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 4-11-1974 को पूर्वोक्तसम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापार्युक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरके के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रबंद नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—(2) फादर एच० स्टफनेर पूना कॉथोलिक एजुकेशनल
एसोसिएशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए 2004 सेंट
मिसेंट स्ट्रीट पूना-1 (अन्तरित)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित विधि के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री-होल्ड प्लॉट सं० टी० एस० क्रमांक 1838 पार्ट ओरि-
जिनल प्लॉट क्रमांक 285/15 फायनल प्लॉट क्रमांक 5.63 सी०
श्रीरामपुर जिला ग्रहमदनगर

थेटफल—4 एकड़।

निम्न प्रकार से विरा हुआ

उत्तर के तरफ—टी० पी० रास्ता श्रीरामपुर

पूर्व के तरफ—शिरगांवकी हड्डी

पश्चिम के तरफ—फायनल प्लॉट क्रमांक 5.63 ए० और
बी०दक्षिण के तरफ—सी० टी० एच० क्रमांक 1823 और
एफ० पी० क्र० 565(जैसा की रजिस्ट्रीकूत के लिखेख क्रमांक 1253 नवम्बर 74
में सब रजिस्ट्रार श्रीरामपुर के दफ्तर में लिखा है।)एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-7-1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1975

निदेश सं० 228/ए० सी० क्य० 23-425/19-7/74-75
यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम
कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, तथा
और जिसकी सं० क्य० वार्ड नं० 5, नोंद नं० 1934-3-4 है
जो खेतफल स्ट्रीट, सूरत में स्थित है (और इससे उपावढ़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 11-11-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत
'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपलाश (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री प्राणजीवन दास छोटु भाई वीसबेन प्राणजीवन
दास सूरत. (अन्तरक)
- (2) श्री सुधाबेन आर० देसाई गीताबेन ए० देसाई
धूलाभाई भीमभाई वीरस सूरत. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खुली जमीन नोंद नं० 1934-3-4, क्य० वार्ड नं० 2,
कुल माप 200 वर्ग गज, जो खेतफल रोड, भजूरा गेट के पास,
सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत द्वारा
नवम्बर 1974 में किये गये रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 4096
में निर्देशित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II,
अहमदाबाद

तारीख : 26-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए० सी० -12/ आर-II/ कस० / 75-76:—
अतः मुझे, आर० वी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8 ए, है तथा जो अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ अस्योरेन्सेज कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-1-74 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री संजीव जिन्वल 8-ए अलीपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) जिन्वल स्टील इंडस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड 8; अलीपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहले तले पर फलट जिसका क्षेत्रफल 1618 वर्गफुट है और जो 8-ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता में अवस्थित है।

आर० वी० लालमोया,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II
54, रफीअहमद किलवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 26-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप श्राद्ध० टी० एम० एस०————

(1) श्री राजीव जिन्दल, 8-ए अलीपुर रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरक)प्रत्यक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) जिन्दल स्टील इंडस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड 8-ए,
8, अलीपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- II कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 24 जुलाई 1975

निवेदन सं० ए० सी० -14/ आर -II/ कल/75-76 ---
प्रत: मुझे, आर० वी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० 8-ए है तथा जो अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ अस्योरेन्सेज, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-74 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फल्लूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिती (अन्तर्नियतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तर्कर्ता के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अमर्याय किसी भूत या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: प्रब्लेम 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, प्रवात:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से, किसी अस्तित्व द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्तित्व द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वल्पीकास्थ:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्तरी

8-ए अलीपुर रोड कलकत्ता के प्राउन्ड फ्लौर के प्लैट का
प्रगता भाग जिसका क्षेत्रफल 1380 वर्गफुट है।आर० वी० लालमोया,
सकाम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता -16.

तारीख: 24-7-1975

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंडॉ टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए० सी० -13/आर-II/ कल/74-75—अतः

मुझे, आर० वी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

जिसकी सं० 8-ए, है तथा जो अलीपुर रोड कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ
अस्योरेसेज, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-11-74 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजीव जिन्दल, 8-ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरक)
(2) जिन्दल स्टील इंडस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड 8-ए,
अलीपुर रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8-ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता को पहले तले
पर गैर जिसका क्षेत्रफल 1612 वर्गफुट है।

आर० वी० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
54, रफीग्रहमद किल्वाई रोड,
कलकत्ता - 16

तारीख : 25- 7- 1975

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ३० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जुलाई 1975

निवेश सं० ए० सी० -15 / आर-II/ कल/75-76 ---

अतः मुझे, आर० वी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, महि विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० 8 ए, है तथा जो अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ अस्यो-रेन्सेज कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 'तारीख 21-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त 'अधिनियम' की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—186G1/75

(1) संजीव, जिन्दल 8-ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) जिन्दल स्टील इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड 8, अलीपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंगन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथ्य होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8-ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता के ग्राउन्ड फ्लौर में फैलत का आधा भाग जिसका क्षेत्रफल 1380 वर्गफुट है।

आर० वी० लालमोया,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 25-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप्राई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1/2, दिल्ली - 1

दिल्ली, तारीख 11 अप्रैल 1975

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/11/818/85-86/

261, यथा० मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एच-61 है, जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, दिनांक 7-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रत्युत्तर प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री चेतन दास (2) श्री मदन लाल, सुपुत्र श्री रणजीत राम, 29/6, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरेक)

(2) श्री दर्शन सिंह, सुपुत्र श्री हरनाम सिंह, एक-1, किर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संप्लोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 300 वर्गगज है (45' × 60') है, प्लाट नं० एच-61 है तथा जो अधिकृत निवासी कालौनी कीर्ती नगर, नई दिल्ली के गांव वसाए, दारापुर, दिल्ली में निम्न सिमाओं से घिरा है :—

पूर्व-प्लाट नं० 60
पश्चिम-पार्क
उत्तर- सड़क
दक्षिण - सड़क

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11 अप्रैल, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू/ 11/819/75-76/
264—यतः; मुझे, सी० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जे-53 है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-12-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती इन्द्र कौर, पत्नी एस० दर्शन सिंह, द्वारा मैं गोकुल चन्द दर्शन सिंह, दुकान नं० 5, सज्जी मण्डी, दिल्ली-7, अब 1/8, गन्दा नाला, मोरी गेट, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री भग्न सिंह, सुपुत्र सरदार सिंह, डी-10/5, माडल टाउन, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 243 वर्गगज है, जिसका प्लाट नं० 53, ब्लाक नं० जे' राजौरी गार्डन, नई दिल्ली के गांधी बसाए, दारापुर, दिल्ली में निम्न सीमाओं से घिरा है :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : जायदाद नं० जे-77

उत्तर : जायदाद नं० जे-54

दक्षिण : जायदाद नं० जे-52

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 11-4-75

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/822/75-76/

271—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एच-87 का 1/2 है, जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन ग्रा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजिन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री लाल चन्द, 8/41, रामेश नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार वधवा, सुपुत्र श्री दिवान चन्द, 1/80, कीर्ति नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरां व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वडी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि के प्लाट का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है (कुल क्षेत्रफल 200 वर्ग गज 30' × 60') प्लाट नं० एच-87 पर कीर्ति नगर कालीनी, नई दिल्ली के गंगा बसाए, दारापुर, दिल्ली में स्थित है:—

उत्तर : मकान नं० एच-88

दक्षिण : मकान नं० एच-86

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-4-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/II/823/75-76/
273—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्तेआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 23/71 है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 1-12-1974 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये
था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री राजेश्वर प्रसाद, सुपुत्र स्वर्गीय लाला माम राज,
डी-13/11, माडल टाउन, दिल्ली-9 (अन्तरक)(2) मैं० आसाम बुड़ प्रोडक्ट्स (प्रा०) लि०, टीन सुकाए,
आसाम, द्वारा श्री गोपी राम रासीवासए (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ममति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का एक कीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 23, रोड नं० 71,
कलास-बी में है तथा अंतरिक्षफल 1322.2 वर्ग गज है तथा जो कि पंजाबी
बाग, नई दिल्ली के गांव बसाए, दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली
में दिल्ली म्युनिसिपिल कारपोरेशन की सीमाओं में है तथा इसकी
सीमाएं निम्न प्रकार हैं:—

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० 22

पूर्व : सड़क

पश्चिम : प्लाट नं० 25

सी० वी० गुप्ते

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-4-1975

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ एकपु० /II/ 824/ 75-76/

275—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी०-11/5 (फर्स्ट फ्लौर) है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंगल सेन टन्डन, सुपुत्र श्री सरदार मलै एक-14/9, माडल टाउन, दिल्ली-9 (अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री लाल सिंह, सी-11/5, माडल टाउन, दिल्ली-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसमें 2 कमरे, 1-स्टोर, लेबोट्री, रसोई, बरसाती बनी है जिसका क्षेत्रफल 235 वर्ग गज है, प्लाट नं० 5 का भाग, ब्लाक सी-11, जो कि माडल टाउन के गांव मलिकपुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है जो कि म्युनिसिपल कारपोरेशन की हव के अन्दर है तथा जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

पूर्व : बाकी भाग जायदाद नं० सी-11/5 का

पश्चिम : गली

उत्तर : जायदाद नं० सी-11/6

दक्षिण : गली

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-4-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-2, दिल्ली-1
 केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु०/II/824/75-76/
 277—यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961
 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
 कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
 को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
 जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० सी-11/5 (ग्राउन्ड फ्लौर) है, जो माडल टाउन,
 दिल्ली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख 5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
 अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए
 था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंगल सेन टन्डन, सुपुत्र श्री सरदार मल, एच-
 14/9, माडल टाउन, दिल्ली-9 (अन्तरक)

(2) श्री मुखियार सिंह, सुपुत्र एस० खुशल सिंह, सी-11/5,
 माडल टाउन, दिल्ली-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसमें 3 कमरे, रसीई और लेवोट्री बनी है तथा
 जिसका क्षेत्रफल 235 वर्ग गज है, प्लाट नं० 5 का भाग, ब्लाक
 नं० सी-11 जो कि माडल टाउन के गांव मलिकपुर, दिल्ली स्टेट,
 दिल्ली में स्थित है, जो कि म्युनिसिपिल कारपोरेशन की हूँद के
 अन्दर है तथा जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार हैं :—

पूर्व : जायदाद नं० सी-11/5 का बाकी भाग

पश्चिम : गली

उत्तर : जायदाद नं० सी-11/6

दक्षिण : गली

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-4-1975

मोहर :

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/1652/75-76/
837/758 --यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है, जो मोतिया खान, डम्प स्कीम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और मन्त्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री दीवान चन्द, सुपुत्र श्री सोहन लाल, निवासी 27, हनुमान रोड, नई दिल्ली, जनरल एटारनी श्री द्वारका नाथ, सुपुत्र श्री नन्द राम, निवासी टी-458, अण्डवालान, मन्दीर, दरगाह पीर रतन नाथ जी, दिल्ली (अन्तरक)

(2) 1. श्री अमर नाथ, सुपुत्र श्री हरजी राम, निवासी ए-63 कीर्ति नगर, नई दिल्ली 2. श्री भागीरथ राम, सुपुत्र श्री हरजी राम, निवासी ए-68, कीर्ति नगर, दिल्ली (नई) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभी अधिकारी सहित प्लाट नं० 15 जिसका क्षेत्रफल 648.22 वर्ग गज है तथा जो कि लीजहोल्ड अधिकारी सहित है और जो कि मोतिया खान, डम्प स्कीम, दिल्ली में स्थित है।

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

तारीख: 23-5-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम० —

शासक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शासक अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसक अस्ती रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 20 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पृष्ठ०/II/1785/75-76/
836/758—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,
शासक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-31 है जो सत्यावती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावरू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिगाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शर्तियों, प्रवर्ति:—

12—186GI/75

(1) श्री लोका धर, सुपुत्र श्री हेमराज पाहजा, सी-7/5, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-7 (अन्तरक)

(2) श्री माधु राम, सुपुत्र श्री डैप गाज पाहजा, सी-7/5, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-7 (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योदस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका नं० बी-31, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है तथा खसरा नं० 86, 88, 92 से 98, 100 से 107 है तथा जोकि फ्रीहोल्ड कालीनी सत्यावती नगर, दिल्ली से जानी है और इसकी सीमाएं निम्न प्रकार की हैं:—

पूर्व : सड़क
पश्चिम : सर्विस लैन
उत्तर : बी-32
दक्षिण : बी-30

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक शासक अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 20 मई 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० KLU /9/74-75—यतः, मुझे, वी० पी० मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 28 बिंदा 6 बिंदा है जो फाटी बन्दरोल कोठी रायसन, तहसील कुलू में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, कल्लू में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) 1. श्री कपूर चन्द 2. देवराज, 3. तिलक राज—पुत्र श्री परम दयाल जैन, 4. बनारसी दास, पुत्र श्री ग्रहसंनद 5. शंकर दास, पुत्र श्री ठाकुर दास, 6. राम मूर्ति 7 श्रोम-प्रकाश पुत्र श्री राम सरन दास 8. बाल क्रिशन 9. किशन चन्द, निवासी लुधियाना (अन्तरक)

(2) 1. श्री पूरन चन्द लोबाजना तन्दूप, पुत्र बुधी सिंह, 2. शमशेर मिह पुत्र श्री पूरन चन्द, निवासी गांव बनाल कोठी गोशाल, तहसील कीलौग 3. कनजना पुत्र पदमा 4. सोनम अग्रणी पुत्र कनजना निवासी गांव बरी कोठी बरपा, तहसील कीलौग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव दें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 28 बिंदा 6 बिंदे 6 खसरा नं० 299/8-11, 300/18-15 किता 2 खाता और खतोनी नं० 180 मिन जमानवी साल 1968-69 जो कि गांव फाटी बन्दरोल कोठी रायसन, तहसील और जिला कुलू में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकूट के विलेख नं० 897, दिसम्बर, 1974 में सब-रजिस्ट्रार, कुलू के दफतर में लिखा है।

वी० पी० मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 11-7-75

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० इस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 जुलाई 1975

निदेश सं० पटियाला /यू/74-75:— यतः मुझे, वी० पी०
मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 1/2 भाग कोठी नं० वी०-3/75 शाह कोटेज तजदीक रेलवे
फाटक नं० 22 है तथा जो हीरा नगर पटियाला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी,
1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रातः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीप शाह मिह पुत्र स्वर्गीय सरदार अर्जन शाह
मिह, निवासी 9-हालींग रोड जमशेदपुर विहार
(अन्तरक)

(2) श्री मदन मोहन भण्डारी निवासी शाह कोटेज हीरा
नगर पटियाला कार्यालय पता— दी मुख्य अभियन्ता
और वर्क्स मैनेजर हिन्दुस्तान बायर पराडक्ट्स लिमिटेड
पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी नं० वी०-3/75 शाह कोटेज हीरा नगर पटि-
याला जो कि 22 नं० फाटक के साथ स्थित है।

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1661 जनवरी 1975
में सब रजिस्ट्रार पटियाला (अर्बन) के दफ्तर में लिखा है)

वी० पी० मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 जुलाई 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 156, सेक्टर 9-बी, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 जुलाई 1975

निदेश सं० पटियाला/य०/8/74-75—अतः, मुझे बी० पी० मिनोचा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग कोठी नं० बी-3/75 शाहकोटेज नजदीक रेलवे फाटक नं० 22 है तथा जो लीग नगर पटियाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हरदीप शाह सिंह पुत्र स्वर्गीय सरदार अर्जन शाह, सिंह निवासी-40 पीस हैवन सेट इंडररूरोड, बांदरा बम्बई। (अन्तरक)

2. श्री मदन मोहन भण्डारी, निवासी शाह कौटेज, हीरा नगर पटियाला, कार्यालय पता—श्री मुख्य अभियन्ता और वर्कस मैनेजर हिन्दुस्तान बायर पराडक्ट्स लिमिटेड, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, 'जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी, शाह कौटेज, हीरा नगर पटियाला जो कि 22 नं० फाटक के साथ स्थित है। कोठी नं० बी-3/75 (जिसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1662 जनवरी, 1975 में सब रजिस्ट्रार पटियाला (अर्बन) के दफ्तर में लिखा है।

बी० पी० मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़, 156, सैक्टर 9-सी
 चण्डीगढ़, दिनांक 11-7-75

निदेश सं० करनाल/82/74-75—यतः, मुझे वी० पी०
 मिनोचा, आयकर अधिनियम,
 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
 अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
 से अधिक है और

जिसकी सं० प्लाट नं० 2 और 3, रेलवे रोड और नजदीक
 गवर्नरमेंट गर्लज हायर सेकेन्डरी स्कूल, करनाल है तथा जो करनाल
 में स्थित है (और इससे उपावर्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी,
 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
 अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
 के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम
 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था, या किया जाना चाहिए था
 छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. श्री हरभगवान पुत्र श्री हीरानन्द मकान नं० 255,
 सैक्टर 9-सी, चण्डीगढ़ द्वारा श्री दीवान चन्द्र पुत्र श्री हीरा चन्द्र
 (अन्तरक)

2. सर्वश्री

1. कृष्ण कुमार } पुत्र श्री लक्ष्मन चन्द्र
 2. अजमूपण }

नजदीक निशान मिह हाऊस, चार चमन, करनाल।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
 पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
 जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
 से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
 उक्त अधिनियम के अध्याय 20-वां में यथा-
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 और 3 जोकि रेलवे रोड और नजदीक गवर्नरमेंट
 गर्लज हायर सेकेन्डरी स्कूल, करनाल में स्थित है। खसरा नं० 4896

(जैसे के रजिस्ट्रीकूत के विलेख नं० 4990, जनवरी, 1975
 में सब रजिस्ट्रार, करनाल के दफ्तर में लिखा है)।

वी० पी० मिनोचा,
 सक्षम प्राधिकारी,
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 11-7-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़, 156, सैकटर 9-वी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 जुलाई 1975

निदेश सं० चंडी०/258/74-75—यतः मुझे बी० पी० मिनोचा, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 1382 है तथा जो सैकटर 18-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० सी० मनोधर पुत्र श्री जानन राम, मकान नं० 207, माडल टाउन, अम्बाला शहर। (अन्तरक)

2. सर्वंश्री

(1) भगवान दाम पुत्र श्री गेला राम

(2) सुभाप चन्द्र

(3) रविन्द्र कुमार

(4) श्री भगवान दाम पिता और संरक्षक श्री भूपेण कुमार (नायालिंग पुत्र) निष्पाती मकान नं० 1332, सैकटर 18-सी०, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अक्षम बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथाप्रतिपादित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1332, जोकि सैकटर 18-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है।

बी० पी० मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 11-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 जुलाई 1975

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/५७४/७४-७५/—अतः मुझे बी० पी० मिनोचा॒, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 1000 1/4 वर्ग गज है तथा जो पुराना गाहनेवाला एरिया, तहसील, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगजीत राय,
पुत्र श्री लक्ष्मन दास,
निवासी मिल्लर गंज, लुधियाना

(अन्तरक)

सर्वे श्री :

2. (1) धर्मपाल
(2) गवर्धन पाल,
(3) सत पाल
(4) राजपाल } पुत्र श्री परस राम

मालक उप्पल फाउन्ड्री,

163-ए, इण्डस्ट्रीयल, एरिया ए, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1000 1/4 वर्ग गज है और पुराना गाहनेवाला एरिया, लुधियाना में स्थित है। स्वसरा नं० ९३५/६७६, ४६४/४६२ और जमाबन्दी १९६८-६९ (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० ९५७६, मार्च १९७५ में सब-रजिस्ट्रार लुधियाना, दो दफ्तर में लिखा है।

बी० पी० मिनोचा॒, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 11-7-1975

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन०एस०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जून 75

निदेश सं० XVI/1(iii)/14/74-75—यतः मुझे, जी० वी० ज्ञावक
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० 49/1, 49/2 और 53/4, सूरमंगलम
गांव, सेलम है, जो से में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय एस्मेप्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसंबर, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राजानी, अलगापुरम, सेलम-4

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुनियम्माल, अवनिपेल्लर, संकरी तालुक।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम तालुक, सूरमंगलम, गांव एस० सं० 49/1, 49/2, और
53/4 में 8, 87 एकर खेती की मूमि और मकान (1/4 भाग)।

जी० वी० ज्ञावक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 30-6-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ष) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जून 1975

निरेश सं० XVI/1(iii)/15/74-75—यतः मुझे, जी० बी०
शावक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 49/1, 49/2 और 53/4, सूरमंगलम, गांव, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय एसमेंपट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई फिसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में मुश्यधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

13—1860/75

1. श्रीमती राजानी, अलगापुरम, सेलम-4

(अन्तरक)

2. श्रीमंगोड़ कीन्हर,
वेप्पमपट्टु गांव, अवनिपेक्कर।

(अन्तरिती)

की यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अंजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त समाति के अंजन के संबंध में कोई भी अध्योगा:—

(क) इस मूलना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदमध्येती व्यक्तियों ने सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में गमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस मूलना के गजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर समाति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम लालुक, सूरमंगलम, शोव एस० सं० 49/¹¹
53/4 में 8.87 एकड़ खेती का भूमि और मकान (

तारीख : 30-

मोहर :

प्रस्तुप शार्दूल टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 30 जून 1975

निवेश सं० XVI/1(iii)/16/74-75—यतः मुझे जी० वी० शावक प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० एस० 49/1, 49/2 और 53/4, सुरमंगलम, गाव, है, जो सेलम में स्थित है (श्रीरामसे उपादान अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एस्मेंट्सी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

विवर: यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राजानी, ग्लगापुरम, सेलम-4

(अन्तरक)

2. श्री पोंगीयन्न कीन्डर, देवूर गांव, संकरी तालुक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य अविक्त द्वारा, अधीक्षित भारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम तालुक, सुरमंगलम गांव एस० सं० 49/1, 49/2 और 53/4 में 8.87 एकड़ खेती की भूमि और सकान (1/4 भाग)।

जी० वी० शावक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 30 जून, 1975

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती राजानी, अलगापुरम, सेलम-4

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना(2) श्री आर० कुमारसामि कोन्डर, अम्मापालम,
देवूर गांव।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश संXVI/1(iii)/17/74-75—यतः, मुझे, जी० वी० क्षाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

एस० 49/1, 49/2 और 53/4, सूरमंगलम गांव, जो सेलम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस०पट्टी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अनुसूची

सेलम तालुक, सूरमंगलम गांव एस० 49/1, 49/2 और 53/4 में 8.87 एकड़ खेती की भूमि और मकान (1/4 भाग)।

जी० वी० क्षाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 30-6-1975

मोहर :

इस्पत्र नार्डो टी. एन. एस.—

आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1975

प्रिंटिंग सं. 218/ए०सी०न्क० 23-400/19-7/74-75—
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 97 पैकी हिस्सा नं० 9/2 है, तथा जो उम्मरवाडा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3 दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारात्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, या छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जशवन्ती बेन मगनलाल बारदोलीवाला हसमुख लाल, मगनलाल बारदोलीवाला।
(प्रन्तरक)

(2) मै० रनीलाल केशवराम की ओर से उसके सहियारी :

- (1) रतीलाल केशवराम
- (2) कांतीलाल केशवराम
- (3) मोहनलाल केशवराम
- (4) जमियन राम केशवराम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 97 पैकी हिस्सा नं० 9/2 कुल माप 726 वर्ग गज है और जो उम्मरवाडा, तहसील चौरासी, जिला सूरत जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी सूरत के दिसम्बर, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3312 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-4-75

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०—————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1975

निदेश सं० 220/ए०सी०क्य०/23-330/19-7/74-75—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल

ग्रायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 167 पक्षी है, तथा जो मजूरा, तहहील चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यारुपण सिद्धित में वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. मैं० नव सर्जन आगनौशजर्स की ओर से उसके सहियारी :

- (1) बिपिन चन्द्र सुन्दरलाल,
- (2) जगियतराम रत्निलाल
- (3) पूताप भाई साराभाई देसाई
- (4) नीता बेन मोहन लाल
- (5) कान्ती लाल मोहन लाल
- (6) इलाबेन बलबन्त राय
- (7) ताराबेन नगीनदास
- (8) नरेश चन्द्र रमण लाल
- (9) असन कुमार चिमनलाल
- (10) विद्या गौरी केशवराम
- (11) पदमा बेन हसमुख लाल ,

सूरत । (अन्तरक)

2. श्रीद्वार्केश इन्डस्ट्रीयल को० आपरेटिव सर्विस सोसायटी की ओर से :

प्रेसीडेंट : भक्ती लाल बेनी लाल,
सेक्रेटरी : पूताप सिंह साराभाई देसाई
खरोदरा, जेल के पीछे, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कर के पूर्वोक्त सम्बलि के अंतर्न के लिये कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्बलि के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 167 पैकी जिसका कुल माप 24051 वर्ग गज है और जो मजूरा, तह० चोरासी, जिला० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के दिसम्बर, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4519 म प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-4-1975

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस० -----

1. श्रीमती गाई काशी, जीनाभाई छेलाभाई की विध्वा,
नथसारी बाजार, सूरत।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निदेश सं० 221/ए०सी०क्य० 23-401/19-7/74-75—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० क्य० वार्डनं० 2, नोंदून० 1955-ए-1-ए, पैकी प्लाटनं० सी० पैकी है, तथा जो महादेव नगर, हाउसिंग सोसायटी के पीछे, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रभुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

2. कैलाशनगर, को०-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड की ओर से:
प्रेसीडेंट: रतीलाल छगन लाल
सेक्रेटरी: कैलाशबेन चम्पकलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास सिविल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

भ्रमुसूची

खुली जमीन जिसका नोंदून० 1955-ए-1-ए, पैकी क्य० ० वार्ड प्लाट न० सी० पैकी ब्लाक 'टी' और 'टीएच' जिसका हर एक का माप 600 वर्ग गज अर्थात् कुल माप 1200 वर्ग गज है और जो सरामपुरा, आनन्द नगर हाउसिंग सोसायटी के पास (महादेव नगर हाउसिंग सोसायटी के पीछे) सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी सूरत के दिसम्बर, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4284 और 4286 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 29-4-1975

मोहर :

ग्रह, अब, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रश्न प्राई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 जुलाई 1975

निदेश सं० सी० अ० च० डी०/244/74-75—यतः, मुझे, धी० पी० मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 2087 सेक्टर 15-सी, गली ३ी, प्लाट नं० २० में बना है, तथा सेक्टर 15-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उत्तरांचल ग्रन्तुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भी ही किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के ग्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपभारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ततः—

1. श्रीमती रानी देवी केवरवाल, पत्नी जगत सिंह केवरवाल ६८८, स्वेज हाईवे कोवन्टरी इंगलैंड द्वारा पिता और मुज्जत्यार खास श्री लेखराज अधोपिया, पुत्र स्वर्गवार्सी श्री जगन्नाथ ४७७, जोणी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री रोष पाल, सूद (कर्ता) पुत्र श्री राम अन्द सूद, मोहल्ला बहादुर पुर, नजदीक म्युनिसिपल रीडिंग रूम, होशियारपुर। (अन्तरिती)

3. श्री दलीप सिंह गरेवाल, पुत्र श्री सेवा सिंह, मकान नं० 2089, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़। (वह अवित जिसके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्द है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रधार्य 20-क म परिवर्तित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उस ग्रधार्य में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2089 जो सेक्टर 15-सी, प्लाट नं० २० गली ३ी, सेक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

धी० पी० मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-7-75

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 जुलाई 1975

निदेश सं० वी० जी० आर०/32/74-75—यतः मुक्ते वी० पी०
मिनोचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 342, अर्बन इस्टेट, फरीदाबाद जिसके ऊपर इमारत भी है तथा जो सेक्टर 24 फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ग्रीमीरचन्द्र पुत्र गंगा राम,
निवासी पी०-33, मिशन रोड, एक्स्टेशन,
कलकत्ता-13

(अन्तरक)

2. मै० हिन्द मैटीरियल स्टोर,
हींग की मण्डी,
आगरा-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय विशेष अवधि द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीद्वारिगिक प्लाट नं० 342, सेक्टर 24, अर्बन इस्टेट, फरीदाबाद जिसके साथ इमारत भी है।

ईस्ट : फैक्टरी बिल्डिंग (प्लाट नं० 329)

वैस्ट : सड़क

नौर्य : फैक्टरी बिल्डिंग (प्लाट नं० 341)

साउथ : खाली प्लाट नं० 343,

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3395, जनवरी, 1975 में सब रजिस्ट्रार-बल्लबगढ़ के दस्तर में लिखा है।

वी० पी० मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 17-7-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 जुलाई 1975

निरेश सं० पी०टी०ए०प०/४०/६-७४-७५—अतः, मुझे, वी०पी०
मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रिहायशी मकान जो गुरुनानक गली में है, जिसका
क्षेत्रफल 736 वर्ग गज है, तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कायलिय पटियाला (अर्बन) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपस्थारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, भरत:—

14—186GI/75

1. श्री सुखिन्दर पाल सिंह
पुत्र श्री प्रीतम सिंह सनी, एड्योकेट,
गुरु नानक गली, पटियाला

(अन्तरक)

2. श्रीमती मानकौर,
पत्नी श्री हन्दर सिंह,
मकान नं० 422/2, गुरु नानक गली,
घेर सोडिया, पटियाला

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सामील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान जिसका क्षेत्रफल 736 वर्ग गज है जोकि
गुरुनानक गली, पटियाला में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकूट के
विलेख नं० 1643, जनवरी, 1975 में सब-रजिस्ट्रार पटियाला
(अर्बन) के दफ्तर में लिखा है।)

वी०पी० मिनोचा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 17 जुलाई, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——
प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जुलाई 1975

निदेश सं० पी०आर०-223/ए०सी०क्य०-23-348/19-7/
74-75—अतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० म्य० वार्ड नं० 2, नोंठ नं० 1932 पैकी है, तथा जो
रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़ मनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
18-12-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निष्पत्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं बिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हृदै किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे भजने में सुविधा के लिए; और/या
(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये;

अतः अत अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) प्रेमबद्ध गोपाल दास कापड़िया, स्वयं तथा
नप्रेनेश कुमार (सरीर) के वाली
(2) सुरेन्द्र भाई प्रेमबद्ध, कापड़िया
(3) मुकुन्द कुमार प्रेम बद्ध
(4) भूपेन्द्र भाई गोपाल दास, कापड़िया
(5) हंसमख बेन चन्द्रलाल
(6) शशीबेन बलबन्त राय
(7) शादबिन मानेकलाल
(8) पश्चावन बाबूलाल
(9) रंजन बेन कान्ती लाल
(10) पुण्ड्रबेन जयबद्ध, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं० विश्वकर्मा लैलू कास्पोरेशन की ओर से उसके सहित्यारी:
नानुभाई अमृभाई देसाई, ताराबेन रतीलाल, चम्पक लाल, चुनीलाल, जीनबाला, यशवंत चिमनलाल शाह, मुकुल
नानुभाई देसाई, तुलसीभाई, ठाकोरदास मानशायाला,
अमृतलाल ठाकुरदास, मोनावाला, चम्पक लाल, ठाकुरदास से
मोनावाला।
(अन्तरिती)

3. (i) मैं० मोना एन्टर प्राईस, अपने मैनेजिंग भागीदार:
श्रीमती इन्दुबेन शरदचन्द्र देसाई, सूरत।

- (ii) 1. डाहूयाभाई नरोत्तमदास सोलकी
2. धरमचन्द गुलाब चन्द्र परमार,
3. ललिता बेन रामजीभाई डामी
4. नीताबेन, मणिनदास शाह और रमेशचन्द्र
सोमचन्द शाह
5. कमल कान्त मोहन लाल पटेल
6. मंजूलाबेन नटवरलाल लिवेदी
7. हेमलता चन्द्रलाल बेलानी
8. नरेन्द्र रतिलाल, देसाई
9. मीराबेन मनुभाई देसाई,
10. अंजना चम्पकलाल जरीबाला,
11. मन्त्याराम गोडाभाई परमार
12. अमृतलाल मणिनलाल जबरी
13. गुरुचरनवास अर्जनवास अरोरा
14. इन्दुबेन शरद चन्द्र देसाई,
15. अनुलक्ष्मी नटवर लाल पथरवाला
16. टी० डी० आडवाणी
17. मीना के० देसाई
18. विजेन्द्र घीसभाई देसाई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आदेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्थावोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छुती जमीन नोंठ नं० 1932 पैकी म्य० वार्ड नं० 2, जिसका
कुल माप 700] बर्ग गज है तथा जो रिंग रोड, के पास, मजूरा गेट
के सामने, सूरत में स्थित है जैसा यह रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत
के रिस्पॉर्टर, 1974 के रजिस्ट्रीफ़ाइल विलेख नं० 4432 से 4437
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
तारीख : 21-7-1975
मोहर :

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जुलाई 1975

निदेश सं० पी०आर०-224/ए०सी०क्य०-23-348/19-7/74-75—अतः, मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० म्य० वार्ड नं० 2, नोंध 1932, पैकी है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 18-12-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उक्त प्रधीन प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, प्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं० विश्वनार्मा लैन्ड कारपोरेशन, सूरत की ओर से उसके सहियारी:

नानभाई खांडभाई देसाई, ताराबेन रतिलाल, चम्पकलाल चुनीलाल, जीनबाला, यथावंत चिमनलाल शाह, मुकुल नानुभाई देसाई, तुलसीभाई, ठाकुरदास, मोनकाबाला।

(अन्तरक)

2. मैं० मोना एन्टरप्राईज़, सूरत, मैनेजिंग भागीदार श्रीमती इन्द्रमति शरद चन्द्र देसाई, की ओर से:

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्में लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथावतिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंध नं० 1932 पैकी, म्य० वार्ड नं० 2 में कुल माप 352.5 वर्ग गज है तथा जो रिंग रोड, मजूरागेट, के सामने सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के दिसम्बर, 1974 में किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4441 से 4443 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 21 जुलाई, 1975

मोहर:

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद विनांक 22 जुलाई 1975

निवेदनं 226/ए०सी०क्य० 23-423/6-1/74-75—यतः
मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी० टीका नं० 1-4 सर्वे नं० 2/1/ए, पैकी खुली जमीन है, तथा जो फरेहंज, कैम्प, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-1974

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुमनबेन, शिवराम नारायण सेठी, की श्रीघटा, बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. परीक्ष एपार्टमेंट्स अपने 16 सहियारी द्वारा :

जस्पर वसंत विलियम्स, जयन्तीलाल मोहनलाल पटेल, सेसिल रोबिन विलियम्स, एल्डन एथेन डेनियलस, हर्षद चूनीलाल ठाकर, मनहर चिमनलाल शाह, अनंत जयवंत कुलाबकर, शशीकान्त, गजानन सुबे, गोरखनाथ, लक्ष्मणराव महास्कर, हेमन्त के० वैद्य, रसीकुमार रमजीभाई पटेल, कनुभाई हीरालाल शिवेदी, नंदबर लाल नाथलाल शाह, प्रबीन चन्द, चन्दुलाल मेहता, भुकुन्द नटवरलाल परीख, ऋषिकेश आर० शोकशी।

(प्रत्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तान्त्री के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वद्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युली जमीन जिसका क्षेत्रफल 2482 वर्ग फुट है, और जो यूनिवर्सिटी रोड, के पूर्वी ओर, जल विकास कम्पाउन्ड में, सर्वे नं० 8-547, डी० टीका नं० 1-4, सर्वे नं० 2-1 बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, बड़ौदा, के 11-12-74 को किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5146 में निर्देशित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-7-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1975

निदेश सं० 227/ए० सी० क्य० 23—यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पन्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 37 पैकी खुली जमीन, कुल माप 80000 वर्ग फुट है तथा जो लूनावाला, जिल जिला पंचमहाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लूनावाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, वब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कालिया धूलजीभाई कालीदास, कालिया पूनमचन्द्र कालीदास, कालिया बाई, शान्ता, ललूभाई कालीदास की विधवा कालिया जयंतीलाल ललूभाई (सगीर) अपने बाली बाई शान्ता ललूभाई द्वारा, कालिया बाड़ लूनावाला (अन्तरक)

(2) श्री लूनावाला सैफी हास्पीटल नसिंग होम, द्रस्टीज, डा० शेख करीमभाई शेख अब्दुल तैयब दीशानजी, शेख नाहेभाई अब्दुल हुसैन लाकडावाला, हाजी मोहमद भाई, गुलाम हुसैन रंगवाला, हकीम साहेब अली मोहमद एम० जीधानी, हाजी मुक्ता गुलाम अली तैयब अली दासखानावाला, हाजी भुला फखरस्तीन अब्दुल हुसैन लाकडावाला, बोहरा वाड, लूनावाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा वार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में व्यापक अर्थात् अर्थापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, सर्वे नं० 37 पैकी 80,000 वर्ग फुट, जो लूनावाला, जिला, पंचमहाल में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूनावाला के 13-12-74 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1795 में निर्देशित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 24-7-1975
मोहर :

प्रलग आई० टी० एन० एस०-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 85/75-76—यतः मुझे आर० रंगव्या आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हृसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3-4-754 लिंगम्पल्ली है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और।

(ख) किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती यसूफ बेहाम मुख्तार नामादार द्वारा मौजूद
जैनुला प्रावेदी खान पुत्र हैदर खान 3-4-754 लिंगम्पल्ली, हैदराबाद
(अस्तरक)

(2) 1. श्री नरए कोटव्या, पुत्र स्व० सुब्बव्या ।
2. डा० जे० जयप्रधा देवी पत्नी नरस कोटव्या, 3-4-754
लिंगम्पल्ली हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में ममाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रयोगरित्वाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मं० नं० 3-4-754 का पूरा भाग जो लिंगम्पल्ली, हैदराबाद में स्थित है। क्षेत्रफल 1704 वर्ग गज।

आर० रंगव्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
(भार साधक) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 24-7-75

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० आर० ए० सी० 85/75-76—यतः मुझे आर० रंगया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-754 लिंगम्पल्ली है, जो हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वर्धने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

1. श्रीमती यूसुफ बेगम भुख्तारनामादार द्वारा श्री जैमोला-बदीन खान 3-4-574 लिंगम्पल्ली, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री कैलास श्री रामल पुत्र कैलास ब्रोन्टमा 28-1-267, तारनाक, सिकन्द्रराबाद-17। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 3-4-754 का भाग तथा बाहरी मकानात जिसके क्षेत्रफल 478.80 वर्ग मीटर, लिंगम्पल्ली, हैदराबाद।

आर० रंगया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीखः 24-7-75

मोहरः

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री अबनिन्द्र चरण लाहा (अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० सि० 222/आर० 4/कल०/ 75-76—अतः
मुझ, एस० भट्टाचार्याआपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-थ के अधीन सकाम-प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 81 डि० (वर्तमान 82/1 डि०) है तथा जो
बेचु चटर्जी स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 2-12-1974को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्जातः:—

2. जायसवाल संघ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में त्राहाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुदृष्टि

खाली जमीन, परिमाण 3 कट्टा 4 छंटाक 17 स्कोयार फिट
के लगभग प्रेमिसेस सं० 81 डि० (वर्तमान 82/1 डि०) बंचु
चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता ।एस० के० चक्रवर्ती
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV
54, रफी अहमद किलवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 17 जुलाई 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजनन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जुलाई 1975

निदेश सं० एक्य० 23-1-445 (205) / 1-1/74-75—

यसः, मुझे, जे० कर्यालया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 343 है, जो नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

15—186GL/75

(1) श्री रेमुलजी जमशेदजी, कारंजावाला, कारंजवाग, नरोडा अस्तिग के निकट, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) हितेन्द्रनगर सहकारी औद्योगिक वसूलत लिमिटेड, धोबीघाट, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 के अधारपरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3 एकड़ और 18 गुंडा है और जिसका सर्वे नं० 343 है और जो नरोडा अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कर्यालय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 16-7-1975

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती पारवती देवी व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 जुलाई 1975

निदेश नं. 9 टी/अर्जन—यतः, मुझे विश्वस्थर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 32 है तथा जो मुद्रर रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लसंवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकरण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं. 32 जो कि बीच में बना हुआ है। कुल जमीन का क्षेत्रफल 3861 वर्गगज है। यह मुद्रर रोड इलाहाबाद में स्थित है।

विश्वस्थर नाथ,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 11-7-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्रीमती सुशीला देवीगरधर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रानी रस्तोगी व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० 54-आर०/अर्जन—यतः मुझे विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 113 है तथा जो अतरसुइया लेन इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्वीकृत द्वारा प्रकट नहीं किया गया आय किया जाना, आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 113 जिसका क्षेत्रफल 597 वर्गगज है। जो कि मोहल्ला अतरसुइया लेन इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 10 जुलाई 1975

मोहर:

प्रस्तुप आईटी०एन०एस०—

1. श्री जोगद्व नाथ श्रीधर्काल

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

2. पुनीता मित्तल व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० 32-पी०/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी-66 है तथा जो चांदगंज हाउसिंग स्कीम निरालानगर लखनऊ में स्थित है (श्री इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पव्वह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सूचना प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नं० बी-66 जिसका क्षेत्रफल 9600 वर्ग फीट है जो चांदगंज हाउसिंग स्कीम, निरालानगर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 10-7-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती कृष्णपति देवी श्री और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री बारका प्रसाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जुलाई 1975

निर्देश सं० 15-डी०/अर्जन—यतः मुझे विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ——है तथा जो मोहल्ला तथाई बाजार मिर्जापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिर्जापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपग्राहा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरिती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लाइकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जो कि मुहल्ला तथाई बाजार जिं० मिर्जापुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 15-7-1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

1. श्री खड़क सिंह और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री महेन्द्र सिंह और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जुलाई 1975

निर्देश सं० 55 एम०/अर्जन—यतः मुझे विश्वम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 140 है तथा जो ग्राम मुहम्मद गंज मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908. (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

कृषिक भूमि जो कि रकवई 14.20 नं० 140 है यह ग्राम मुहम्मद गंज जिला मुरादाबाद में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 15-7-1975

मोहर:

प्र० श्री प्रयोग नारायण गिह और अन्य —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० 43-बी०/अर्जन—प्रतः मुझे विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य ₹ 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० —— है तथा जो ग्राम गंगापुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हलद्वानी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-
1975 को पूर्णोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रयोग नारायण गिह और अन्य (अन्तरक)

2. श्री विशम्भर दयाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक किता कृषिक भूमि जो कि 63 बीघा 13 विस्ता है जो कि
ग्राम गंगापुर चरण जि० नैनीताल में स्थित है।

विशम्भर नाथ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 15-7-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-476 (206)/18-5/74-75—यतः मुझे जै० कथूरिया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हप्ते से अधिक है और जिसकी सं० सिटी सर्वें० नं० 5235 तथा 5237 है, तथा जो बल्लभ भाई पटेल रोड, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बद्धाण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्ति-रण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त:—

1. दि कान्ति कौटन मिल्ज प्राईवेट लिमिटेड मिल्ज रोड सुरेन्द्रनगर (अन्तरक)

2. श्री आराधना-को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, के लिए तथा उस की ओर से:—

चैयरमैन:—श्री कपिलराय शातिलाल देव

सेकेटरी:—श्री हंसमुखलाल छोटालाल गांधी, 11, अरुण सोसायटी, गोपाल कुपा बल्लभ भाई पटेल रोड-सुरेन्द्रनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवोहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखसभी

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 8.351 वैर्गज है और जिसका सर्वें० नं० 5235 तथा 5237 है और जो बल्लभ भाई पटेल रोड, सुरेन्द्रनगर में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

उत्तर— बल्लभ भाई पटेल रोड

दक्षिण— बरसाती नाला तथा पुलिस हैड क्वार्टर

पूर्व— 25 फुट का रास्ता

पश्चिम— 20 फुट का रास्ता

जै० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ज, अहमदाबाद

दिनांक: 17-7-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 जून 1975

निर्देश सं० राज० सं० आयु अर्जन/246—यतः मुझे,
एस० आर० वैश्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुशीलपुरा में स्थित है
(और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 दिसम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः शब्द 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, गे, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

16—186GI/75

1. श्रीमती विक्रियावति सरीत, पति डा० लाजपतराय
सरीन, बंगला नं० 11, सहदेव मार्ग, 'सी' स्कीम, जयपुर
(अन्तरक)

2. 1. वैकुण्ठनाथ राजोरिया पुत्र श्री केदारनाथ राजोरिया
2. श्रीमती सरोज राजोरिया पति श्री वैकुण्ठनाथ राजोरिया
3. श्रीमती गोविन्दी देवी पति श्री केदारनाथ राजोरिया निवासी
ई० 167 चिरंजन मार्ग 'सी' स्कीम, जयपुर 4. श्री दीपक कूलवाल
पुत्र श्री रामेश्वर लाल सी० रा० बै० कूलवाल ई०-183 बनीपार्क,
जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरे नं० (पुराने) 203, 204, और 205/2 एवं (नये)
185, 186, 187, 188, 194 एवं 195 वाली ग्राम सुशीलपुरा
उपनाम बड़ाग्राम तहसील एवं जिला जयपुर स्थित 24 बीघा 10
बिस्ता कृषि भूमि, व उस पर बने हुए सर्वेन्ट ब्रार्ट्स तथा कमरा
मय दो कुवे इलैक्ट्रिक पम्प फिटिंग सहित।

सीताराम वैश्य,
सक्षम प्राधिकारी,
महायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 26-6-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

मारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 9 जूलाई 1975

सं० आर० ए० सौ० 64/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,
(जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है),
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 4-1-938 तिला रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृद्ध किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कारदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रस्तु नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, जब उक्त अधिनियम की धारा, 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

- मेसर्स तीन एमेस तिलक रोड, हैदराबाद (अन्तरक)
- श्रीमती सुबेदा वेगम पत्नी सुलेमान व्यापारी, आम्बूर, निजामाबाद जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्पदोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जमीन, पहला मंजिला, जो बेतुल अमन के नाम से पहचाना जाता है, क्षेत्रफल 39. 96 वर्ग मीटर्स, नं० 4-1-938 का भाग, तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-7-1975

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

भारतीय अर्थ सेवा भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1976

सं. एफ.० 18/1/75-ई-१(बी)

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त 1975

भारत के राजपत्र, दिनांक 9 अगस्त, 1975 में मंत्रिमंडल
भालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा
शित नियमों के ग्रन्तुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित
के ग्रेड IV में भरती के लिए संघ लोक सेवा आयोग
..., इलाहाबाद, बंगलोर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता,
गोपालपुर (गोहाटी), हैवराबाद, जयपुर, मद्रास,
पटियाला, पटना तथा निवेदिम में 28 जनवरी,
से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :

गोग यदि चाहें तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्र का तथा उस
रंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में
जा स्वीकृत उम्मीदवारों को परीक्षा के समय सारणी तथा
स्थान या स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा।

(देखिए उपायन्ध II, पैरा-10)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन दो सेवाओं
के लिए भर्ती की जानी है उनके नाम तथा इन दोनों सेवाओं के
ग्रेड IV में रिक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है :—

(i) भारतीय अर्थ सेवा 20
(ii) भारतीय सांख्यिकी सेवा 20

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित¹
जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षण भारत सरकार
द्वारा निश्चित संख्या के ग्रन्तुसार किया जाएगा।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं में
से किसी एक अर्थवा दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के
लिये आवेदन कर सकता है। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने
के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं
दी जाएगी।

यदि वह दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना
चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आव-
श्यकता है। उपायन्ध-I में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक
ही बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग नहीं
जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :—उसे केवल उसी सेवा/उन्हीं सेवाओं के लिए
उम्मीदवार माना जायेगा जिसके/जिनके लिए वह आवेदन करेगा
दोनों सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को अपने
आवेदन-पत्र में सेवाओं के संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट
रूप से बताना चाहिए ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को
ध्यान में रखते हुए नियुक्त करते समय उसकी वरीयता पर
भलीभांति विचार किया जा सके।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित
आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस,
शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए।

निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो
रूपया देकर आयोग से डाक दारा प्राप्त किये जा सकते हैं।
यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस,
शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी
जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और
पता तथा परीक्षा का नाम साफ साफ बड़े अभरों में लिखा
होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या
चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। ये आवेदन
प्रपत्र आयोग के काउन्टर पर उक्दम भुगतान द्वारा भी प्राप्त
किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत
में बापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि अपने
आवेदन पत्र भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा
1976 के लिए निर्धारित मुक्ति प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें।
भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा, 1976 के लिए
निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन पत्रों
पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011
के पास 6 अक्टूबर, 1975 (6 अक्टूबर, 1975 से पहले की
किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
श्रवण लक्ष्मीपुर में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 20 अक्टूबर,
1975) तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित
तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर
विचार नहीं किया जाएगा।

6. उक्त परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को चाहिए
कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपायन्ध I में निर्धारित
परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम
अस्वीकार कर विद्या जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं
होता जो उपायन्ध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट
चाहते हैं।

7. उम्मीदवार हारा अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर खेने के
बाव उम्मीदवारी बापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को
किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम.० एस.० प्रयोगी,
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग।

उपायन्ध I

इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि
वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग के शुल्क के रूप में ₹०
48.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के
उम्मीदवारों के लिए ₹० 12.00) का रेखांकित किए हुए भारतीय
पोस्टल आर्डरों या स्टेट बैंक आय. इंडिया, नई दिल्ली में देय बैंक
ड्राफ्ट द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़ कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रहे रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क को संबद्ध भारतीय भिन्नों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदन या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से पश्चजन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को, या उसके बाद भारत आया है और वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे ₹ 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट I की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होते पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्द्धक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकता तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिये आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपायन्थ II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पाव भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों भें से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का हक्कुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थानों में परिष्वर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या विन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बावजूद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

आयोग, यदि चाहे तो विदेशों में या अंडमान एवं निवीन समूह अथवा लक्ष्मीनारायण में रहने वाले उम्मीदवार से इस लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है। अक्टूबर, 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेश या एवं निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्ष्मीनारायण में रह रहा था।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहे हों, उन प्रत्यना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्रों के श्रंति में दिए गए पृष्ठांकों को भरकर उन्हें आयोग के पास भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को, अपने ही हित में, अपने आवेदन-पत्रों की अग्रिम प्रतिधियाँ संधिये आयोग को भेजनी चाहिए। यदि इनके साथ निर्धारित शुल्क होगा तो उन पर अंतिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र आयोग के कार्यालय में सामान्यतः अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अंदर पहुंच जाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति जो पहले से सरकारी सेवा में है अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रतिनिर्धारित शुल्क के साथ प्रस्तुत नहीं करता अथवा उसके द्वारा प्रस्तुत की गई अग्रिम प्रति आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख तक या उससे पहले प्राप्त नहीं हो जाती और उसके द्वारा संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत प्रस्तुत किया गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

गैर सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-जवाब अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निप्पनलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (दिखाए उगावंध 1)।
- आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियाँ ।
- (v) जहाँ लागू हो वहा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।
- (vi) जहाँ लागू हो वहा आम/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5) ।

नोट—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v), तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतिलिपियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्राणित हों अथवा रक्षय उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के परिणामों के आधार पर घटकितव परीक्षण के लिए अहंता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाब उपर्युक्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियाँ प्रस्तुत करनी होंगी परिणामों के मई 1976 के महिने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाब आयोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण-पत्र उसे समय नहीं भेज सकेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द फर दी जाएगी और आगे — के लिए उन उम्मीदवारों का कोई वादा नहीं रहेगा ।

मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) के प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए:—



तथा इस प्रकार भरा जाए:—“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को अवश्य घ्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक मेंवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है ।

(व) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से प्राप्त किए जाएं और सचिव, संघ लोक मेंवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय बनाए जाएं तथा विधिवत् रेखांकित हों।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 48.00 के ब्रावार और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 12.00 के ब्रावार) यथास्थित उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में इस अनुरोध के साथ जमा करवाएं कि उस राशि को लेखा शीर्ष “051 Public Service Commission Examination Fees.” में जमा किया जाए। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रामाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा संग्रहित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। ऐसा उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित अवश्य हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त बैंकलिपक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के ग्राहितरक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया हों तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिक्युलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रतिलिपि बाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार शिक्षा भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अन्यली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं हो जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने के कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य ऐसा साक्ष्य भेजना चाहिए जो वह प्रस्तुत कर सकता हो। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए कानून नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने से सम्बद्ध विष्व-विद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से अधिक विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नोट—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण करलेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पाव हो जाता है परंतु उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीद-

वार अन्य शर्तें पूरी करते हों, तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम बानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी स जल्दी और हर हालत में 30 अप्रैल, 1976 तक प्राप्तन नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की तीन प्रतियां—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० \times ७ सें. मी. ०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और शेष दो प्रतियां आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नर्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की ओर स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें—उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रलेखों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। जो प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों, उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे (ऊपर पैरा 3 (iii) के नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर) हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने के लिये निर्धारित अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आर्योग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लैकर-उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता है।

भारत के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—
सुपुत्र/सुपुत्री* श्री— जो गांव/कस्बा*—
जिला/मण्डल*—
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*—
के/की निवासी है— जाति/—
जन जाति* के/की है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/
अनुसूचित *जन-जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950; संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950; संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951; संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951; (अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956; बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960; पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966; हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 द्वारा यथा-संशोधित।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली), अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) उत्तर प्रदेश आदेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां, आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

और/या* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा*

जिला/मंडल*

राज्य/संघराज्य क्षेत्र*

में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मोहर)

स्थान

तारीख

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

मोट :— यहां “आमतौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ वि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी :—

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुका मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा मैजिस्ट्रेट कमिश्नर।

(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ग्रोहड़े का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेस्ट्र्यू अफसर जिसका ग्रोहड़ा उहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदबार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेकेलपमेंट अफसर (लक्ष्मीप)

5. (i) नियम 5(ख) (ii) या 5(ख) (iii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अधिभ्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रव्रजन कर भारत आया है :—

(1) दंडकार्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों प्रथमा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडें।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) ग्रामे जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) ग्रामे ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुष्ट, पश्चिम कंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

यदि वह उपायन्थ I के वैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क से छूट आहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से प्रथमा संसद् या राज्य विधान मंडल के किसी

सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 5 (ख) (iv) अथवा 5 (ख) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपावन्ध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 5 (ख) (viii) अथवा 5 (ख) (ix) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मी से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मी से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपावन्ध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 5 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टेंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(v) नियम 5 (ख) (ix) अथवा 5 (ख) (xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, भारतीय अधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में

कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांति-प्रस्तुत क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट

के रैंक नं० —— श्री ——

रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/ *अशांतिप्रस्तुत क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदनाम

दिनांक

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 5 (ख) (xii) अथवा 5 (ख) (xiii) के अन्तर्गत आयुसीमा में छूट चाहने वाले सीमा सुरक्षा दल में विकलांग हुए उम्मीदवार को महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मन्त्रालय से नीचे दिए गए फार्म में प्राप्त प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में विकलांग हुआ था और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ था।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट

के रैंक नं० —— श्री ——

1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में विकलांग हुए थे और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए थे।

हस्ताक्षर

पदनाम

दिनांक

(vii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले गोआ, दमन, और दियु के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए ——

(1) सिविल प्रशासन का निदेशक

(2) कोंसलहोस के प्रशासक

(3) मामलातवार

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पादता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, तो उसे अभीष्ट पादता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति कीं किसी प्रविष्ट को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन

करें और म. कोई करें बदल करें और न ही करें बदल किए गए शूलकों से माण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की अधिकारी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथापीद्धि दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से लोटी सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वर्चित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से संबद्ध पुस्तकालयों की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक सिविल लैइंस, फिल्सी 110006 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से बेल आईर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोल्यू शिनेमा के सामने एम्पोरिया बिलिंग, 'सी' ब्लाक बाबा खड़कसिंह मार्ग, नई दिल्ली

(110001), (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन नई दिल्ली (110001) और (iii) गवर्नर्मेंट आफ इंडिया बुक लिपो, 8 के० एस०'राय रोड, कलकत्ता 1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकालय विभिन्न मुफ्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन पत्र से सम्बद्ध पत्र-ध्यवहारः—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र अदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाऊस, शाहजहां रोड, नई फिल्सी-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नोचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाएः—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष
3. उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जम्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
5. आवेदन-पत्र में विद्या गया पत्र-ध्यवहार का पता

ध्यान दें :— जिन पत्रों अदि में यह ब्यौरा नहीं होगा उन पर संभव है कि ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की ध्यावस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आवि, आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथापीद्धि देनी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 3rd July 1975

No. A. 32014/1/75-Admn. III./IV).—In continuation of his office notification of even number dated 12th June, 1975, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 22nd June, 1975 to 28th June, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Under Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 3rd July 1975

No. A. 32014/1/75-Admn. III/I).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 61 days from 15th June, 1975 to 14th August 1975 or until further orders, whichever is earlier.

7—186GI/75

No. A. 32014/1/75-Admn. III/II).—In continuation of this office notification of even number dated 12th June 75, the President is pleased to appoint Shri S. D. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16th June 1975 to 30th July, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

No. A. 32014/1/75-Admn. III/III).—In continuation of this office notification of even number dated the 12th June, 1975, the President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16th June, 1975 to 28th June 1975 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th July 1975

No. 2/20/74-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Ramesh Chandra, I.A.S. (U.P. 1961) as Commissioner for Departmental Enquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st July, 1975, until further orders.

B. V. DIGHE
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

New Delhi, the 9th July 1975

No. 2/37/74-Admn.—On the expiry of his terms of re-employment Shri A. P. Veera Raghavan, Commissioner for Departmental Enquiries, Central Vigilance Commission relinquished charge of the post on the afternoon of 30th June 1975 and proceeded on refused leave for 99 days with effect from 1st July 1975.

B. V. DIGHE
Under Secretary

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 8th July 1975

No. F. 2/29/75-Estt (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion Shri O. P. Bali, Asstt. Comdt. as Commandant in the CRPF Force in a temporary capacity until further orders.

2. Consequent on his promotion, Shri O. P. Bali, handed over charge of the post of Asstt. Comdt. (Staff Officer to the IGP S/I) CRPF, Calcutta on the forenoon of 12th May 1975 and took over charge of the post of Commandant 40th Bn. CRPF Force on the forenoon of 19th May 1975.

No. O.II-104/69-Estt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRPF Force, Shri P. N. Choudhry, relinquished charge of the post of Commandant GC CRPF Force Rampur, on the afternoon of 18th June 1975.

No. O.II-727/69-Estt (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis, Dr. S. K. Seth, GDO, Gd. II as GDO Gd. I in the CRPF till further orders.

2. He handed over charge of the post of GDO Gd. II, Group Centre, CRPF, Rampur on the forenoon of 18th May, 1975 and took over charge of the post of GDO Gd. I Group Centre CRPF, Rampur on ad-hoc basis on the forenoon of 18th May 1975.

The 11th July 1975

No. O.II-132/75-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Major Gian Singh (Retd.) as Assistant Commandant/Officer Incharge, Arms Workshop, CRPF, Gauhati for a period of one year w.e.f. the forenoon of 19th June 1975 subject to premature termination of his services should administrative exigency, his unsuitability and/or any other unforeseen factors so demand.

No. O.II-129/75-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. M. S. Allagh (Retd.) as Asstt. Commandant/Office Incharge Arms Workshop CRPF, Hyderabad for a period of one year w.e.f. the forenoon of 10th June 1975 subject to premature termination of his services should administrative exigency, his unsuitability and/or any other unforeseen factors so demand.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Adm.)

DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 11th July 1975

No. A. 21/23/75-Wireless.—On deputation from Joint Cipher Bureau, Ministry of Defence, S/Shri Ajit Singh, a permanent Compilation Officer and S. C. Jain, a permanent Technical Asstt. and officiating Instructor (Trg) assumed the

charge of the post of Extra Assistant Director (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) on the forenoon of the 18th June 1975 for one year in the first instance.

C. P. JOSHI
Director
Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 3rd July 1975

No. E-38013(1)/1/75-Ad. I.—Shri Tushar Dutt, IPS (U.P.-1953), assumed the charge of the post of Deputy Inspector General Headquarters, Central Industrial Security Force, New Delhi with effect from the forenoon of 24th June 1975 and will continue to hold the additional charge of the post of Deputy Inspector General (Northern & Western Zone), Central Industrial Security Force, New Delhi, temporarily until further order.

The 7th July 1975

No. E-38013(2)/4/75-Ad. I.—Shri A. C. Roy, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Calcutta Port Trust, Calcutta with effect from the Afternoon of 3rd June 1975, vice Shri A. T. Thiruvengadam, who relinquished the charge of the said post with effect from the Afternoon of the same date.

No. E-31013(2)/5/74-Ad. I.—The President is pleased to appoint Inspector P. P. John Alex to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, ISRO, Thumba with effect from the forenoon of 23rd June 1975, until further orders, who assumed the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/14/74-Ad. I.—On transfer to Cochin, Shri N. Narayanan Nair, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, ISRO Thumba, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 27th May, 1975 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Cochin Port Trust, Cochin with effect from the forenoon of 3rd June 1975 vice Shri K. G. Thomas, who relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/3/75-Ad. I.—On transfer to Durgapur, Shri R. K. Dixit, Assistant Commandant CISF Unit, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 19th June 1975.

The 8th July 1975

No. E-38013(2)/4/75-Ad. I.—On transfer from Bokaro Steel City, Shri I. N. Vohra assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India, Barauni with effect from the forenoon of 8th June 1975.

No. E-16013(2)/8/73-Td. I.—On repatriation to the State Cadre at his own request, Shri C. L. Ramakrishnan, IPS, relinquished the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, Madras Air Port, Madras with effect from the forenoon of 23rd June 1975.

No. E-38013(3)/14/74-Ad. I.—On transfer from Cochin, Shri K. G. Thomas, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, I.S.R.O., Thumba, with effect from the forenoon of 11th June 1975.

No. E-38013(2)/4/75-Ad. I.—On transfer from Durgapur, Shri R. K. Niyogi assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel City with effect from the forenoon of 5th June 1975, vice Shri I. N. Vohra who on transfer to Barauni, relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of the same date.

No. E-31013(2)/5/74-Ad. I.—The President is pleased to appoint Inspector Isham Singh to officiate as Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Security Paper Mill, Hoshangabad with effect from the forenoon of 7th June 1975, until further orders, who assumed the charge of the post with effect from the same date.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th July 1975

No. P/A(13)-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Aikat, an officer of Grade IV of the Indian Statistical Service, as Senior Research Officer in the office of the Registrar General, India in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1 July 1975 until further orders.

The headquarters of Shri Aikat will be at New Delhi.

The 14th July 1975

No. 6/1/74-RG(AD. I).—Consequent on his selection for appointment on deputation as Programmer in the Indian Institute of Public Administration, New Delhi, Shri N. C. Sharma relinquished the charge of the post of Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India with effect from the forenoon of 21 June 1975.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Dy. Secy.

MINISTRY FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS

Dewas (MP), the 11th July 1975

F. No. BNP/E/8/M-8.—Shri S. K. Mathur, officiating Inspector Control is appointed to officiate on ad-hoc basis as Control Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Bank Note Press, Dewas for a period of six months w.e.f. the forenoon of 9th July 1975 or till regular appointment is made to this post whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
JAMMU AND KASHMIR

Srinagar, the 7th July 1975

No. Admn. I/60(75) 75-76/1179-83.—The Accountant General, Jammu and Kashmir, is pleased to allow under the "Next Below Rule" Proforma promotion in the Accounts Officers grade in his office, to Shri Bansi Lal Raina, a permanent Section Officer, with effect from the afternoon of 16th June 1975, till further orders.

P. K. BOSE
Sr. Dy. Accountant General (A&E)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 10th July 1975

No. 40011(2)/74/AN-A.—Shri Narayan Das Vir, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/135), serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts, Western

Command, Mccrut has been compulsorily retired from service with effect from the forenoon of 28th February 1975.

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 10th July 1975
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/814/67-Admn. (G)/7005.—On attaining the age of superannuation, Shri S. L. Sah, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 30th June, 1975.

No. 6/776/66-Admn (G)/7075.—On attaining the age of superannuation, Shri B. N. Sharma, an officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 30th June, 1975.

No. 6/732/64-Admn (G)/7034.—On attaining the age of superannuation, Shri D. C. Jain, an officer permanent in the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 30th June 1975.

No. 6/1069/75-Admn (G)/7045.—On transfer from the Ministry of Commerce, Shri Tarlok Singh, an Officer officiating in Selection Grade of the CSSS has been appointed to officiate as P.S. to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 31st May 1975 (F.N.), until further orders vice Shri A. M. Srinivasan retired.

No. 6/1075/75-Admn (G)/7058.—The President is pleased to appoint Shri M. B. Tawadev, a permanent Section Officer in the Ministry of Commerce, as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports for a period from 13th June 1975 to 19th July 1975.

The 11th July 1975

No. 6/899/70-Admn. (G)/7082.—On attaining the age of superannuation, Shri A. P. Nangia, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 30th June 1975.

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 9th July 1975

No. HST. I-2(648).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 13th June 1975 and until further orders, Shri M. M. Gandhi, as Assistant Director, Grade II (N.T.) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

B. N. BASU
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 27th February 1975

No. 12/678/71-Admn (G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint on ad hoc basis Shri Gulam Dass Sahney, as Assistant Director (Gd. II) (General Administrative Division) in the Small Industry Development Organisation for the period from the 28th

November 1974 to the 1st February 1975, or till Shri C. C. Roy, the regular incumbent of the post reverts from the higher grade, whichever is earlier.

2. Consequent upon the appointment as Assistant Director (Grade II) (General Administrative Division), Shri Gulam Dass Sahney, Superintendent, Small Industries Service Institute, New Delhi, assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) on forenoon of 28th November 1974, in the Small Industries Service Institute, New Delhi.

The 8th July 1975

No. 19018/66/73-Admn (G).—Consequent upon his deputation to the Leather Industries Development Corporation of Andhra Pradesh Ltd., Hyderabad, on foreign Service, Shri M. Prasada Rao, relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Small Industries Service Institute, Ludhiana, on the afternoon on 19th March 1975, and assumed charge at Leather Industries Development Corporation of Andhra Pradesh Ltd., Hyderabad, on the forenoon of the 29th March, 1975.

K. V. NARAYANAN
Director Admn.

**DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. BRANCH A-6)**

New Delhi, the 9th July 1975

No. A-17011(74)/74-A.6.—The President has been pleased to appoint Shri Arjun Kumar Sehgal, to officiate in Textile Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I, with effect from the afternoon of 26th May 1975 until further orders.

Shri Arjun Kumar Sehgal assumed charge of the post of Inspecting Officer (Tex.) in the office of the Director of Inspection, Bombay on the afternoon of 26th May 1975.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

**MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)**

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th July 1975

No. A19012(20)/70-Estt. A.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Aggarwala, permanent Mineral Officer (Statistics) to officiate as Assistant Mineral Economist (Statistics) in the Indian Bureau of Mines on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 21st June 1975, until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY
Senior Administrative Officer
for Controller

**DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS ORGANISATION**

Calcutta-19, the 10th July 1975

No. 35-2/75/Estt.—Shri Ram Krishna Saha is appointed substantively in the post of Statistical Officer in the National Atlas Organisation, Calcutta w.e.f. 23rd June 1975.

S. P. DAS GUPTA
Director

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th July 1975

No. 12/11(i)/74-Vig.—The Director General, All India Radio, appoints Shri Arun Kumar Chakravarty, formerly Senior Field Supervisor, Debagram (Nadia), West Bengal, as

Farm Radio Officer in All India Radio, Bhagalpur in a temporary Capacity w.e.f. the forenoon of the 18th June 1975, until further orders.

HARJIT SINGH
Deputy Director Administration
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY**

New Delhi-1, the 20th June 1975

No. A-19012/1/74-Est. I.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri S. V. Ghorpade as Senior Artist in this Directorate with effect from 12th New Delhi with effect from the forenoon of 26th May, 1975

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th July 1975

No. 9-25/74-Admn. I.—The Director of Administration & Vigilance is pleased to appoint Kumari Veena Dutta to the post of Tutor at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of the 29th May, 1975 in a purely temporary capacity and until further orders.

2. On her appointment to the post of Tutor, Kumari Veena Dutta relinquished charge of the post of Clinical Instructor at the same College on the forenoon of the 29th May, 1975.

The 11th July 1975

No. 1-12/72-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Baldev Raj in a substantive capacity to the permanent post of Health Educator at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, with effect from the 21st March, 1972.

No. 13-1/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Manjit Kaur to the post of Dental Surgeon, Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi with effect from the forenoon of 26th May, 1975 on *ad-hoc* basis and until further orders.

The 15th July 1975

No. 12-56/72-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri B. Mukherjee, Section Officer in the Directorate General of Health Services, retired from Government service on the afternoon of 28th February, 1975.

2. The President is pleased to appoint Shri B. Mukherjee as Section Officer in the Dte. Genl. of Health Services for a period of nine months with effect from the forenoon of 1st March, 1975, on re-employment basis.

S. P. JINDAL
Dy. Director Administration (O&M)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)**

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 7th July 1975

No. F.2(6)/71-Estt.(I).—Shri K. L. Issar, officiating as Special Officer (Projects), Class II (Gazetted) (Non-Ministerial), in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), on *ad hoc* basis, is continued to officiate in the post beyond the 30th June 1975, upto the 31st August, 1975 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

P. K. MUKHERJI,
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF ESTATE MANAGEMENT

Bombay-400 201, the 11th December 1974
MEMORANDUM

No. 2/179/70-Adm.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri G. G. Phutak, a temporary Helper 'B' in this Directorate that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of period of one month from the date on which this notice is tendered to him.

R. L. BATRA,
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd July 1975

No. A.32013/8/75-EC.—Shri S. S. Chowdhury, Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi relinquished charge of his office on the 31st March, 1975 (A.N.), on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

The 15th July 1975

No. A.32013/13/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. A. Belliappa, Assistant Communication Officer to officiate as Communication Officer at the Aeronautical Communication Station, Bangalore with effect from the 1st May, 1975 (F.N.) on a purely *ad hoc* basis *vice* Shri S. A. Narayan, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bangalore granted leave.

H. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 8th July 1975

No. A.12034/4/75EA.—The following Senior Aerodrome Officers retired from Govt. service on attaining the age of superannuation on the 30th June, 1975 (A.N.) :—

Name and Station

1. Shri R. S. Karambelkar—Bombay Airport, Bombay.
2. Shri C. K. Abraham—Madras Airport, Madras.

S. L. KHANDPUR,
Assistant Director of Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th July 1975

No. E(1)06389.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Ram Sanchi, Professional Assistant Meteorological Centre, Lucknow under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of seventy six days with effect from the forenoon of 19-6-1975.

Shri Ram Sanchi, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to Meteorological Centre, Lucknow under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th July 1975

No. 1/321/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. K. Das, Assistant Supervisor, Calcutta Branch as Supervisor, in an officiating capacity in the same branch for the period from 12th April 1975 to 24th May 1975 (both days inclusive) against short-term vacancies.

M. S. KRISHNASWAMY,
Administrative Officer,
for Director General

Bombay, the July 1975

No. 1/356/75-EST.—Shri D. B. Pathare, Supervisor, O.C.S., Bombay Branch, is appointed as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in Calcutta Branch with effect from the forenoon of the 16th June 1975 and until further orders.

P. G. DAMLE,
Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 8th July 1975

No. 16/239/75-Ests-1.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri K. C. Goyal, Accounts Officer of the office of the Accountant General, Rajasthan, as Accounts Officer, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 13th June 1975.

PREM KAPUR,
Registrar,
Forest Research Institute and Colleges

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Madurai-2, the 7th July 1975

No. 2/75.—Sri S. Ramachandran, Office Superintendent, Hqrs. Office Madurai is appointed to officiate, until further orders, as Administrative Officer, Hqrs. Office, Madurai in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—40—1000—EB—40—1200.

2. He assumed charge as Administrative Officer, Hqrs. Office, Madurai in the forenoon of 30th June 1975.

M. S. SUBRAMANYAM,
Collector

Nagpur, the 27th June 1975

No. 14/75.—The President *vide* his order No. 90/75 issued under this Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), New Delhi's F. No. 40012/3/75-Ad.II dated 22nd May 1975, has been pleased to order that Shri Barjor Singh, Assistant Collector who was re-employed as Assistant Collector of Central Excise, Nagpur for a period of 6 months w.e.f. 1st December 1974 *vide* Notification No. 13/74 issued under this office endorsement of even No. 9175-93 dated 12th December 1974, be continued to be re-employed in the same capacity for a further period of 6 months w.e.f. 1st June 1975. Accordingly, Shri Barjor Singh continues to be as Assistant Collector (Valuation and Tech), Hqrs. Office, Nagpur for a further period of 6 months w.e.f. 1st June 1975.

2. Shri Barjor Singh will avail of the leave refused *vide* Estt. leave order issued under this Office Order C. No. II (20)G-14/74 dated 4th January 1975 immediately after the expiry of the extended period of his re-employment.

R. N. SHUKLA,
Collector

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 4th July 1975

No. 10/7(202)/73-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Shri M. P. Das, an officiating Assistant Accountant in the Civil Engineering Division, Department of Space, as an Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division, Department of Space with effect from the forenoon of September 30, 1974 and until further orders.

P. I. U. NAMBIAR,
Administrative Officer
for Chief Engineer

Bangalore-560025, the 16th June 1975

CORRIGENDUM

No. 10/7(226)/73-CED(H).—The date of appointment of Shri Y. Rangaiah indicated as "June 29, 1973" in Notification of even number dated July 16, 1973 may be corrected to read as "June 20, 1973 (F.N.)".

P. I. U. NAMBIAR
Administrative Officer

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 8th July 1975

No. A-32012/2/70-Adm. V(Vol. II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants (presently officiating as Assistant Research Officer [(Physics) on an *ad-hoc* basis], to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a regular basis, in an officiating capacity, until further orders, with effect from the dates indicated below against each:

| | |
|-----------------------------|----------------|
| 1. Shri D. D. Soni | 26-5-75 (F.N.) |
| 2. Shri Ranjit Datta | 26-5-75 (F.N.) |
| 3. Shri K. S. Das | 26-5-75 (F.N.) |
| 4. Shri K. R. Bhattacharjee | 26-5-75 (F.N.) |

2. The above officers will be on probation for a period of two years, with effect from the above date and time.

The 10th July 1975

No. A-19012/530/75-Adm. V.—In pursuance of this Commission's office Order No. A-32012/4/70-Adm. V, dated 27th December 1974, Shri S. K. Ukil, Research Assistant, Central Water Commission, on his reversion from deputation with the Farakka Barrage Project, took over charge of the office of Assistant Research Officer, Chenab Investigation Division of the Chenab Investigation Circle, Central Water Commission, at Jammu, with effect from the forenoon of the 4th June, 1975, from Shri S. A. Basha who stands reverted as Research Assistant with effect from the same date and time viz. 4th June 1975 (forenoon).

The 11th July 1975

CORRIGENDUM

No. A-31012/2/73-Adm. V (Vol. III).—The name of Shri D. P. Prasada Rao appearing at Sl. No. 25 of the Notification of even number dated the 2nd April, 1975 may be *read* as "Shri D. B. Prasada Rao".

K. P. B. MENON
Under Secretary
For Chairman, C.W. Commission

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF REHABILITATION)

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore-764003, the 10th July 1975

No. P. 2/97.—Shri C. L. Gupta, an Ad hoc Assistant Administrative Officer in the office of the Divisional Engineer-IV, RRO, Shahpura, Dist. Betul (M.P.) is reverted to his original post of Office Superintendent with effect from the Afternoon of 2nd July 1975 and posted in RRO Hd. Qrs. Office, Jeypore (Koraput-Orissa).

B. P. SAXENA
Administrative Officer
for Operational Engineer

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the August 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960 = 100 increased by one point to reach 328 (Three hundred and twenty eight) during the month of June, 1975. Converted to base 1949 = 100 the Index for the month of June, 1975 works out to 399 (Three hundred and ninety nine).

K. K. BHATIA
Director

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eastern Distillery Private Limited

Calcutta, the 10th July 1975

No. 25225/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Eastern Distillery Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT
SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 19th May 1975

F. No. 9/318/75-DOMS/761.—On his transfer from the office of the Commissioner of Income-tax, Delhi Shri V. S. Wahi Income-tax Officer Class I assumed the charge of the office of the Assistant Director in the Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax) New Delhi on the forenoon of 17th May 1975.

H. D. BAHL
Director of Organisation &
Management Services (I. Tax)

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 1st July 1975

No. F. 48-Ad(AT)/75.—On attaining the age of superannuation, Shri B. B. Srivastava, Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay benches, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1975.

HARNAM SHANKAR
President

FORM I.T.N.S.—

(2) Sh. Naranjan Singh, Piara Singh S/o Lachhaman Singh r/o Village Talwan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.998.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Talwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Rakha Ram s/o Jhanda Ram r/o Village Talwan, Teh. Phillaur,

(Transferor)

- (2) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (3) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the land).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3124 of November 1974 of Registering Authority Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Gurmej Singh s/o Niranjan Singh s/o Sunder Singh, Village Talwan, Teh. Phillaur GA Shri Gian Singh & Chanan Kaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.999.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Village Talwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sh. Dial Singh, Harbhajan Singh s/o Shankar Singh s/o Sunder Singh, Village Rurki & 2. Mukhtar Singh s/o Dial Singh, 3. Balbir Singh s/o Harbhajan Singh.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the land).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3127 of November 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.
Seal :

FORM ITNS

(2) S/Sh. Jarnail Singh, Vikar Singh s/o Nand Singh Bhajan Kaur d/o Nand Singh, Village Ajtani, Teh. Phillaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1000.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Ajtani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Didar Singh s/o Sh. Jiwan Singh, Village Agtani, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the land).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3174 of November 1974 of Registering Authority Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) S/Sh. Pargat Singh & Jaswant Singh S/o Shiv Singh
V. & P.O. Murani, Tch. Phillaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1002.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Rurka Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Swaran Kaur w/o Ajit Singh V. & P.O. Rurka Kalan.

(Transferor)

*(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3319 of November 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

(2) Shri Harbang Singh s/o Lachman Singh s/o Bhag Singh r/o Nakodar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1003.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Nakodar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sodagar Singh s/o Badhawa Singh s/o Fateh Singh r/o Nakodar.

(Transferor)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1878 of November 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

(1) Shri Sawaraj Singh s/o Narain Singh, Village Addi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Singh s/o Narain Singh, Village Addi,
Teh. Nakodar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).*(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1004.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Addi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1920 of November 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

(2) S/Sh. Paul Singh, Bhag Singh, Pritam Singh, Gurdip Singh S/o Inder Singh, Bara Sidhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. 1005.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Chak Khurd/Alliwal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nakodar in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Beant Singh s/o Bhagat Singh, Alewali.
(Transferor)

*(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1933 of November 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal:

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS —————

(1) Shri Sunder Singh s/o Sadda Singh s/o Rattan Singh
r/o Pandori Rajputan Teh. Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Gian Singh, Nirmal Singh, Baljit Singh s/o
Sohan Singh. Pandori Rajputan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1006.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per sechedule, situated at Pandori Rajputan, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in November 1974, for an apparent consideartion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideartion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

*(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the land

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1935 of November 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

*(Strike off where not applicable).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Beant Singh s/o Bhagat Singh of Alewali.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1007.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Alewali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in November 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sh. Piara Singh, Gurcharan Singh S/o Lal Singh V. Bara Sidhpur.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1940 of November 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) Sh. Gurdev Singh, Gurmail Singh, Onkar Singh
Harbans Singh ss/o Naranjan Singh, Talwandi
Madho, Teh. Nakodar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. 1008.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Talwandi Madho. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dharam Vir s/o Mathra Dass Talwandi Madho, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the land.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1955 of November 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Dato d/o Smt. Piaro wd/o Shri Rajmail Singh
r/o Chuhar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. 1009.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at V. Chuhar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Sh. Sukhdev Singh, Balbir Singh Ss/o Bahadur Singh, Village Chuhar, Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2009 of November 1974 of Registering Nakodar Authority, 1974.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Harbans Singh s/o Sh. Dala Singh, V. Umarwal
Billa, Teh. Nakodar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri, Kewal Singh s/o Jagat Singh V. Umarwal
Billa, Teh. Nakodar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. 1010.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Umarwal Billa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2035 of November 1974 of Registering Authority, Nakodar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Sh. Manmohan Singh self G.A. to Hardip Singh
S/o Ajaib Singh, Village Haveli, Teh. Nakodar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

(2) Sh. Joginder Singh s/o Santa Singh, Mohan Singh, Bahudal Singh, Piare Singh S/o Thakkur Singh, Village Haveli, Teh. Nakodar, Malsian.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the land.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. 1011.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Haveli, (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in November 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1371 of November 1974 of Registering Authority, Shahkot.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24.7.1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. 1012.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at V. Haveli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Manmohan Singh self & G.A. to Hardip Singh ss/o S. Ajai Singh, V. Haveli, Teh. Nakodar Near Malsian.
(Transferor)

(2) Sh. Maikiat Singh s/o Didar Singh s/o Mewa Singh, Swaran Singh s/o Kartar Singh, Gurcharan Singh s/o Mukhtiar Singh, V. Haveli, Teh. Nakodar,
(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above,
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the land.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1372 of November 1974 of Registering Authority, Shahkot.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JULLUNDUR

(1) Smt. Suda Kaur mother of Jagiri s/o Hazara Singh,
V. Kang Kalan, Teh. Nakodar.
(Transferor)(2) S/Sh. Ajit Singh, Sarwan Singh, Major Singh
Sukhwinder Singh ss/o Bishan Singh s/o Sunder
Singh, Kang Kalan, Teh. Nakodar.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the land).Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1013.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Kang Kulan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in November 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1412 of November 1974 of Registering Authority, Shahkot.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1014.—Whereas, I Ravinder Kumar, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule.

situated at Sangh Dhesian.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in December 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sohan Singh so Vattan Singh s/o Sh. Bula r/o Sang Dhesian, Teh. Phillaur G.A. to Sh. Kartar Singh (Kartar Singh) s/o Bela.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Singh s/o Wattan Singh s/o Bhula-Bulvir Kaur d/o Rehal Singh r/o Phalpota, Teh. Phillaur through Paire Singh s/o Bhagwan Singh Sangh Desian.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3390 of December 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sohan Singh s/o Batna s/o Sh. Bhula r/o Dhesian Sangh, Teh. Phillaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

(2) S/Sh. Mohinder Singh, Shangara Singh, Niranjan Singh, Gurdev Singh s/o Rehal Singh s/o Mihan r/o Phalpota, Teh. Phillaur through Ranjit Singh s/o Bawa Singh.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land
(Person whom the undersigned knows to be interested in the land).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1015.—Whereas, I Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Dhesian Sangh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in December 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3440 of December 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Rakha Ram s/o Jhanda Ram r/o Talwan Teh.
Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1016.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No. As per schedule, situated at Talwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in December 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sh. Naranjan Singh, Piara Singh s/o Lachhman Singh r/o Talwan, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3457 of December 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1017.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kang Jagir, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—186GI/75

(1) Sh. Sohan Singh s/o Batna of Village Dhesian Sangh Teh. Phillaur G.A. of Kartar Singh Sh. Bela of Village Kang Jagir, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Sh. Asa Singh s/o Harbans Singh of Kang Jagir through Pritam Singh s/o Chaina of V. Dhesian Singh, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the land.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3473 of December 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P.1018.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Village Dhesian Sangh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sohan Singh s/o Batana s/o Bhulla of Village Dhesian Sang, Teh Phillaur, Attorney General of Kartara s/o Bela, V, Kang Jagir.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh, Shangara Singh, Naranjan Singh, Gurbans Singh Ss/o Rawal Singh r/o Phalpata, Teh. Phillaur, through c/o Santokh Singh s/o Dewan Singh Dhesian Sangh.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3505 of December 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sohan Singh s/o Batna of Vill. Dhesian Sangh, Teh. Phillaur Attorney General of Kartara s/o Bela of V. Kang Jagir.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1019.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Kang Jagir, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Dec. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) S/Sh. Mohinder Singh, Shangara Singh, Naranjan Singh, Gurwant Singh s/o Rewal Singh, V. & P.O. Phalpota V. & P.O. Dhesian Sangh.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3537 of Dec. 74 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1020.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Kang Jagir, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Dec. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sohan Singh s/o Banta of Vill. Dhesian Sangh, Teh. Phillaur Attorney General of Kartara &/o Bela of V. Kang Jagir.

(Transferor)

(2) Sh. Gendaur Singh, Surjit Singh S/o Asa Singh Through Bachint Singh s/o Dalip Singh V. Sapror Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3573 of Dec. 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal:

FORM ITNS

(1) S/Sh. Jamna Dass, Jagan Nath S/o Tulsi Ram s/o Jawahar Lal r/o Agalpur Teh. Phillaur, Now Gulla Mandi; Phillaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Baldev Singh, Lachhman Singh, Sh. Jagtar Singh, Mohan Singh ss/o Gurdev Singh s/o Labhu r/o Agalpur, Teh. Phillaur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1021.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule,
situated at Gulla Mandi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Dec. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3625 of Dec. 1974 of Registering Authority, Phillaur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Gurdial Singh s/o Kishan Singh r/o Samrari.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sohan Singh s/o Banta Singh Dhesian, Teh. Phillaur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 24th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1022.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Samrari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur in Dec. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 3653 of Dec. 1974 of Registering Authority, Phillaur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Gurdial Singh s/o Kishan Singh r/o Surari,
Teh. Phillaur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Sohan Singh, Niranjan Singh Ss/o Mikha Singh, Piara Singh, Gurnam Singh Ss/o Shiv Singh, Phalpota.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1023.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule,
situated at Surari,

(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer
at Phillaur in Dec. 1974
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the Parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3665 of Dec. 1974
of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely:—

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sh. Harjit Singh s/o Chhaju Ram r/o Nawanshehar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1024.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Barnala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehar in Nov. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjit Singh S/o Mangal Singh, R/o Barnala Kalan.
(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE
Land as mentioned in Regd. deed No. 3604 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nawanshehar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1025.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Malupota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—186GI/75

(2) Shri Rajinder Singh s/o Avtar Singh R/o Vill Bir Bisan, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3387 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. Daljit Kaur d/o Dalip Singh s/o Hamira R/o Upal Bhuma, Teh. Phillaur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1026.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule,

situated at Bir Bansian,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nwanshahr in Nov. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kartar Kaur d/o Rakhi, Vill. Bir Bansian, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3386 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Sh. Jagtar Singh s/o Balraj Singh r/t Model Town, Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1027.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Mohalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nwanshahr in Dec. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 38737 of Dec. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Shivraj Singh s/o Dalbagh Singh, V. & P.O. Mohalan.
(Transferor)

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gurbachan Kaur w/o Dalip Singh s/o Isher Singh, R/o Rahon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Swarn Kaur w/o Richhpal Singh s/o Bhagat Singh, R/o Rahon.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 24th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1028.—Whereas, 1, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule,

situated at Rahon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nwanshehar in Nov. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land as mentioned in Regd. deed No. 3516 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nwanshehar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely :—

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tarsem Lal s/o Hamir Singh, R/o Majhoor Teh.
Nwanshahr.
(Transferor)

(2) S/Sh. Sohan Singh, Kabal Singh, Harbhajan Singh,
Jarnail Singh, Rachpal Singh & Joga Singh S/o
Pritam Singh s/o Hari Singh, Majhoor,
(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1029.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Majhoor, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3528 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sada Nand s/o Sohan Lal R/o Nwanshahr.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Harpal Singh s/o Ujagar Singh s/o Kishan Singh, R/o Nwanshahr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 24th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. A.P. 1030.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Tajpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3536 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sadhu Ram s/o Sant Ram s/o Mihm Ram R/o
Rahon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Milkhi Ram s/o Inder Ram s/o Tholi Ram
Vill. Guna Chaur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1031.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule,
situated at Jandiala,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Nwanshahr in Nov. 1974,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3456 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shivraj Singh s/o Dalwara Singh, R/o Mahalon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1032.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule,
situated at Mohalan,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in Nov. 1974,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Sh. Jagtar Singh s/o Balraj Singh s/o Dalwara Singh, R/o Jullundur.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3687 of Dec. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Swarn Kaur d/o Bujha s/o Isher R/o Hiala
Teh. Nwanshahr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1033.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Hiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nwanshahr in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
22—186GI/75

(2) Sh. Jashir Singh, Surjit Singh s/o Piara Singh s/o Bujha,
2. Jhalman Singh s/o Bujha, R/o Hiala.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 3520 of Nov. 1974 of Registering Authority, Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1034.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule,

situated at Jullundur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Suresh Kumar s/o Seth Rajinder Kumar Aggarwal of Jullundur, Adda Tanda, Jullundur.
(Transferor)

(2) Smt. Shanti wd/o S. Sujan Singh, Krimpura, 526-Kapurthala Jullundur City.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed. No. 7602 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975,
Seal:

FORM ITNS

(1) Suresh Kumar s/o Seth Rajinder Kumar Aggarwal
of Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1035.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule, situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Suresh Kumar s/o Seth Rajinder Kumar Aggarwal
of Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Parlad Kaur w/o S. Mohinder Singh of Kapurthala, Mohalla Karteampura, No. 526.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7603 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suresh Kumar s/o Rajinder Kumar Aggarwal
of Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th June 1975

Ref. No. A.P. 1036.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Kumar s/o Rajinder Kumar Aggarwal
of Jullundur.
- (2) Sh. Mohinder Singh s/o S. Sujan Singh, Karampura, 526-Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7605 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suresh Kumar s/o Rajinder Kumar Aggarwal of Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1937.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Kumar s/o Rajinder Kumar Aggarwal of Jullundur.
- (2) Sh. Vasdev s/o Sh. Som Nath, Harinder Mohan s/o Sh. Vasdev of Jullundur.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7606 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal.

FORM ITNS—

(1) Sh. Gurebal Singh s/o Charanjit Singh, Jullundur.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Mahay Lands, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows or be interested in the property).

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1038.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7233 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Birinder Singh s/o Charanjit Singh, Jullundur.
(Transferor)(2) Gurdyal Singh, Dhillon S/o Sant Singh, Nanyal
Singh, Krar Khan, Jullundur.
(Transferee)(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1039.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Basti Bawa Khel Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7247 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Birinder Singh s/o Charanjit Singh, Jullundur.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Mahay Lands, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 24th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. A.P. 1040.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule,
situated at Basti Bawa Khel, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1974,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7232 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Gurebal Singh s/o Charanjit Singh, Jullundur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sh. Gurdyal Singh Dhillon S/o Sant Singh of Nangal
Krar Khan, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 24th July 1975

Ref. No. A.P. 1041.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule,

situated at Basti Bawa Khel, Jullundur

(land/more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Nov. 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

23—186GI/75

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the land.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 7246 of Nov. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.

(2) Sri Satyanarayana Gruha Nirmana Sahakara Sangha
Limited Satyanaraynapura, Rajajinagar 2nd Stage,
Bangalore-10.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th July 1975

No. CR. 62/3415/74-75/Acq(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____, The property being a dry land measuring two acres in Survey No. Old 171 (Resurvey No. 169) Present No. 169/1 at Laggare Village, Yeshwanthpura Hobli, situated at Bangalore North Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk (Document No. 5126) 74-75 on 28-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sri Narayanaswamappa, (ii) Sri Sorappa Sons of Shri Munivenkatappa, Kethamaranahalli 1st Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a dry land measuring 2 acres belonging to the Survey No. old 171 (Resurvey No. 169) present No. 169/1 at Laggare Village, Yeshwanthpura Hobli, Bangalore North Taluk.

East—lands belonging to Shri Kamaiah, Motappa, Appaiah and Papanna.

West—lands belonging to Smt. Ramakka Hanumanthappa.

North—lands belong to Sri Kamaiah and Ramaiah.

South—lands belonging to Sri Shivanahalli Basappa.

Document No. 5126/74-75/dated 28-11-74.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Satyanarayana Gruha Nirmana Sahakara Sangha Limited, Satyanarayana Pura, Rajajinagar 2nd Stage, Bangalore-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th July 1975

No. CR. 62/3416/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a dry land measuring one acre in Survey No. 173 at Laggare Village, Yeshwantapur Hobli situated at Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore North Taluk (Document No. 5127) on 28-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Sonnappa Son of late Sri Doddabachanna, No. 90, Second B Main Road, Joganahalli, Rajajinagar, 2nd Block, Bangalore-10.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a dry land measuring one acre in Survey No. 173 at Laggare Village, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk.

East—Land belongs to Palyada Seeme Choudappa and Channappa.

West—Land belongs to Basappa Son of Shri Sivanahalli Nanjappa.

North—Land belongs to Sri Kamaiah.

South—Land belongs to Sri Muniswamappa.

Document No. 5127/74-75/dated 28-11-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th July 1975

No. CR. 62/3418/74-75/Acq (B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

the property being dry land measuring 00.12 guntas and 31 $\frac{1}{4}$ guntas belonging to the Survey No. 172/1, and 169/2 respectively at Leggery village, Yeshwanthapur, Hobli, situated at Bangalore North Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk (Document No. 5161/74-75) on 30-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kamaiah Son of late Shri K. Tippaiah, Kethamaranahalli, 1 Block Rajajinagar, Bangalore-10.
(Transferor)

(2) Sri Satyanarayana Gruha Nirmana Sahakara Sangha Limited, Sathyanarayana Pura, Rajajinagar 2nd Stage, Bangalore-10.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being dry land measuring :—

| Acre | Guntas |
|---------|------------------|
| (i) 00 | 12 |
| (ii) 00 | 31 $\frac{1}{4}$ |
| — | — |
| 1 | 31 $\frac{1}{4}$ |

belonging to Survey No. 172/1 and 169/2 respectively at Leggery Village, Yeshwanthapur Hobli, Bangalore North Taluk.

East—Land belongs to Sri Lakshmaiah.

West—Land purchased by Sri Satyanarayana Gruha Nirmana Sahakara Sangha Ltd., from Sri Narayanaswamappa & Sri Sorappa.

North—do— from Sri Muniswamy alias Motaiah.
South—do— from Sri Sonnappa.

Document No. 5161/74-75/dt. 30-11-74.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority;
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th July 1975

No. CR. 62/3419/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing the property being dry land measuring *belonging to the survey No. 172/1 and 169/2 respectively at Leggery village, Yeshwanthapur situated at Hobli, Bangalore North Taluk

| A | G |
|-------|----|
| 00 | 12 |
| 00 | 34 |
| <hr/> | |
| 1 | 34 |

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer situated at Bangalore North Taluk Document No. 5162/74-75 on 30-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Muniswamy alias Motaiah Son of late Shri Munisubbaiah, Kethamaranahalli, 1 Block Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Sri Satyanarayana Gruha Nirmana Sahakara Sangha Limited, Sathyanarayana Pura, Rajajinagar 2nd Stage, Bangalore-10.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being dry land measuring :—

| | Acre | Guntas |
|-----|-------|--------|
| (1) | 00 | 12 |
| (2) | 00 | 313 |
| | <hr/> | <hr/> |
| | 1 | 34 |

belonging to Survey No. 172/1 and 169/2 respectively at Leggery Village, Yeshwanthpura Hobli, Bangalore North Taluk.

East—Land belongs to Sri Lakshmaiah.

West—Land purchased by Sri Satyanarayana Gruha Nirmana Sahakara Sangha Ltd., from Sri Narayanaswamappa & Sri Sorappa.

North—do— from Sri Muniswamy alias Motaiah.

South—do— from Sri Kamaiah.

Doc. No. 5162/74-75 dt. 30-11-74.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 17th July 1975

No. CR. 62/3463/74-75/Acq. (B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The property being a portion of vacant land measuring

 $112' + \frac{28'}{2} \times 140' = 9,800$ sq. ft. in S. No. 56 situated at

(Corporation Divn. No. 62), Neelsandra, Bangalore-7

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11, D.O.C. No. 2958/74-75 on 20-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Sadappa, S/o late Shri Chinnaswamy, (2) Smt. Hanumamma, W/o late Shri Thayappa, and (3) Shri Thimmaiah S/o Shri Katkinda Thayappa. All are residing at Thimmayappa Garden, Neelsandra, Bangalore-7.

(Transferors)

(2) Shri R. Ali, S/o Shri Havaldar Rahiman Khan, No. 8, East Street, Neelsandra, Bangalore-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a portion of vacant land measuring $112' + \frac{28'}{2} \times 140' = 9800$ sq. ft. in S. No. 56 (Corporation Dn.

2 No. 62), Neelsandra, Bangalore-7.

Boundaries :

East—Shanbhog's Inamti land and Road.

West—Drain and houses.

North—Houses in S. No. 56.

South—Houses and vacant land.

retained by the vendors and Chain-end Road (Corporation Road) D.O.C. No. 2958/74-75, dt. 20-11-74.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 17-7-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. S. Murali, S/o Shri K. A. Appaji, No. 39, III Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd July 1975

No. CR. 62/3493/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a vacant site bearing No. 194 (measuring $80' \times 50' = 4000$ sq. ft.) West of Chord Road II Stage, Rajajinagar, Bangalore-10 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore (Document No. 5131/74-75) on 12-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant site bearing No. 194. ($80' \times 50' = 4000$ sq. ft.) West of Chord Road, II Stage Rajajinagar, Bangalore-10.

Boundaries :

East—Service Road.

West—Site No. 208 and 209.

North—Site No. 195.

South—Site No. 193.

Document No. 5131/74-75/dt. 12-12-74.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-7-75.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd July 1975

Ref. F. No. 243/Acq./Kanpur/74-75/694.—Whereas, I,

F. J. Bahadur
being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at 16/53, Barafkhana, Civil Lines Kanpur

(and more fully described

In the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 29-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Tilottama Rohatgi W/o Late Dr. Bal Kishan Rohatgi, 16/53, Civil Lines, Kanpur-208001. Permanent Address : 16, Sri Ram Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Shakuntala Agarwal, W/o Shri Jagan Nath Agarwal, 31/3, Ghumni Mohal, Kanpur-208001.

(Transferee)

(3) 1. Mr. Vikram Jang Bahadur.
2. Mr. S. N. Kapoor.
3. Mr. Iqbal Singh & Mr. G. S. Kohli.
4. Mr. K. K. Gupta.
5. Mr. R. C. Verma (All tenants).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Present House No. 16/53, Civil Lines, Old No. 16/19A, Barafkhana, Civil Lines, Kanpur-208001. Two Storeyed building. Total area 345 Sq. Yds. transferred for an apparent consideration of Rs. 1 Lacs.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Madan Mohan Kishan Aga S/o Shri Rup Kishan Aga, living at Q.A.-1, Jangpura Extension New Delhi-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) Shri Dalanwala Friends Sahakari Greh Nirman Samiti Ltd., Dehradun, through the secretary Shri G. P. Shukla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 3rd July 1975

Ref. F. No. 172/Acq./D. Dun/74-75/689.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Inder Road, Dalanwala Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 17-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring five bighas forming part of plot bearing Khasra No. 229 and 300 according to settlement of 1904-05 situated at Inder Road, Dalanwala, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 30,500/-.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—186GI/75

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-7-1975.

Seal :

FORM JTNS—

(2) Shri Roshan Lal Sharma R/o Village Sanga Hara
P.O. Chimini, Distt. Rohtak (Haryana).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th July 1975

Ref. F. No. 160/Acq./Dehradun/74-75/690.—Whereas, I F. J. Bahadur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Adarshnagar, Rishikesh Dehradun (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Ram R/o 34, Adarsh Nagar, Rishi Kesh, Dehradun.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 34, situated at Adarsh Nagar, Rishikesh, Dehradun is transferred for the apparent consideration of Rs. 48000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 8-7-1975.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd July 1975

Ref. F. No. 216/Acq./Kanpur/74-75/691.—Whereas, I F. J. Bahadur being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/195, Vishnupuri, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 1-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Niranjan Kumar Sharma S/o Late Shri Mohan Lal Sharma, Smt. Annapurna Devi W/o Late Shri Mohan Lal Sharma, Shrimati Manjulata Sharma Daughter, Deepak, Km. Jyoti R/o Canal Road, Rai Bareilly.

(Transferor)

(2) Shri Gaya Prasad Urf Shri Gyan Dutt Verma, 3/195, Vishnupuri, Kanpur.

(Transferee)

(3) 1. Shri Subhash Chandra.
2. Shri Gaya Prasad

(Person in occupation of the property)

(4) 1. Shri Subhash Chandra,
2. Shri Gaya Prasad

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 3/195, Vishnupuri, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 85,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 22-7-1975

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Om Prakash S/o Shri Ganga Ram, R/o Saharanpur Chakrata Road, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash S/o Lala Jyoti Prasad R/o Saharanpur, Mohallah Rani Bazar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th July 1975

Ref. F. No. 99/Acq./Saharanpur/74-75/693.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at House No. 6/996 Ravidass Marg, near Bajoria Inter College Saharanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 22-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Municipal No. 6/996, in Khasra No. 871, Khewat No. 136 situated at Ravidass Marg opposite Bajoria Inter College Dara Milkana Swad, Saharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 52,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. J. BAHADUR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd July 1975

Ref. F. No. 158/Acq./D. Dun/74-75/692.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at 62, Kaulagarh, Road Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 28-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Major Kuldip Rai Berry S/o Shri Ram Rattan Berry, Smt. Satyawati Berry w/o Major Kuldip Rai Berry, Shri Anil Berry S/o Major Kuldip Rai Berry, adults and Madhukar Berry minor son of Major Kuldip Rai Berry the said minor acting through Major Kuldip Rai Berry, all r/o 506 Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Sneh Lata Singh, W/o Shri Gambhir Singh, r/o Vill. Bibiwala, P.O. Satyanarain, Distt. Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 62, Kaulagarh Road, Dehradun, comprising a main double storeyed building, electricity & water connections, together with outhouses and boundary wall on three sides with an iron gate, including land measuring 63 acres bearing Khasra Plot Nos. 1166/0.05 acre and Khasra Plot No. 1167/0.58 acres of Vill. Garhi, Distt. Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Ashok Dayal Mathur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 17th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 49-A/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. plot of land No. 163 situated at shahnajaf Road, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 25-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Sureshwar Dayal Mathur.

(Transferor)

Date: 17-7-75

Seal:

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

FORM ITNS—

(1) Shri Brijeshwar Dayal Mathur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kusum Dayal Mathur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 17th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 35-K/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. plot No. 163 situated at Shahnajaf Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-10-74/21-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/4 Share of plot No. 163 measuring 16 Biswa 17 Biswansi (22932 Sqr. ft.) situated on the back side of shahnajaf Road, Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 17-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Debabrata Sarkar, 57/12, Ballygunge Circular Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Jayasree Nag, w/o Sri Amitava Nag, Anglo India Jute Mills, Jagatdal, 24 Parganas.

(Transferee)

(3) Nil

(4) (i) Sibabrata Sarkar, (ii) Subrata Sarkar, both of 57/12 Ballygunge Circular Road, Calcutta.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 28th July 1975

Ref. No. 274/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57/12, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24 Parganas on 15-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The entire second floor together with one garage at ground floor and the south west room on 3rd. floor (Terrace) subject to the provisions of common areas and facilities together with undivided 1/3rd share in the land measuring 5 cottahs more or less in partly 3 storied and partly 4 storied building at premises No. 57/12 Ballygunge Circular Road, Calcutta as per deed No. 7942 of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24 Pgs.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Calcutta-16

Date : 28-7-75

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) Shrimati Gnanada Sundari Dasgupta 6/2^e Ekdalia Road, Cal-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amit Kumar Ghosh, Achin Kumar Ghosh, 6/2 Ekdalia Road, Calcutta-19,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-16.

(3) Tamush Ranjan Dasgupta 50 Ekdalia Road, Calcutta-19. (Partly)

(Person in occupation of the property)

Calcutta-16, the 24th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 269/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50, situated at Ekdalia Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24 Pgs: on 8-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All the piece and parcel of land measuring 2 cottahs 5 chittacks 37 sq. ft. more or less together with a partly two storied and partly three storied building standing thereon at 50 Ekdalia Road, Calcutta as per deed No. 7608 of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24 Parganas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-III, (3rd Floor)

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 24-7-1975

Scal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—186GI75

FORM ITNS

(2) "Agaonagar Service Officers' Co. op. Housing Society Ltd., Chairman Brig. Abbasali Cumberati Aga, S. No. 47, Vadgaonsheri, Nagar Road, Poona 14.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411004, the 24th July 1975

Ref. No. C.A. 5/November '74/Bombay (Poona)/220/75-76.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 46, situated at Vadgaonsheri (Poona) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 5-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Tehmurasp Rustomji Kavarana
(ii) Smt. Sheroo Tehmurasp Kavarana
(iii) Rustom Tehmurasp Kavarana, Iris, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold. All that piece or parcel of agricultural land or ground bearing S. No. 46, Hissa No. 5 in Vadgaonsheri, Taluka Haveli, Dist. Poona and Sub Registration District Haveli and within the jurisdiction of Z.P. Poona, Taluka Panchayat Samiti Haveli, Grampanchayat Vadgaonsheri and admeasuring approximately 4 acres and 17 gunthas, i.e. 1 Hector and 79 R and bounded as follows :

On or towards the North—By Poona Nagar Road.

On or towards the South—By survey No. 46/3-B.

On or towards the East—By Survey No. 46/6, 46/7 and 46/8.

On or towards the West—By survey No. 46/3-A.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 749 of Nov. 74 of the Registering authority, Bombay).

H. S. AULAKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date : 24-7-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajiv Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta-27.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Uma Devi Singhania, minor represented by her father and natural guardian Radheshyam Singhania, 8A, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 24th July 1975

Ref. No. Ac-11/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A, situated at Alipore Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 12-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20 measuring about 1878 sq. ft. on the fifth floor of premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta-27.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-7-1975

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Sanjiv Jindal, Minor, represented by his father and natural guardian Murlidhar Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16.

(2) Shri Purnendu Gupta of Flat No. 10, Britannia Court, 32B, New Road, Alipore, Calcutta.

(Transferee)

(3) Shri Kanwarlal Rampuria 8A, Alipore Road, Calcutta-27.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 24th July 1975

Ref. No. Ac-10/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmauria being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A, situated at Alipore Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 6-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three bed roomed flat measuring about 1878 sq. ft. on the eighth floor of the multi-storeyed building known as 'Jindal House' at No. 8A, Alipore Road, Calcutta-27.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. V. LALMAWIA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chandrakant Mahadeo Bhagwat,
93/3, Gold Finch Peth, Sholapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61, FRANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA 411004(2) M/s. Bhagwantnagar Estate, partners :
(1) Shri Dagdoba Bhimaji Bhagwat,
(2) Shri Mahadeo Bhimaji Bhagwat,
(3) Shri Maruti Mahadeo Bhagwat,
(4) Shri Chandrakant Mahadeo Bhagwat,
all at 93/3 Gold Finch Peth, Sholapur.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold non-agricultural land, at Bale, Tal. North Sholapur, Dist Sholapur.

| Survey No. | Area | Sq. yds. |
|------------|------|----------|
| Survey No. | Acre | Guntha |
| 30/3A/1 | 0— | 2— |
| 30A/3A/1 | 0— | 15— |
| 30A/3A/1 | 3— | 10— |
| 162 | 1— | 14— |
| | | 108 |
| | | 52 |
| | | 34 |
| | | 0 |

(property as mentioned in the Registered Deed No. 3128 of November 1974 in the Registering authority, Sholapur).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Date 26-7-75.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Devidas Waman Shinkar,
C. S. No. 1411,
Dhulia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA 411004

Poona-411004, dated 22nd July 1975

Ref. No. C. A. 5/Dhulia/November'74/218/75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. C. S. No 1411, (South side) situated at Dhulia
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Re-
gistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Dhulia on 17th November 1974
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this Notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Waman Vishnu Wani,
C. S. No. 1411, Dhulia.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said Act',
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

C. S. No. 1411, South portion, Dhulia Area : 270 Sq. Mtrs.
(property as mentioned in the Registered Deed No. 1759 of
November 1974 of the Registering authority, Dhulia).

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 22-7-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri 1. K. R. Advani, 2. K. Advani, 3. K. D. Advani, 4. S S Advani, 5. P. R. Advani, 6. J. J. Advani, 7. K. S. Kamalani, 8. L. K. Punvani, 9. S. R. Punvani and 10. M. P. Jhangiani.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. K. Kriplaney

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, dated 22nd July 1975

Ref. No. TR-279/C-264/Bombay/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 5/2, situated at Russel Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20th November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office 10-A, in premises 5/2 Russel Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE
ROAD, POONA-411004

Poona-411004, dated 24th July 1975

Ref. No. C. A. 5/November'74/Shrirampur/219/75-76.—
Whereas, I, H. S. Aulakh,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. C.T.S. No. 1838 (Part) original plot No. 285/15 Final
Plot No. 563/C,
situated at Shrirampur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Shrirampur on 4th November 1974
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons, namely:—

(1) Shri Prataprao Narayanrao Borawake,
Post office Rahata, Tal- Kopargaon,
Dist. Ahmednagar.

[Transferor]

(2) Shri Fr. H. Staffner, for The Poona Catholic Edu
cational Association Pvt. Ltd., 2004, St. Vincent's
Street, Poona-1.

[Transferee]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot C. T. S. No. 1838 Part, original plot No.
285/15 and Final Plot No. 563 'C' at Shrirampur, Dist.
Ahmednagar.

Area : 4 Acres

And bounded as follows :

On the North T. P. Road, Shrirampur

On the East Shirasgaon boundry

On the West Final Plot No. 563A & B

On the South C.T.S. No. 1823 or F. P. No. 565.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 1253
of November, 1974 of the Registering authority, Shrirampur).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 24-7-1975.

Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri Pranjivandas Chhotubhai
Viruben Pranjivandas, Surat,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sudhaben R. Desai
Geetaben A. Naik
Dhulabhai Bhimbhai Vecras, Surat.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, dated 26th July 1975

Ref. No. PR. 228/Acq.-23-425/19-7/74-75/933.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mun. Ward-2 Nondh No. 1934-B-4 situated at Kshetrapal Street, Nr. Majura Gate, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11th November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing Nondh No. 1934-B-4 in Mun. Ward No. 2 admeasuring 200 Sq. yds. situated at Kshetrapal Street, Nr. Majura Gate, Surat as mentioned in the registered deed No. 4096 of November, 1974 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26-186 GI/75

Date : 26th July 1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sanjiv Jindal,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Jindal Steel Industries (P) Ltd.
8, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, dated 24th July 1975

Ref. No. Ac-12/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmauria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8A, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 12th November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor flat measuring about 1618 sq. ft. situated at 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Rajiv Jindal,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jindal Steel Industries (P) Ltd.,
8, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th July 1975

Ref. No. AC-14/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmauria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 21-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of flat in the ground floor measuring about 1380 sq. ft. situated at 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Jindal Steel Industries (P) Ltd.,
8, Alipore Road, Calcutta.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-6, the 24th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AC-13/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia,
being the competent authority
under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 8A, situated at Alipore Road, Calcutta
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Registrar of Assurances, Calcutta on 12-11-1974
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajiv Jindal,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor flat measuring about 1618 sq. ft. situated at 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sanjiv Jindal,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jindal Steel Industries (P) Ltd.,
8, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th July 1975

Ref. No. AC-15/R-II/Cal/75-76.—Whereas I, R. V. Lalmauria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 21-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of flat in the ground floor measuring about 1380 sq. ft. situated at 8A, Alipore Road, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/818/74-75/261.—Whereas, I, C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H-61 situated at Kirtinagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7th December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Chetan Dass
2. Shri Madan Lal sons of Sh. Ranjit Rau
resident of 29/6, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh s/o
Shri Harnam Singh
r/o F-1, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 300 sq. yds. (45 ft. x 60 ft.) bearing plot No. H-61 situated in approved residential colony known as Kirti Nagar, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi, bounded as under :—

East : plot No. 60
West : Park
North : Road
South : Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 11th April 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/Acy.II/819/74-75/264.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-53 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 19th December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Inder Kaur, W/o S. Darshan Singh c/o M/s. Gokul Chand Darshan Singh, Shop No. 5, Subzi Mandi, Delhi-7 at present 1/8, Ganda Nala, Mori Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhag Singh s/o Sardar Singh
r/o D-10/5, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 243 sq. yds. bearing plot No. 53 in Block 'J' situated at Rajouri Garden, New Delhi, area of Village Bassai dara pur, Delhi and bounded as under:—

North : Property on plot No. J/54
South : Property on plot No. J/52
East : Road.
West : Property on plot J/77

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 11th April 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajinder Kumar s/o
Shri Lal Chand r/o
8/41, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Wadhwa,
s/o Sh. Dewan Chand,
r/o 1/80, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/822/75-76/271.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 or H/87 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 8th January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot of land measuring 100 sq. yds. (total measuring 200 sq. yds. (30 ft x 60 ft) at plot No. H/87, situated in an approved colony known as Kirti Nagar, New Delhi area of village Bassai Dara Pur, Delhi and bounded as under :—

North : House No. H/88
South : House No. H/86
East : Road
West : S. Lane.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 11th April 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajeshwar Prasad, s/o
Late Lala Mam Raj
r/o D-13/11, Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Assam Wood Products (P) Ltd,
Tin Sukia, Assam, through Shri Gopi Ram
Dasiwasia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A free-hold plot of land bearing No. 23 on Road No. 71 in Class-B, measuring 1322.2 sq. yds, situated in the colony known as Punjabi Bagh, New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

North : Road
South : Plot No. 22
East : Road
West : Plot No. 25

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

27-186GI/75

Date : 11th April 1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mangal Sain Tandon, s/o
Shri Sardar Mal
r/o F-14/9, Model Town, Delhi-9

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohinder Singh s/o
Shri Lal Singh
C-11/5, Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/75-76/824/275.—Whereas, I, C. V. GUPTA,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-11/5 (First floor) situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 11th December 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house comprising of two rooms, one store, laboratory and kitchen barsati, built on land measuring 235 sq. yds. part of plot No. 5 in Block C-11, situated in the colony known as Model Town, area of village Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation. (The said construction is in the first floor) and the boundary bounded as under :—

North : Property No. C-11/6

South : Gali

East : Remaining portion of property No. C-11/5

West : Gali.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 11th April, 1975,

Seal :

FORM IINS

(1) Shri Mangal Sain Tandon,
s/o Sh. Sardar Mal
F/14-9, Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/825/75-76/277.—Whereas, I. C. V. GUPTE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-11/5 (Ground floor) situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 5th December 1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sh. Mukhtiar Singh s/o S. Khushan Singh
r/o C-11/5, Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house comprising of three rooms, kitchen and lavatory, built on land measuring 235 sq. yds. part of plot No. 5 in Block C-11 situated in the Colony known as Model Town, Area of Village Malikpur Chhanoi, Delhi State, Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation (the said construction is in the ground floor and the boundary is bounded as under :—

North : Property No. C-11/6

South : Gali.

East : Remaining portion of property No. C-11/5

West : Gali.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 11th April, 1975.

Seal :

FORM ITNS

- (2) Shri Amar Nath s/o Sh. Harji Ram, A-68, Kirti Nagar, New Delhi (ii) Sh. Bhagirth Ram s/o Sh. Harji Ram, r/o. A-68, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFAF ALI ROAD, SAHIB SINGH BLDG. NEW DELHI

New Delhi, the 23rd May 1975

Ref. No. II/1652/75-76/837/758.—Whereas, J. C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 15 situated at Motia Khan, Damp Scheme, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27th December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dewan Chand, S/o Sh. Sohan Lal r/o, 27, Hanuman Road, New Delhi, through his general Attorney Sh. Dawarka Nath, s/o Sh. Nand Ram, r/o T-458, Jhandewalan, Mandir near Darbar Pir Rattan Nathji, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All right, title and interests in the plot of land at No. 15, measuring 648.22 sq. yds. alongwith leasehold rights there to situated at Motia Khan, Damp Scheme, Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 23rd May 1975.

Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Lilla Dhar, s/o Sh. Hem Raj Pahuja,
C-7/5, Rana Partap Bagh, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A ASAFAI ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 20th May 1975

Ref. No. II/1785/75-76/836/758.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-31 situated at Satyawati Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 26th February 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Sadhu Ram, s/o Shri Hem Raj Pahuja, R/o. C-7/5, Rana Partap Bagh, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. B-31, measuring 300 sq. yds. out of Scheme bearing Khasra Nos. 86, 88, 89, 92 to 98, 100 to 107 situated in the freehold colony known as Satyawati Nagar, Delhi and is bounded as under :—

East : Road
West : Service Lane
North : B-32
South : G-30

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 20-5-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 11th July 1975

Ref. No. KLU/9/74-75.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 28 bighas and 6 biswas, situated at Phati, Bandrol Kothi Raison, Teh. Kulu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kulu in December, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sarvshri
 - (i) Kapoor Chand,
 - (ii) Dev Raj,
 - (iii) Tilak Raj,
 - sons of Prabh Dayal Jain,
 - (iv) Banarsi Dass, son of Arur Chand,
 - (v) Shanker Dass, son of Shri Thakur Dass,
 - (vi) Ram Murti,
 - (vii) Om Parkash,
 - (viii) Bal Kishan,
 - sons of Ram Saran Dass,
 - (ix) Kishan Chand,
 - Residents of Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Sarvshri
 - (i) Puran Chand Lobzang Tandoop, s/o Budhi Singh,
 - (ii) Shamsher Singh, s/o Puran Chand, Residents of Village Banal Kothi Goshal, Teh. Keylong.
 - (iii) Kanzang, s/o Padma,
 - (iv) Sonam Angroop, s/o Kanzang, Residents of Village Barri Kothi Barpa, Teh. Keylong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 bighas and 6 biswas, bearing Khasra No. 299/9-11, 300/18-15 Kitatas 2 Khata and Khata ouni No. 180 Min/247 Min Jamabandi for the year 1968-69 situated Phati, Bandrol Kothi Raison, Tehsil and District Kulu.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 897 of December, 1974 of the Registering Authority, Kulu).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagdip Shah Singh, s/o
Late S. Arjan Shah Singh,
9-Halong Road, Jamshedpur, (Bihar).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B.

(2) Shri Madan Mohan Bhandari,
Resident of Shah Cottage,
Hira Nagar, Patiala.
Office address : The Chief Engineer and Works
Manager, Hindustan Wire Products Ltd., Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 11th July 1975

Ref. No. PTA/U/7/74-75.—Whereas, J. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 1/2 share in Kothi 'Shah Cottage' Hira Nagar, just near the Railway Crossing No. 22, Kothi No. B-3/75 situated at Patiala,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala (Urban) in January, 1975,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Kothi 'Shah Cottage' Hira Nagar, just near the railway crossing No. 22, Patiala, Kothi No. B-3/75.

[Property as mentioned in the Registered Deed No. 1661 of January, 1975 of the Registering Officer, Patiala (Urban)].

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-7-1975,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th July 1975

Ref. No. PTA/U/8/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Kothi 'Shah Cottage', Hira Nagar, just near the Railway Crossing No. 22, Kothi No. B-3/75, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hardip Shah Singh, s/o Late Shri Arjan Shah Singh, 40-Peace Haven Saint Andrew Road, Bandra, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Madan Mohan Bhandari, Resident of Shah Cottage, Hira Nagar, Patiala. Office address : The Chief Engineer and Works Manager, Hindustan Wire Products Ltd., Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Kothi 'Shah Cottage', Hira Nagar, just near the Railway Crossing No. 22, Patiala, Kothi No. B-3/75. [Property as mentioned in the Registered Deed No. 1662 of January, 1975 of the Registering Officer, Patiala (Urban)].

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11-7-1975,

Seal ;

FORM ITNS—

(2) Sarvshri
(i) Krishan Kumar,

(ii) Brij Bhushan,
sons of Shri Lachhman Chand,
Near Nishan Singh House,
Char Chaman, Karnal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th July 1975

Ref. No. KNL/82/74-75.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2 and 3 situated at Railway Road and near Government Girls Higher Secondary School, Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbhawan, s/o Shri Hira Nand,
H. No. 255, Sector 9-C, Chandigarh,
through Shri Diwan Chand, s/o Shri Hira Nand.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 and 3 situated on Railway Road and Near Government Girls Higher Secondary School, Karnal, Khasra No. 4896.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4990 of January, 1975 of the Registering Authority, Karnal).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri P. C. Mandhir, s/o Shri Channan Ram,
House No. 207, Model Town, Ambala City.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 11th July 1975

Ref. No. CHD/258/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1332, Sector 18-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sarvshri

(i) Bhagwan Dass, s/o Gela Ram,
(ii) Subash Chander,
(iii) Ravinder Kumar,
(iv) Bhagwan Dass father and natural guardian of Bhupesh Kumar (minor son).
Universal Book Depot, Sector 17, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1332, Sector 18-C, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagjit Rai, s/o
Shri Lachhman Dass.
Resident of Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 11th July 1975

Ref. No. LDH/C/574/74-75.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 1000 $\frac{1}{4}$ sq. yds. situated at Old Gahlewala Area, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Sarvshri
(i) Dharam Pal,
(ii) Goverdhan Pal,
(iii) Sat Pal,
(iv) Rajpal,
sons of Shri Paras Ram
Proprietors, M/s. Uppal Foundry,
163-A, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acts shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, measuring 1000 $\frac{1}{4}$ sq. yds. situated at Old Gahlewala Area, Tehsil Ludhiana.

Khasra No. 935/676, 464/462 and Jamabandi 1968-69.

[Property as mentioned in the Registered Deed No. 9576 of March, 1975 of the Registering Authority, Ludhiana (C)].

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 11-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rajathi (alias) Palaniammal, W/o. Late Rathinavel Gounder Alagapuram, Salem-4.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Muniammal, W/o, R. Ramasamy Gounder, Veppampattu Kattu Valavu Avaniperur, Sankari Tq.,
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras, the 30th June 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. XVI/1(iii)/14/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 49/1, 49/2 & 53/4, Sooramangalam village, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erumaiappatti on December, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/4th share in agricultural lands measuring 8.87 acres in Survey Nos. 49/1, 49/2 and 53/4, with a small tiled house at Suramangalam village, Salem Tq.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-1975.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rajathi (alias) Palaniammal, W/o. Late Rathinavel Gounder, Alagapuram, Salem-4.
(Transferor)

(2) Shri Sengoda Gounder, Veppampattu village, Avaniperur, Shankari Tq.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras, the 30th June 1975

Ref. No. F. XVI/1(iii)/15/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 49/1, 49/2 & 53/4, situated at Sooramangalam village, Salem, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Etumaiapatti on December, 1974, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural lands measuring 8.87 acres in Survey Nos. 49/1, 49/2 and 53/4 with a small tiled house at Suramangalam village, Salem Tq.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 30-6-1975.
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Pongianna Gounder, Devoor village, Ammapalayam Kattu Valavu, Sankari Tq.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras, the 30th June 1975

Ref. No. XVI/1(iii)/16/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh,

being the competent authority under section 268B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 49/1, 49/2 and 53/4, situated at Suramangalam village, Salem Tq.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erumalipatti on December, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the register; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Rajathi (alias) Palaniammal, W/o. Late Rathinavel Gounder, Alagapuram, Salem-4.
(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural lands measuring 8.87 acres in Survey Nos. 49/1, 49/2 and 53/4 with a small tiled house at Suramangalam village, Salem Tq.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 30-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rajathi (alias) Palaniammal, Alagapuram, Salem-4.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras, the 30th June 1975

Ref. No. F. XVI/1(iii)/17/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 49/1, 49/2 & 53/4, situated at Suramangalam village, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Erumaiapatti on December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said 'Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri R. Kumarasamy Gounder, Ammapalayam, Devoor village, Sankari Tq.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in agricultural lands measuring 8.87 acres in Survey Nos. 49/1, 49/2 and 53/4 with a small tiled house at Suramangalam village, Salem Tq.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 30-6-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Jashwantiben Maganlal Bardoliwala; Hasmukhlal Maganlal Bardoliwala; Surat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Ratilal Keshavram, through partners;
(1) Ratilal Keshavram;
(2) Kantilal Keshavram;
(3) Mohanlal Keshavram;
(4) Jamiyatgam Keshavram;
Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad, the 18th April 1975

Ref. No. PR. 218/Acq. 23-400/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 97 Paiki Hissa No. 9/2 situated at Ummerwada, Tal. Chorasi, Distt. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

An open plot of land bearing Sur. No. 97 Paiki Hissa No. 9/2 admeasuring 726 sq. yds. situated at Ummerwada, Tal. Chorasi, Distt. Surat as mentioned in the registered deed No. 3312 of December, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 18-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 18th April 1975

Ref. No. PR. 220/Acq.23-330/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 167 Paiki situated at Majura, Tal. Chorasi, Distt. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 31-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

29—186GI/75

- (1) M/s. Navsarjan Organizers through partners;
- (1) Bipinchandra Sunderlal;
- (2) Jamiyatrami Ratijal;
- (3) Pratapbhai Sarabhai Desai;
- (4) Nilaben Mohanlal;
- (5) Kantilal Mohanlal;
- (6) Ilaben Balyantra;
- (7) Taraben Nagindas;
- (8) Nareschandra Ramanlal;
- (9) Arunkumar Chimanlal;
- (10) Vidyagauri Keshavram;
- (11) Padmaben Hosmukhlal; Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Dwarakesh Industrial Coop. Service Society Ltd. through : President : Bhaktilal Venilal; Secretary; Pratapbhai Sarabhai Desai, Khatodra, Behind Jail, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open and bearing Sur. No. 167 Paiki admeasuring 24051 sq. yds. situated at Majura Tal. Chorasi Distt. Surat as mentioned in the registered deed No. 4519 of December, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 18-4-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Bai Kashi Wd/o. Zinabhai Ghelabhai Navsari Bazar, Surat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 29th April 1975

Ref. No. PR. 221/Acq. 23-401/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'said Act'), believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Muni. Ward-No. 2 Nondh No. 1955-A-1-A Paiki plot No. C Paiki situated at Behind Mahadev Nagar Housing Society Surat. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 4-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

(2) Kailash Nagar Co-operative Housing Society, Ltd. Through; President: Ratilal Chhaganlal. Secretary : Kailashben Champaklal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Nondh No. 1955-A-1-A Paiki in Muni. Ward No. 2, plot No. C Paikk; blocks 'T' and 'Th' admeasuring 600 sq. yd. each block i.e. 1200 Sq. yds. total. situated at Sagrampura, Near Anand Nagar Housing Society (Behind Mahadev Nagar Housing Society) Surat as mentioned in the registered deeds No. 4284 and 4286 of December, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 29-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th July 1975

Ref. No. CHD/244/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 2089, Sector 15-C, built on plot No. 20, Street 'D', Sector 15-C, Chandigarh, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Rani Devi Caberwal, W/o Shri Jagat Singh Caberwal, 688, Sewal Highway Coventry, England, through her father and special attorney Shri Lekh Ram Adhopia, s/o Late Shri Jagan Nath, 477, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shesh Pal Sood, (Karta) s/o Shri Ram Chand Sood, Mohalla Bahadurpur, Near Municipal Reading Room, Hoshiarpur.

(Transferee)

* (4) Shri Dalip Singh Grewal, s/o Shri Sewa Singh, House No. 2089, Sector 15-C, Chandigarh.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2089, Sector 15-C, built on Plot No. 20, Street 'D', Sector 15-C, Chandigarh.

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 18-7-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amir Chand, s/o Shri Ganga Ram, P-33,
Mission Road Extension, Calcutta-13.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Hind Material Store, Hing Ki Mandi, Agra-3.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 17th July 1975

Ref. No. BGR/32/74-75.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Industrial Plot No. 342, Sector 24, Urban Estate, Faridabad alongwith super-structure thereon, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No. 342, Sector 24, Urban Estate, Faridabad alongwith super-structure thereon.

East : Factory building (Plot No. 329).

West : Road.

North : Factory building (Plot No. 341).

South : Vacant plot No. 343.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 3395 of January, 1975 of the Registering Authority, Ballabgarh.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sukhinder Pal Singh, s/o Shri Pritam Singh Saini, Advocate, Guru Nanak Street, Patiala.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mann Kaur w/o S. Inder Singh II, No. 422/2, Guru Nanak Street, Gher Sodhian, Patiala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 17th July 1975

Ref. No. PTA/U/6/74-75.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House with total area of 736 sq. yds. located in Guru Nanak Street, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala (urban) in January, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house with total area 736 sq. yds. located in Guru Nanak Street, Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1613 of January, 1975 of the Registering Authority, Patiala (Urban).)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st July 1975

Ref. No. PR. 223/Acq.23-348/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muni Ward No. 2, Nondh No. 1932 Paiki situated at Ring Road, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) (1) Pranvadan Gopaldas Kapadia and as guardian of minor Nayneshkumar,
- (2) Surendrabhai Preinvadan Kapadia,
- (3) Mukundkumar Preinvadan,
- (4) Bhupendrabhai Gopaldas Kapadia,
- (5) Hasmukhbhen Chandulal,
- (6) Shashiben Balvantrai,
- (7) Shardaben Manaklal,

- (8) Padmaben Babulal,
- (9) Ranjanben Kantilal,
- (10) Puspaben Jayavadan Surat.

(Transferor)

- (2) M/s. Vishwakarma Land Corporation through partners : Nanubhai Khandubhai DESAI, Taraben Ratilal, Champaklal Chunilal Jinwala Yashavant Chimanlal Shah, Mukul Nanubhai Desai Tulsibhai Thakordas Manawala, Amratlal Thakordas Manawala, Champaklal Thakordas Manawala.

(Transferee)

- *(4) (i) M/s. Mona Enterprise through Managing Partner Induben Sharadchandra Desai, Surat.
- (ii) (1) Dahyabhai Narottamdas Solanki.
- (2) Dharamchand Gulabchand Parmar.
- (3) Lalitaben Ramjibhai Dabhai.
- (4) Nitaben Nagindas Shah and Rameshchandra Somchand Shah.
- (5) Kamalkant Mohanlal Patel.
- (6) Manjulaben Natverlal Trivedi.
- (7) Hemlata Chandulal Belani.
- (8) Narendra Ratilal Desai.
- (9) Shri Gorakhnath Laxmanrao Mahaskar.
- (10) Anjana Champaklal Jariwala.
- (11) Manchharam Gandabhai Parmar.
- (12) Amratlal Maganlal Vachi.
- (13) Gurucharandas Arjundas Arora.
- (14) Induben Sharadchandra Desai.
- (15) Atulchandra Natverlal Patharwala.
- (16) T. D. Adwani.
- (17) Meena K. Desai.
- (18) Bijendra Dhirubhai Desai.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 1932 Paiki in Muni, Ward No. 2 admeasuring 700 sq. yds. situated near Ring Road, Opp. Majura Gate, Surat, as mentioned in the registered deed No. 4432 to 4437 of December, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 21-7-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st July 1975

Ref. No. PR. 224/Acq.23-348/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Muni Ward No. 2, Nondh No. 1932 Paiki situated at Ring Road, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vishwakarma Land Corporation Surat through partners:—Nanubhai Khandubhai Desai, Taraben Ratilal, Champaklal Chunilal Jinwala, Yashwant Chimanlal Shah, Mukul Nanubhai Desai, Tulsibhai Thakordas Manwawala, Amratlal Thakordas Manwawala, Champaklal Thakordas Manwawala.

(Transferor)

(2) M/s. Mona Enterprise, Surat through : Managing Partner Induben Sharadchandra Desai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 1932 Paiki in Muni. Ward No. 2 admeasuring 352.5 sq. yds. (Total) situated at Ring Road, Opp. Majura Gate, Surat as mentioned in the registered deeds No. 4441 to 4443 of December, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 21-7-1975

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Sumanben Wd/o Shivram Narayan Shethi, Baroda.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009. the 22nd July 1975

(2) Parikh Apartments through its 16 members

1. Shri Jasper Vasant Williams.
2. Shri Jayantilal Mohanlal Patel.
3. Shri Sesil Robin Williams.
4. Shri Eldon Elvin Deniels.
5. Shri Harshad Chunilal Thakar.
6. Shri Manhar Chimanlal Shah.
7. Shri Anant Jaywant Kulabker.
8. Shri Shashikant Gajanan Sale.
9. Shri Gorkhnath Laxmanrao Mahaskar.
10. Shri Hemant K. Vaidya.
11. Shri Rasikumar Raojibhai Patel.
12. Shri Kanubhai Hiralal Trivedi.
13. Shri Natverlal Nathalal Shah.
14. Shri Pravinchandra Chandulal Mehta.
15. Shri Mukund Natverlal Parikh.
16. Shri Rushikesh R. Chokshi.

(Transferee)

Ref. No. PR. 226/Acq. 23-423/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. Tika No. 1-4 S. No. 2/1/A Paiki Open Land, situated at Fateh Ganj, Camp, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 11-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are confined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2482 sq. ft. situated on East of University Road, Jal Wykes Compound bearing Sur. No. S. 547 D. Tika No. 1-4 Sur. No. 2-1 as fully described in the sale deed bearing Registration No. 5146 dated 11-12-74 of Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-JI
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1975

Ref No. PR. 227/Acq. 23-424/15-4/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 37 Paiki Open land admeasuring 80000 Sq. ft. situated at Lunawada, Dist. Panchmahal, (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lunawada on 13-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—186GI/75

- (1) (1) Kachhia Dhuljibhai Kalidas.
- (2) Kachhia Punamchand Kalidas.
- (3) Kachhia Bai Shanta Wd/o Lallubhai Kalidas.
- (4) Kachhia Jayantilal Lallubhai (Minor) through his guardian Bai Shanta Lallubhai, Kachhiawad, Lunawada.

(Transferor)

- (2) Lunawada Saif Hospital Nursing Home Trustees
- (1) Dr. Shaikh Karimbhai, Shaikh Abdul Taiyab Diwanji,
- (2) Shaikh Taherbhai Abdul Hussein Lakdawala,
- (3) Haji Mohmedbhui Gulamhussein Rangwala,
- (4) Hakim Saheb Alimohmed M. Jivaji,
- (5) Haji Mulla Gulamali Taiyabali Darukhanawala,
- (6) Haji Mulla Fakruddin Abdulhussain Lakdawala Vaharavad, Lunawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 37 Paiki admeasuring 80,000 Sq. ft. situated at Lunawada Dist. Panchmahal as fully described in sale deed registered under registration No. 1795 on 13-12-74 at Registering Officer, Lunawada.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Yousuf Begum, By G.P.A. holder Mohd. Minul-Abedee Khan, S/o Hyder Khan, H. No. 3-4-754 at Lingampally, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th July 1975

Ref. No. RAC. No. 84/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-754 situated at Lingampally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Part and parcel of the property bearing Municipal No. 3-4-754 at Lingampally, Hyderabad.

Area : 1704 Sq. Yards.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. RANGAYYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1975.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th July 1975

Ref. No. RAC. No. 85/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-754 situated at Lingampally Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Yousuf Begum, By G.P.A. Mohd. Zain-ul-Abedeen Khan, H. No. 3-4-754 at Lingampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kailas Sree Ramulu, S/o Kailas Bonthaiah, H. No. 28-1-267 at Tarnaka, Secunderabad-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Out houses and 478.80 Sq. Mts. forming part of house bearing Municipal No. 3-4-754 at Lingampally, Hyderabad.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Jaiswal Sangha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1975

Ref. No. AC-222/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 81/D (at present 82/1D), situated at Bechu Chatterjee Street, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Abanindra Churan Law.

(Transferor)

Date : 25-7-1975.

Seal :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land, area 3 cottas 4 chittacks 17 sft. more or less, premises No. 81/D (at present 82/1D) Bechu Chatterjee Street, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

FORM ITNS—

(1) Shri Temulji Jamshedji Karanjawala, Karanjbaug,
Near Naroda Crossing, Ahmedabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-445 (205)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 343, situated at Naroda, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-12-1974, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Hitendranagar Sahkari Audyogic Vasahat Ltd., Dhobighat, Dudheshwar Road, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3 Acres & 18 Gunthas bearing Survey No. 343 and situated at Naroda, Ahmedabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 16-7-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Parvati Devi and another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Triveni Sahkari Girha Nirman Samiti.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th July 1975

Ref. No. 9-T/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32, situated at Muir Road Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 23-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A House No. 32 having total area of land 3861 sq. yds. is situated at Mohalla Muir Road, Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date: 11-7-75
Seal:

FORM JTNS

(1) Smt. Sushila Devi Girdhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rani Rastogi and another.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1975

Ref. No. 54-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 113 situated at Attersuiya Lane Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 26-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A House No. 113 having total area of land 597 Sq. Yds. is situated at Mohalla Attersuiya Lane Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 10-7-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jogendar Nath Agarwal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Punita Mittal and another.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1975

Ref. No. 32-P/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B. 66 situated at Chand Ganj Housing Scheme, Nirala Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 28-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

THE SCHEDULE

A plot No. B-66 measuring 9600 Sq. ft. situated in Chand Ganj Housing Scheme, Nirala Nagar, Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-7-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Krishpati Devi alias Bittan Devi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dwarika Prasad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th July 1975

Ref. No. 15-D/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nil situated at Mohalla Tathai Bazar Distt. Mirzapur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mirzapur on 17-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situate at Mohalla Tathai Bazar Distt. Mirzapur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—186GI/75

Date : 15-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kharak Singh and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendra Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 15th July 1975

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 55-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Arazi No. 140, situated at Village Mohammad Ganj, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 28-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

A agricultural land No. 140, measuring 14-20 acres situated at Village Mohammad Ganj, Tch. Thakurdwara, Distt. Moradabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH
(Competent Authority)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-7-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prayag Narain Singh & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bishambhar Dayal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 15th July 1975

Ref. No. 43-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Village Gangapur Chamran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 25-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 Bigha 13 Biswa situated at Village Gangapur Chamran Teh. Kishha Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date 15-7-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-476(206)/18-5/74-75.—Whereas, I. J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey Nos. 5235 and 5237 situated at Vallabhbhai Patel Road, Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan in December, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, of the following persons, namely:—

(1) The Kanti Cotton Mills Private Ltd.,
Mill Road,
Surendranagar,

(Transferor)

(2) Shri Aradhana Co-op. Housing Society Ltd, through its Chairman: Shri Kapilrai Shantilal Dave, Secretary: Shri Hasmukhlal Chotalal Gandhi, 11-Arun Society, Gopal Kripa, Vallabhbhai Patel Road, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 8351 sq. yards bearing City Survey No. 5235 and 5237, situated at Vallabhbhai Patel Road, Surendranagar and bounded as under:—

North—Vallabhbhai Patel Road.
South—Rain-water Nala and Police head Quarters.
East—25 ft. wide road.
West—20 ft. wide road.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-7-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (i) Baikunthnath Rajoria s/o Shri Kedarnath Rajoria
 (ii) Smt. Saroj Rajoria w/o Shri Baikunthnath Rajoria (iii) Smt. Govindi Devi w/o Shri Kedarnath Rajoria, r/o (i) to (iii) E-67 Chitaranjan Marg, C-Scheme, Jaipur (iv) Shri Deepak Kulwal s/o Shri Rameswarlal Kulwal, D-183 Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/246.—Whereas, I, S. R. Vaish being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural land, situated at Vill. Sushilpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on Dec. 31, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Vidyawati Sarin w/o Dr. Lajpatrai Sarin, Sahdeo Marg, Bungalow No. 11, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 bigha 10 biswa bearing Khasra No. old 203, 204 & 205/2 & new 185, 186, 187, 188, 194 & 195 situated in village Sushilpura also known as Bada, Gaon, Teh. & Dist. Jaipur along with two wells fitted with electric pumps, servants' quarters & a living room set constructed on it.

S. R. VAISH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 26-6-1975

Seal :

FORM JTNS

(1) M/s. Three Aces, Partnership firm, Tilak Road, Hyderabad.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Zubeda Begum W/o Suleman, Business, Armoor, Nizamabad Dist.
(Transferee)(3) (Transferee)
(Person in occupation of the property)(4) (Transferee)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 64/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/Shop No. 4 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 13-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 4 with land and first floor thereon with terrace forming part of premises known as 'Bait-ul-Aman' bearing No. 4-1-938, admeasuring 39.96 Sq. Metres, situated at Tilak Road, Hyderabad as delineated in the plan.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1975

Seal:

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL
SERVICE EXAMINATION, 1976
F. 18/1/75-EI(B)**

New Delhi, the 9th August 1975

A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA and TRIVANDRUM commencing on the 28th January, 1976 in accordance with the Rules published by the Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 9th August, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the two Services are given below:—

| | |
|-------------------------------------|----|
| (i) The Indian Economic Service | 20 |
| (ii) The Indian Statistical Service | 20 |

The above number are liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preference when making appointments.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address, and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION 1976. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 6th October, 1975 (20th October, 1975 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 6th October, 1975), accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

6. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

**ANNEXURE II
INSTRUCTIONS TO CANDIDATES**

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. *The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE

NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION, ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidates' own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep, from a date prior to 6th October, 1975.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee will be considered provisionaly, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application alongwith the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Three identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Castes/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below).

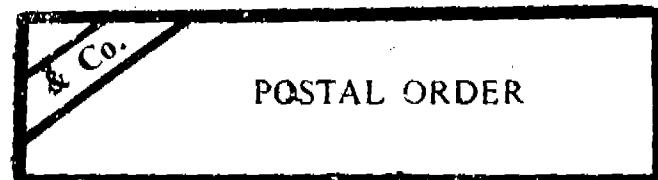
NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN

EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv), are given below and of those in items (v) and (vi) are given in para 4 and 5 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee*—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 48.00, Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualifications.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (*i.e.* University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 30th April, 1976.

(iv) *Three copies of Photograph.*—A candidate must submit three identical copies of his recent passport size (5 cm. X 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the remaining two copies should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidate are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach Commission's office [except as provided for in Note under para-186GT/75

graph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designed by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* of belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe*.

Under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; (as Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971.*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitutions (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes, Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of*

Signature.....

**Designation.....
(with seal of Office)

Place.....

Date.....

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
 (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
 (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
 (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 5(b) (ii) or 5(b) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b) (iv) or 5(b) (v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b) (viii) or 5(b) (ix), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(b) (vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b) (x) or 5(b) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/ in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b) (xii) or 5(b) (xiii) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below, from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(vii) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(b) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrators of the Concelhos.
- (3) Mamlatdars.

6. A Person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secrt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive

from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110006) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001) (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding Application.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOW-

ING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS, MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

